जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, गुरुवार 12 जून, 2025

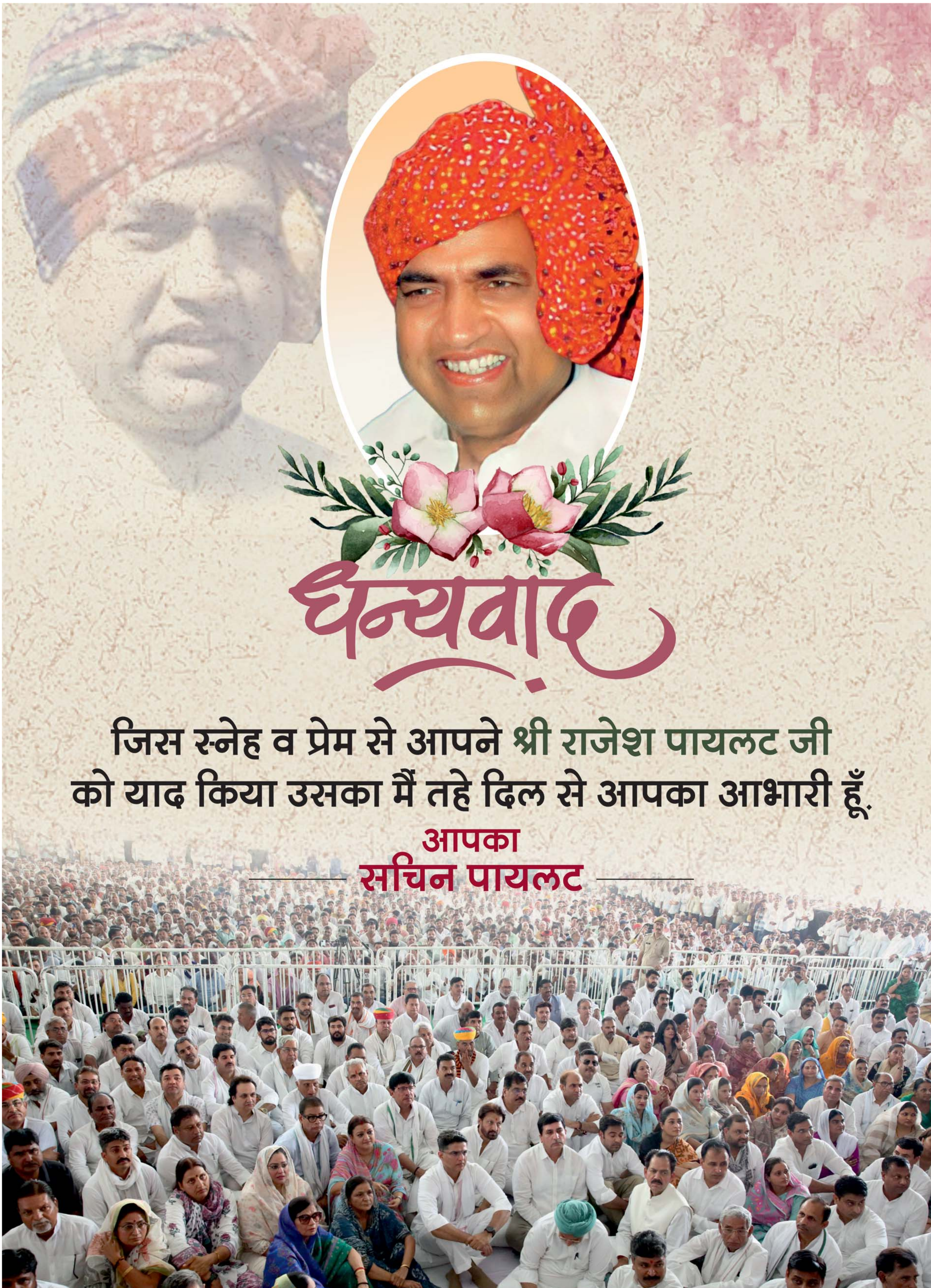

विचार बिन्दु

सुधार के बिना पश्चाताप ऐसा है जैसे सुराख़ बंद किये बिना जहाज में से पानी निकालना। –पामर

सीवर लाइनों की सफाई अब भी जानलेवा: सरकार सीरियस क्यों नहीं है?

22 मई 2025 को राजस्थान के बीकानेर में एक हृदयविदारक घटना ने देशभर का ध्यान हमारी ओर खींचा, और यह ध्यानाकर्षण कलंक का कारक बना। करणी औद्योगिक क्षेत्र में भवानी वूलन मिल के सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन सफाई कर्मचारी–अनिल कुमार चांगरा (36), सागर राज लखन (30), और गणेश (28)– जहरीली गैस की चपेट में आकर दम घुटने से मर गए। यह हादसा उसी दिन हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीकानेर में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस घटना ने राजस्थान का सिर शर्म से झुका दिया। इस घटना ने मैनुअल स्कैवेंजिंग की जानलेवा परिस्थितियों, सुरक्षा उपायों की कमी, और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर किया। वैसे यह कोई नई समस्या नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री की उपस्थिति में प्रदेश में ऐसी घटना का होना बहुत चिन्ताजनक है। देखना है राज्य सरकार इससे क्या सबक लेती है। यूं राजस्थान और देश के अन्य विकसित राज्यों में ऐसी घटनाएँ बार–बार सामने आती रहती हैं, जो सामाजिक उदासीनता, आर्थिक शोषण, और तकनीकी पिछड़ेपन को दर्शाती हैं।

बीकानेर की घटना के इर्द–गिर्द सफाई कर्मचारियों की स्थिति, सामाजिक दृष्टिकोण, मैनुअल सफाई की निरंतरता, ठेकेदारों की जवाबदेही, भारत में रोबोटिक क्लीनिंग, विदेशी प्रथाएँ, सरकारी सहायता, और समाधान के सुझावों सब को देखने–परखने की जरूरत है। राजस्थान में मैनुअल स्कैवेंजिंग के दौरान होने वाली मौतें एक गंभीर संकट हैं। बीकानेर की घटना से पहले, 2025 में जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में को चार सफाई कर्मचारियों की सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान मौत हुई थी। डीग में भी तीन मजदूरों की जान गई थी। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 से 2023 तक देशभर में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान 377 लोग मरे, जिनमें राजस्थान का हिस्सा उल्लेखनीय था। बीकानेर में पुलिस की प्रारंभिक जाँच के अनुसार, सेप्टिक टैंक में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य जहरीली गैसों की उच्च मात्रा थी। मजदूरों को बिना मास्क, ऑक्सीजन सिलेंडर, या सुरक्षात्मक सूट के उतारा गया। एक मजदूर के बेहोश होने पर दो अन्य उसे बचाने उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आ गए। यह लापरवाही ठेकेदारों, फैक्ट्री मालिकों, और प्रशासन की उदासीनता को दर्शाती है, जो 2013 के मैनुअल स्कैवेंजर्स के नियोजन पर प्रतिबंध और उनके पुनर्वास अधिनियम का उल्लंघन है।

देश के अन्य कथित तौर पर विकसित राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, और दिल्ली में भी स्थिति चिंताजनक है। महाराष्ट्र में 2021–2024 के बीच 18 सफाई कर्मचारियों की मौत हुई, जैसा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की सामाजिक ऑडिट रिपोर्ट में दर्ज है। मुंबई में 2022 में तीन मजदूरों की सेप्टिक टैंक में दम घुटने से मौत हुई। स्वयं प्रधानमंत्री के गृहराज्य गुजरात में अहमदाबाद और सूरत में 2023–2024 में 12 मौतें हुईं। तमिलनाडु में चेन्नई में 2024 में दो मजदूरों की मौत हुई। कर्नाटक में बेंगलुरु में 2023 में तीन मजदूर मरे। दिल्ली में 2024 में चार ऐसी घटनाएँ दर्ज हुईं। इन राज्यों में मैनुअल स्कैवेंजिंग पर कानूनी प्रतिबंध के बावजूद, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक आर्थिक असमानताएँ इसे बनाए रखती हैं। सवाल है सफाई कर्मचारियों के प्रति समाज का सम्मानजनक नजरिया क्यों नहीं बन रहा? इसका मूल कारण भारत की जाति व्यवस्था और सामाजिक भेदभाव है। सफाई कर्मचारी अधिकतर दलित समुदायों से हैं, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से 'अछूत' माना गया। यह मानसिकता आज भी समाज में गहरी जड़ें जमाए हुए है, जिसके कारण सफाई के काम को निम्न और अपमानजनक समझा जाता है। लोग सफाई कर्मचारियों को सम्मान देने के बजाय उनके काम को उनकी 'जातिगत नियति' मान लेते हैं।

स्कूलों, मीडिया, और सामाजिक संवाद में इस भेदभाव को खत्म करने के प्रयास नगण्य हैं। दूसरा, मध्यम और उच्च वर्ग का स्वार्थी दृष्टिकोण भी जिम्मेदार है। लोग सस्ते और त्वरित समाधान के लिए मैनुअल स्कैवेंजिंग को प्राथमिकता देते हैं, बिना मजदूरों की जान की परवाह किए। तीसरा, जागरूकता की कमी है। अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि मैनुअल स्कैवेंजिंग गैरकानूनी है और इसके खतरनाक परिणाम हैं। लोग मैनुअल सफाई क्यों कराते या होने देते हैं यह भी समझना जरूरी है, इसका पहला कारण आर्थिक है। मैनुअल स्कैवेंजिंग मशीनों की तुलना में सस्ता है। निजी घरों, छोटे उद्योगों, और यहाँ तक कि नगरीय निकाय भी लागत बचाने के लिए मजदूरों को बिना उपकरणों के खतरनाक काम में उतारते हैं। दूसरा, पुराने सीवर और सेप्टिक टैंक डिज़ाइन मशीनों के उपयोग को मुश्किल बनाते हैं। तीसरा, ठेकेदार और मालिक जानबूझकर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं, क्योंकि सस्ता श्रम आसानी से उपलब्ध है। चौथा, समाज में नैतिक जवाबदेही की कमी है। लोग यह मानते हैं कि यह मजदूरों का काम है, और उनकी मौतों को 'दुर्भाग्य' मानकर भुला दिया जाता है। अब यह भी देखने वाली बात है कि सफाई कर्मचारी और ठेकेदार सावधानी क्यों नहीं बरतते? सफाई कर्मचारियों के मामले में, गरीबी और बेरोजगारी उन्हें मजबूर करती है। अधिकांश अनुबंधित मजदूर हैं, जिन्हें न नौकरी की सुरक्षा है, न प्रशिक्षण, और न ही सुरक्षा उपकरण। वे ठेकेदारों के दबाव में बिना सवाल उठाए खतरनाक काम करते हैं। ठेकेदारों की लापरवाही का कारण मुनाफा है। वे सुरक्षा उपकरणों, प्रशिक्षण, या मशीनों पर खर्च करने से बचते हैं।

> **बीकानेर की घटना सामाजिक असमानता, आर्थिक शोषण, और तकनीकी पिछड़ेपन का प्रतीक है। जब तक मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के लिए ठोस प्रयास नहीं होंगे, ऐसी त्रासदियाँ जारी रहेंगी। समाज, सरकार, और निजी क्षेत्र को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई और अनिल, सागर, या गणेश अपनी जान न गँवाए।**

बीकानेर की घटना में ठेकेदार ने मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा के टैंक में उतारा, जो PEMSR अधिनियम की धारा 7 का उल्लंघन है। बिना समुचित उपकरणों के मजदूरों को काम पर लगाने वाले ठेकेदारों का क्या होता है? कानूनी रूप से, PEMSR अधिनियम के तहत ठेकेदारों पर जुर्माना और सात साल तक की जेल हो सकती है। हालांकि, वास्तविकता में कार्रवाई कम होती है। बीकानेर में ठेकेदार और फैक्ट्री मालिक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया, लेकिन ऐसी घटनाओं में दोष सिद्धि की दर बहुत कम है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (NCSK) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, 2019–2023 के बीच देशभर में केवल 15इ मामलों में ठेकेदारों पर कार्रवाई हुई। इसका कारण प्रशासनिक ढिलाई, भ्रष्टाचार, और प्रभावशाली ठेकेदारों का दबाव है। कई मामलों में, ठेकेदार मामूली जुर्माना देकर बच निकलते हैं। भारत में रोबोटिक क्लीनिंग की स्थिति अभी प्रारंभिक चरण में है। कुछ शहरों में प्रयोग हो रहे हैं। उदाहरण के लिए, केरल के तिरुवनंतपुरम में 2021 में 'बैंडिकूट' नामक रोबोट का उपयोग मैनहोल सफाई के लिए शुरू हुआ। यह रोबोट मलबा हटाने और गैस का पता लगाने में सक्षम है। चेन्नई और दिल्ली में भी इसे आजमाया गया। 2024 में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 10 शहरों में रोबोटिक सफाई के पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुए। हालांकि, बड़े पैमाने पर इसका उपयोग नहीं हो रहा। कारण हैं–उच्च लागत (एक रोबोट की कीमत 50 लाख से 1 करोड़ रुपये), रखरखाव की जटिलता, और पुराने सीवर सिस्टम की असंगति। प्रशिक्षित ऑपरेटरों की कमी और सरकारी निवेश की कमी भी बाधाएँ हैं। फिर भी, स्टार्टअप्स जैसे जेनरोबोटिक्स और मद्रास के शोधकर्ता इस दिशा में काम कर रहे हैं।

विदेशों में मैनुअल स्कैवेंजिंग लगभग समाप्त है। जापान में टोक्यो में सेंसर और कैमरे वाले रोबोट्स सीवर सफाई करते हैं। जर्मनी में आधुनिक सीवर डिज़ाइन और सुरक्षा उपकरण अनिवार्य हैं। अमेरिका में हाई–प्रेशर जेट मशीनें और वैक्यूम ट्रक उपयोग होते हैं। मलेशिया में सरकार उपकरणों पर सब्सिडी देती है। इन देशों में कड़े श्रम कानून और तकनीकी नवाचार मैनुअल सफाई को अनावश्यक बनाते हैं। भारत में ऐसी तकनीक उपलब्ध है, लेकिन लागत और इच्छाशक्ति की कमी बाधक है। मृतकों के परिवारों को सरकारी सहायता के तौर पर सुप्रीम कोर्ट के 2023 के आदेश के अनुसार 30 लाख रुपये मुआवजा, और स्थायी अक्षमता के लिए 20 लाख रुपये दिए जाने चाहिए। बीकानेर में प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये और एक परिजन को सरकारी नौकरी की घोषणा हुई।

कोलकाता में 2025 में तीन मौतों के बाद 10 लाख रुपये प्रारंभिक मुआवजा घोषित हुआ। हालांकि, मुआवजा अक्सर देरी से मिलता है, और परिवारों को कानूनी जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। NCSK स्वत: संज्ञान लेता है, लेकिन प्रक्रिया धीमी है। इस व्यवस्था में दोष कई स्तरों पर है। स्थानीय प्रशासन और नगरीय निकाय PEMSR अधिनियम लागू करने में विफल हैं। ठेकेदार और निजी कंपनियाँ मुनाफे के लिए सुरक्षा की अनदेखी करती हैं। सामाजिक संरचना दलित समुदायों को शोषित करती है। सरकारों में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है। सरकारी कदमों में राजस्थान में 54 शहरों के लिए सफाई मशीनों की मंजूरी, छह नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, और केंद्र की 'सफाईमित्र सुरक्षा चुनौती' शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में राष्ट्रीय नीति बनाने का निर्देश दिया, लेकिन प्रगति धीमी है। मशीनरी से सफाई न होने के कारणों में उच्च लागत, प्रशिक्षण की कमी, और पुराने सीवर सिस्टम हैं। सफाई कर्मचारियों की माँगें हैं–नियमित वेतन, सुरक्षा उपकरण, स्वास्थ्य बीमा, स्थायी नौकरी, और मैनुअल स्कैवेंजिंग का अंत। सहारनपुर और बीकानेर में धरनों में ये माँगें उठीं।

सुझाव निम्नलिखित हैं:–

पहला, PEMSR अधिनियम का कड़ाई से पालन हो, उल्लंघनकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई हो। दूसरा, रोबोटिक और हाई–प्रेशर मशीनों का उपयोग अनिवार्य हो। तीसरा, सीवर सिस्टम अपग्रेड हों। चौथा, कर्मचारियों को प्रशिक्षण और उपकरण मिलें। पाँचवाँ, वैकल्पिक रोजगार के अवसर बनें। छठा, सामाजिक जागरूकता अभियान चलें। सातवाँ, मुआवजा समय पर मिले। आठवाँ, राष्ट्रीय नीति बने। बीकानेर की घटना सामाजिक असमानता, आर्थिक शोषण, और तकनीकी पिछड़ेपन का प्रतीक है। जब तक मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के लिए ठोस प्रयास नहीं होंगे, ऐसी त्रासदियाँ जारी रहेंगी। समाज, सरकार, और निजी क्षेत्र को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई और अनिल, सागर, या गणेश अपनी जान न गँवाए।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार शिक्षाविद् और चिन्तक

आओ जरा कश्मीर समस्या को समझने का करें प्रयास–1

महावीर सिंह

7 से 10 मई 2025 के तीन दिवसीय भारत–पाक संघर्ष ने बहुत सी खबरिया चैनल्स को कश्मीर मुद्दे पर सही, गलत, भ्रामक तथ्यों को जनता को परोसने का मौका दे दिया। बेसिर–पैर की अनेकों बातों पर प्राइम टाइम में आधी–अधूरी जानकारी वाले पार्टी प्रवक्ताओं को बैठा कर जनता को भ्रमित किया या यों कहें मनोरंजन किया। कुछ प्रवक्ता तो नेहरू और माउंटबैटन दंपति के घनिष्ठ पारिवारिक रिश्तों पर टिप्पणी करने से नहीं चुके। वे सब कुछ भ्रम में ही छोड़ गए क्योंकि घटिया प्रवक्ता, पत्रकार, अक्सर इन रिश्तों को वहां तक ले जाते है जो मैं नहीं लिख सकता।

जैसा कि हम सब जानते है द्वितीय महायुद्ध की समाप्ति के उपरांत ब्रिटिश सरकार की वो हैसियत नहीं रही की वह उपनिवेशों को ओर अधिक समय अपने अधीन रख सके। ब्रिटिश सरकार की आर्थिक व राजनीतिक हैसियत स्थिति निम्नतम बिंदु पर थी। जिन मूल्यों को आगे रखकर विश्व के देश ब्रिटेन की अगुवाई में युद्ध लड़ रहे थे उनमें जनतांत्रिक मूल्य, उपनिवेश स्वतंत्रता भी शामिल थे। ओर सबसे ऊपर भारतीयों की राजनीतिक चेतना, असंतोष, जन आंदोलनों ने ब्रिटेन को यह निर्णय लेने के लिए विवश कर दिया कि भारत को स्वतंत्र करना ही पड़ेगा और किया जाएगा।

इसके लिए, ब्रिटिश संसद में 17 जुलाई 1947 को इंडिपेंडेंस ऑफ इंडिया एक्ट 1947 पारित किया। इस एक्ट का सार यह था कि ब्रिटिश सरकार के सीधे अधीन भारतीय भू भाग का धार्मिक आधार पर दो अलग डोमिनियनस (अधिराज्य) के रूप में बंटवारा किया जाएगा। इतिहास में इसे माउंटबेटन योजना के नाम से जाना जाता है। इसमें ही धर्माधारित विभाजन का उल्लेख है।

मोहमद अली जिन्ना की अलग मुस्लिम धर्म आधारित बहुसंख्यक राज्य की मांग और ब्रिटेन की कुटिल नीतियों के चलते भारत का विभाजन हुआ।नए देशों की सीमाएं तय करने का काम ब्रिटेन के एक वकील रेडक्लिफ को सौंपा गया। उन्होंने बहुत सी जनभावनाओं को अनदेखा कर 2, 3 माह की अल्पावधि में ही, मोटे रूप से दोनों देशों भारत और पाकिस्तान की सीमाएं तय कर दी। मुस्लिम बहुल्य इलाके पाकिस्तान में शामिल किए और ब्रिटिश भारत के शेष इलाकों को भारत डोमिनियन बना।

लेकिन पूरे भारत पर ब्रिटेन का सीधा शासन नहीं था। 565 देशी राज्य थे जिन की ब्रिटेन की सरकार के साथ विभिन्न संधियां थी। इन संधियां के अनुसार उनके आपसी संबंध क्रियान्वित होते थे। इंडिपेंडेंस ऑफ इंडिया एक्ट के अनुसार यह रियासतें आगे के लिए अपने निर्णय अपने स्तर पर लेने के लिए स्वतंत्र हो गई। वे भारत,पाकिस्तान के साथ जुड़ सकती थी या स्वतंत्र रह सकती थी।

देसी रियासतों में भी समानांतर रूप से आजादी का आंदोलन सक्रिय रूप से चल रहा था। इस कारण देशी रियासतें चाह कर भी स्वतंत्र अस्तित्व नहीं बनाए रख सकती थी। अधिसंख्य देशी रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने की प्रक्रिया में, स्वतंत्रता आंदोलन के बड़े नेता व उस समय देश के उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय सरदार पटेल की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने देसी रियासतों के राजाओं के साथ सतत संपर्क रख कर, वार्ताएं करके उन्हें समझाने का प्रयास किया कि उनके लिए, किसी भी दृष्टि से स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखना संभव नहीं हो पाएगा क्योंकि जनता चाहती है कि उनका विलय भारत में हो। इसलिए अधिकांश देसी रियासतों में भारत संघ में शामिल होने का निर्णय किया। इसके लिए उन्हें उनकी परिसंपत्तियों, जमीनों को रखने की बहुत सी छूटें दी गई। उनकी शानशौकत बनी रहे इसके लिए सालाना परवीपर्स दिया गया व उनकी राजा महाराजा की उपाधियां कायम रखी गई।

अधिकांश रियासतें में स्थानीय जनसंख्या की आशाओं के अनुरूप भारत या पाकिस्तान में शामिल हो गई। कश्मीर, जूनागढ़, भोपाल, हैदराबाद, जोधपुर, त्रावनकोर जैसी कुछ रियासतों ने कुछ हिचकिचाहट दिखाई। इन में से कश्मीर को छोड़ कर शेष सारी रियासतें हिंदू बहुल्य जनसंख्या वाली थी। इन सबके शासकों को सरदार पटेल की निरंतर समझाइश व जनता के आक्रोश, दबाव, इच्छा के आगे इनके शासकों को भारत संघ में शामिल होने के विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने ही पड़े। भोपाल के नवाब को माउंटबेटन में एक पत्र लिखा था जिसका सार था कि कोई भी देशी शासक अपने समीप वाले अधिसंख्य डोमिनियन से भाग नहीं सकता। सारे देशी राजाओं के यह बात समझ में आ गई और अनिच्छुक होते हुए भी उन्हें भारत के साथ विलय समझौते पर हस्ताक्षर करने ही पड़े। जूनागढ़, हैदराबाद के नवाबों में कुछ विलंब किया किंतु आंतरिक जन असंतोष व कुछ बल प्रयोग से प अंततोगत्वा इनका भी, क्रमश:20–2–1948 व 13–9–1948 को भारत में विलय हो गया। जूनागढ़ के नवाब में तो पाकिस्तान के साथ विलय पत्र पर हस्ताक्षर भी कर दिए थे किंतु जनाक्रोश के आगे नवाब को पाकिस्तान भागना पड़ा। भारत में एक तरह का जनमत संग्रह करा कर जूनागढ़ का भारत में विलय किया। पाठकों को यह भी ध्यान में रखना होगा कि त्रावनकोर व जूनागढ़ की एक सीमा समुद्र से लगती थी अर्थात यह रियासतें पूर्ण रूप से भारत से घिरी हुई नहीं थी।

कश्मीर का मुद्दा थोड़ा जटिल था–––शासक हिन्दू था और अधिसंख्य जनसंख्या मुस्लिम धर्म में आस्था रखने वाली थी। कश्मीर के शासक की इच्छा स्वतंत्र रहने की थी। उन्होंने मोन रहने की स्थिति अपनाई हुई थी। पाकिस्तान भी उनको मना रहा था कि वे पाकिस्तान में शामिल हों। पाकिस्तान की इच्छानुसार पाकिस्तान में शामिल नहीं होने पर पाकिस्तान में पश्चिमी कश्मीर के कबाइली इलाकों के कबाइलियों को हथियारबंद किया और अपनी सेना की सुरक्षा में कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। कबाइली आक्रमणकारी श्रृंगार के आत्मीय पहुंचने पर राजा हरि सिंह के हाथपांव फूल गए। उन्होंने भारत सरकार से सहायता और सुरक्षा की गुहार लगाई। उन्हें स्पष्ट किया गया कि बिना विलय के सहायता संभव नहीं है। 26 अक्टूबर 1947 को विलय पत्र पर हस्ताक्षर हुए और 27 अक्टूबर को विमानों के जरिए भारतीय सेना श्रीनगर हवाई अड्डे पर उतरी। कबाइलियों को पीछे धकेलना शुरू किया। यह भी तथ्य है कि तब तक कश्मीर के एक बड़े हिस्से (बाल्टिस्तान, गिलगित आदि)

जिसे आज हम – पाक अधिकृत कश्मीर कहते हैं, उस पर पाकिस्तानी सेना काबिज हो चुकी थी। भारत के पास कश्मीर का लगभग 40–45 प्रतिशत भूभाग व 70 प्रतिशत आबादी भारत में है। 20 प्रतिशत भूमि अक्साई चीन की भूमि 1950 से ही चीन के कब्जे में है। शाक सांग घाटी का ट्रांस काराकोरम की 10 प्रतिशत भूमि पाकिस्तान ने चीन को दे दी अर्थात अवैध कब्जे का अवैध हस्तांतरण। इस से पाकिस्तान में, भारत के लिए एक अनावश्यक कठिनाई ओर उत्पन्न कर दी। 20 से 30 प्रतिशत भूभाग पाकिस्तान के कब्जे में है।

26––27 अक्टूबर 1947 से आगे की कश्मीर की घटनाओं का संक्षिप्त विवरण अगले भाग में........।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जल संरक्षण का शंखनाद

जिस राजस्थान का पूरा इतिहास जल को सहेजने का रहा, वह कुछ सालों से इस परम्परा से विमुख हो गया और इसकी भारी कीमत हम सबको चुकानी पड़ी। जल संकट का मूल कारण जल की कमी नहीं, कुप्रबंधन है क्योंकि जल तो सीमित है, उसकी मात्रा बढ़ाना हमारे हाथ में नहीं है लेकिन बेहतर प्रबंधन हम सब कर सकते हैं और सदियों से करते आए हैं। जल केवल एक तत्व नहीं, यह पृथ्वी की धमनियों में बहता जीवन है। जब यही जल संकट के कगार पर हो तो उसकी रक्षा केवल शासन–प्रशासन नहीं, पूरा समाज करता है। इसी दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश भर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का शंखनाद किया है। इसके माध्यम से राज्य सरकार के जल संरक्षण के प्रयास जनसंकल्प में बदल रहे हैं। राजस्थान की धरा, जहां कभी रेत की परतों में जीवन की प्यास छुपी रहती थी, आज जल संरक्षण की एक नई चेतना से जागृत हो रही है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत 5 जून से शुरू होकर 20 जून तक विविध एवं विस्तृत गतिविधियां की जा रही हैं। राज्य के सभी जिलों में किसी एक महत्वपूर्ण जल स्त्रोत से इस अभियान की

रोहित मित्तल

शुरूआत हुई। धौलपुर जिले में ऐतिहासिक तालाब ए शाही झील से अभियान का शुभारंभ हुआ। यह अभियान मात्र एक संयोग नहीं बल्कि इतिहास और भविष्य के संगम का प्रतीक है। एक नई जल संस्कृति का उदय, जहां परंपरा, पर्यावरण और प्रशासन मिलकर जल की हर बूंद को जीवन समझते हैं।

वंदे गंगा, जल से जुड़ती जन–चेतना : यह अभियान एक आत्मिक स्पंदन है। यह उस समाज को जाठात करने का यत्न है, जो वर्षों से जल को सहेजता आया है, और अब उसके महत्व को गंभीरता से समझने लगा है। गांवों की चौपालों में, विद्यालयों के प्रांगण में, खेतों के किनारे और झीलों के घाटों पर पौधे रोपे जाएंगे, कहीं अमृत सरोवरों की गाद निकाल कर उन्हें नया जीवन दिया जाएगा, कहीं स्कूली बच्चों की प्रभात फेरियों में जल संरक्षण के स्वर गूंजेंगे। यह आंदोलन जल स्त्रोतों की तलहटियों से उठी वह सच्चाई है, जो हमें स्मरण दिलाएगी कि जल केवल पीने की वस्तु नहीं, जीने का दर्शन है।

तालाब–ए–शाही से उठती वंदे गंगा जल संरक्षण की पुकार :

एक सभ्यता तब तक जीवित रहती है, जब वह अपने अतीत से संवाद बना कर, उससे प्रेरणा और सीख लेकर, गलतियां सुधार कर अपने वर्तमान से बेहतर कल का वादा करे न करे, कम से कम उस बेहतर भविष्य की आस अपने आने वाली पीढ़ियों की धमनियों में सतत बहने की गारंटी लिख दे।

ऐसे में तालाब ए शाही से प्रारंभ वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान महज एक प्रशासनिक प्रयास नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक जागरण की शुरुआत है। इससे तत्काल न तो जल समस्या का समाधान होगा, न यकायक भू–जल स्तर बढ़ जाएगा लेकिन बढ़ जाएगा एक विश्वास कि यह धरा हम सब की मां है और जिस प्रकार यह हम सब का ख्याल रखती है, पालन–पोषण करती है, इसे कोई जरूरत पड़े तो समाज, सरकार, नारी शक्ति, युवा शक्ति एक–दूसरे का मुंह नहीं ताकते, मिलकर सेवा करते हैं, एक परिवार का आभास करवाते हैं।

तालाब–ए–शाही, आज फिर एक नई भूमिका में हमारे समक्ष है। अतीत में जहां यह शाही विश्रामगृह और शिकार स्थल था, वहीं आज यह जल संरक्षण की चेतना का प्रतीक बन रहा है। लगभग चार सौ वर्ष पुराना यह जल स्त्रोत न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्व रखता है बल्कि आज भी हजारों किसानों की आजीविका, पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता का आधार बना हुआ है।

तालाब ए शाही जहां इतिहास और जल संरक्षण एक साथ बहते है : झील कभी शाही शिकारगाह रही है। लाल बलुआ पत्थरों से बना शाही महल, झील के किनारे बनी राजा–रानी की बैठक, यहां के कुछ विशेष आकर्षण हैं। आज वही तालाब ए शाही आधुनिक राजस्थान में 3681 किसानों की 410 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई का आधार बन चुका है। सर्दियों में इस झील की प्रवासी पक्षियों से भरी जीवन्तता और नहरों से बहता सिंचित जीवन के कारण धौलपुर जिले में वंदे गंगा अभियान का शुभारंभ यहीं से हो रहा है। जल के साथ अन्य पहलुओं को समाहित करता यह व्यापक अभियान उन सैकड़ों सूखते तालाबों, गाद से पट चुके अमृत सरोवरों और उपेक्षित जल स्त्रोतों को पुन: जीवंत करने का प्रयास है, जिन्हें कभी हमारी सभ्यता की आत्मा कहा जाता था। अभियान के अंतर्गत गाद निकासी, पौधारोपण, परिंडे बांधने, श्रमदान और जनसहभागिता जैसी गतिविधियां केवल क्रियात्मक उपाय नहीं हैं; वे उस चेतना का पुनर्निर्माण हैं, जो आधुनिकता की दौड़ में हमने खो दी थी। राज्य सरकार की यह पहल सराहनीय है कि जल संरक्षण को केवल योजनाओं तक सीमित न रखकर उसे जन आंदोलन के रूप में स्थापित किया जा रहा है। विद्यालयों, पंचायतों, सामाजिक संस्थाओं और आम जन को इससे जोड़कर जिस सामाजिक सहभागिता की नींव रखी जा रही है, वह दीर्घकालीन परिवर्तन की आशा जगाती है।

(रोहित मित्तल)
सहायक जनसम्पर्क अधिकारी,
सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय,
धौलपुर।

अभियान का आगाज

शाहपुरा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में वन विभाग शाहपुरा द्वारा करोलाई तालाब ढिकोला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमे तालाब क्षेत्र में पॉलीथिन सफ़ाई कर तालाब को प्लास्टिक मुक्त का कार्य किया और तालाब में श्रमदान का कार्य किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों को जल संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई।

ऐतिहासिक स्थलों पर योगाभ्यास

बूंदी। एकादश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आमजन को योगाभ्यास के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित योग काउंटडाउन एट हेरिटेज अभियान जारी है।

> **■ अभियान के तहत आज योग फॉर निरोगी बूंदी की टीम ने योग किया**

इस अभियान के तहत आज योग फॉर निरोगी बूंदी की टीम ने शहर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों – नवलसागर झील, जेतसागर झील और सुखमहल पर योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। मुख्यमंत्री की मंशानुरूप जिले के धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों पर योगाभ्यास आयोजित करने के निर्देशानुसार, जिला कलक्टर अक्षय गोदारा के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान प्रभारी एवं जिला आयुर्वेद चिकित्सालय बूंदी के पीएमओ डॉ. सुनील कुशवाह के नेतृत्व में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमला परमार और योग प्रशिक्षकों दीपक गुर्जर, भूपेन्द्र योगी, चांदनी वरयानी, शक्ति तोषनीवाल, सरला कुशवाह, पूजा खत्री, प्रांशु सिंह गहलोत, शिखर पंचौली, अश्विनी शर्मा कूक्की, रविन्द्र गुर्जर और रामलक्ष्मण मीणा सहित 25 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया।

राशिफल गुरूवार 12 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र रात्रि 9:57 तक, शुभ योग दिन 2:05 तक, कौलव करण दिन 2:28 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–धनु, मंगल–सिंह, बुध–मिथुन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज ज्वालामुखी योग दिन 2:28 तक है। आज गुरू हरगोविन्द जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:19 तक, चर 10:44 से 12:26 तक, लाभ अमृत 12:26 से 3:51 तक, शुभ 5:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:31, सूर्यास्त 7:16

मेष

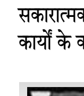

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष

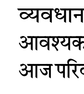

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा।

मिथुन

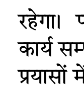

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क

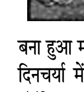

व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

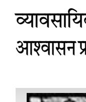

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या

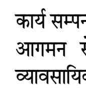

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

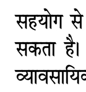

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

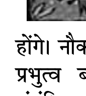

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु

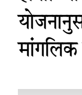

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

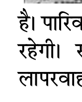

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ

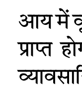

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

मीन

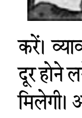

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक में सुधार होगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 310 प्रभात जयपुर, गुरुवार 12 जून, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

The Silent Vigil

"Oh Rosie! What were you thinking? As usual in a hurry, the fall was inevitable. Now Darling, what do we do?"

'The Day Of The Jackal'... Is A Memory

"I was skint, in debt, no flat, no car, no nothing and I just thought, 'How do I get myself out of this hole?'- The zaniest solution - write a novel."- Frederick

राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

श्रद्धांजलि सभा में 11 राष्ट्रीय स्तर के नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्रियों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है

- माना जा रहा है कि सचिन पायलट ने श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से शक्ति प्रदर्शन कर अपने विरोधियों को अपनी राजनैतिक ताकत का अहसास कराया।
- पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, हम दूर कब थे, मोहब्बत हमेशा वही बनी रहती है। हम कभी दूर नहीं थे। हम सब एक हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि पर दौसा में राजेश पायलट के स्मारक, जीरोता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। इस श्रद्धांजलि सभा में सचिन पायलट के साथ राष्ट्रीय स्तर के 11 नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्री सहित भारी तादाद में कांग्रेसी उमड़े।

दौसा, 11 जून। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को राजेश पायलट के स्मारक, जीरोता पर राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि "प्रेरणा दिवस" पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

राजेश पायलट स्मारक, जीरोता में आयोजित श्रद्धांजलि एवं सर्वधर्मसभा के आयोजन से पूर्व सभी नेताओं ने राजेश पायलट स्मारक, भंडाना पर भी पहुंचकर राजेश पायलट की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मीडिया के सामने बोलते हुये पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि 25 साल पहले आज के दिन पायलट साहब हमसे जुदा हो गए थे। एक दुखद रोड दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। हमसे उनका बिछड़ जाना बड़ा ही दुखदाई है। मेरे साथ-साथ बहुत सारे लोग हैं, जिनको उनकी कमी आज भी खलती है।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा में वैदिक मंत्रों के साथ-साथ, कुरान, बाइबिल और गुरबानी का पाठ भी हुआ और महात्मा गांधी के प्रिय भजन "रघुपति राजा राघव राम" की प्रस्तुति भी हुई। इससे पहले, सर्वधर्म प्रार्थना सभा के लिए लगाए गए विशाल डोम में राजेश पायलट की जीवनी पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें उनके भारतीय वायु सेवा में रहते और उसके बाद राजनीति में उनके कामकाज को दिखाया गया। उसके पश्चात 2 मिनट का मौन धारण करके भी उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इससे पहले राजेश पायलट के सड़क दुर्घटना स्थल पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनम सहित सभी 5 आरोपी 8 दिन की रिमांड पर

इंदौर/शिलांग, 11 जून। राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में मेघालय के शिलांग कोर्ट ने पत्नी सोनम समेत पांच आरोपियों को 8 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा। बुधवार को मेघालय पुलिस ने सोनम रघुवंशी समेत चार अन्य आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद उन्हें शिलांग की कोर्ट में पेश किया था। मेघालय पुलिस के द्वारा राजा रघुवंशी की हत्या का सीन भी रीक्रिएट किया जाएगा। मंगलवार की रात को मेघालय पुलिस ने गाजीपुर की कोर्ट से सोनम रघुवंशी की ट्रांज़िट रिमांड हासिल की थी। इसके साथ ही, मेघालय पुलिस ने उस जगह की तस्वीर भी जारी कर दी है, जहां पर राजा रघुवंशी की हत्या की गई थी। पुलिस ने आरोपियों की 10 दिन की रिमांड कोर्ट से मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड मंजूर की।

- सोनम पर उसके पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप है। मेघालय पुलिस ने आज उसे शिलांग कोर्ट में पेश किया था।

शिलांग कोर्ट से आठ दिन की रिमांड मिलने के बाद मेघालय पुलिस सभी को वापस सदर थाना लेकर आई है। यहीं पर सोनम रघुवंशी और चार अन्य आरोपियों से आगे की पूछताछ की जाएगी।

सचिन भूलने को तैयार हैं: पर हाईकमान गहलोत के मामले में दरियादिली दिखाने के लिए तैयार नहीं है

तो क्या भारी गर्मी में लगातार पसीने पोंछते हुए, सचिन के आमंत्रण का मान रखते हुए गहलोत का भंडाना जाना व्यर्थ ही साबित होगा?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच एक दूसरे को नीचे गिराने का जो खेल चल रहा है, उसने एक रोचक मोड़ ले लिया है।

सचिन पायलट अपने पिता राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के लिए अशोक गहलोत को आमंत्रित करने उनके घर गए। पायलट के पिता की पुण्यतिथि पर दौसा में आज एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सचिन पायलट ने बड़ा दिल दिखाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को घर जाकर आमंत्रित किया, जबकि इन्हीं गहलोत ने पायलट को निकम्मा, नाकारा कहा था। पायलट व उनके सहयोगियों पर देशद्रोह का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। यही नहीं, पायलट कहीं मुख्यमंत्री न बन जाएं, इसके लिए गहलोत ने सोनिया गांधी तक के खिलाफ बगावत कर दी थी और भी न जाने क्या-क्या किया था।

- तत्कालीन मु.मंत्री अशोक गहलोत ने, युवा सचिन पायलट को सार्वजनिक रूप से नालायक, निकम्मा व नकारा कहा था। पर, सचिन ने इस अपमान व तिरस्कार को पचाकर, गहलोत को राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के लिए घर जाकर आमंत्रित किया।
- पर, सोनिया गांधी व राहुल इस बार शायद माफ करने को तैयार नहीं, क्योंकि गहलोत ने अपने समर्थकों के साथ सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत की थी तथा कांग्रेसाध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा भेजे दो प्रभारियों, खड़गे और माकन, को कांग्रेस विधायकों से नहीं मिलने देने की साज़िश रची थी।

गहलोत दिल्ली में कोई भी पद पाने की जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सोनिया तथा राहुल उन्हें माफ करने को तैयार नहीं है और सूत्रों का कहना है कि उन्हें कहीं भी कोई भी भूमिका मिलने की संभावना नहीं है।

मजे की बात यह रही कि आज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सचिन के निमंत्रण पर कांग्रेस के लगभग सभी नेता उमड़े

दौसा, 11 जून। किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. श्री राजेश पायलट जी की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 11 जून, 2025 को भण्डाना, जिला दौसा में आयोजित "सर्वधर्म प्रार्थना सभा" में निम्नलिखित प्रबुद्धजन उपस्थित रहें:-

वरिष्ठ नेता

- सुखजिन्दर सिंह रंधावा, सांसद, एआईसीसी प्रभारी-राजस्थान
- ऋत्विक मकवाना, एआईसीसी सह प्रभारी-राजस्थान
- चिरंजीराव, एआईसीसी सह प्रभारी-राजस्थान
- धीरज गुर्जर, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
- सुश्री दिव्या मदेरणा, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
- दानिश अबरार, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
- देवेन्द्र यादव, विधायक, छत्तीसगढ़ एवं सचिव, एआईसीसी
- उदयभानु चीब, राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा कांग्रेस
- अलका लाम्बा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला कांग्रेस
- वरूण चौधरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एन.एस.यू.आई.
- विजय जांगिड़, संयुक्त सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

सांसद

- मुरारीलाल मीणा
- बृजेन्द्र सिंह ओला
- हरीश मीणा
- कुलदीप इन्दौरा
- भजनलाल जाटव
- श्रीमती संजना जाटव
- श्री उम्मेदाराम बेनीवाल
- श्री राहुल कसवां

विधायक

- अशोक गहलोत
- सचिन पायलट
- गोविन्दसिंह डोटासरा
- टीकाराम जूली
- हरीश चौधरी
- सुरेश मोदी
- वीरेन्द्र सिंह
- रामकेश मीणा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसी के तापमान पर सरकार ने लगाम लगाई

नई दिल्ली, 11 जून। देश के कई इलाकों में भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच सरकार ने एयर कंडीशनर के टेम्प्रेचर को रेगुलेट करने का ऐलान कर दिया है। केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को जानकारी दी कि भारत सरकार जल्द ही एसी के तापमान को मानकीकृत करने का प्रयोग शुरू करेगी। इस योजना के तहत, एयर कंडीशनर को 20 डिग्री सेल्सियस से कम ठंडा नहीं किया जा सकेगा। खट्टर के मुताबिक, एसी के तापमान को 20 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच सीमित करने की योजना है। इससे

- एसी का तापमान अब 20 से 28 डिग्री सैल्सियस के बीच सीमित रखने की योजना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जुलाई में एक लाख करोड़ रूपए के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग करें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने इन्वैस्टमैंट समिट में विभिन्न विभागों के एमओयू की समीक्षा की

जयपुर, 11 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की प्रदेश के विकास को समर्पित निवेश और उद्योग संबंधी नीतियों के परिणामस्वरुप राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू निरंतर धरातल पर मूर्त रूप ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सवा तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग से प्रदेश के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय से आगामी माह में एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए विभिन्न विभागों के

- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जो भी घोषित पॉलिसी अभी लम्बित हैं, उन्हें 31 जुलाई तक अंतिम रूप दें। साथ ही जारी हो चुकी पॉलिसी के शेष नोटिफिकेशन 30 जून तक जारी करें।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए विभिन्न विभागों के एमओयू की समीक्षा बैठक ली।

बीएसएफ के जवानों को गंदगी भरी ट्रेन मुहैया कराई

नयी दिल्ली, 11 जून। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के लिए पुराना एवं गंदगी भरा ट्रेन सेट उपलब्ध कराने पर कड़ी कार्रवाई की है और चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। वैष्णव ने बुधवार को यहां पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि इस घटना की जानकारी मिलने के चार घंटे के भीतर कार्रवाई की गई है। रैक बदलने के साथ ही इस गलती के लिए जिम्मेदार अलीपुरद्वार मंडल के चार अधिकारी निलंबित कर दिये गये हैं। सूत्रों के अनुसार, निलंबित अधिकारियों में अलीपुरद्वार कोचिंग डिपो के प्रभारी तथा मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं।

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मसले पर सख्त एक्शन लिया व चार अफसरों को निलम्बित किया।

लॉस एंजलिस के बाद न्यूयॉर्क, टैक्सस, शिकागो और ऑस्टिन में भी आक्रामक प्रशासन विरोधी प्रदर्शन फैले

इमीग्रेशन व कस्टम विभाग की ज्यादतियों व दादागिरी के खिलाफ जनता संगठित हुई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। एंटी इमिग्रेशन प्रदर्शन अमेरिका भर में फैल रहे हैं। लॉस एंजिल्स के बाद अब न्यूयॉर्क, टैक्सस और ऑस्टिन में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शिकागो में कुछ अधिक आक्रामक प्रदर्शन देखने को मिले हैं।

ये प्रदर्शन इमिग्रेशन और संबंधित विभागों की कथित मनमानी के खिलाफ हो रहे हैं और इन्हें "आईसीई आंदोलन" कहा जा रहा है।

प्रमुख शहरों से अमेरिकी सरकार के इमिग्रेशन और कस्टम्स विभाग के खिलाफ गंभीर विरोध की खबरें आ रही हैं। विरोध प्रदर्शनों का मुख्य कारण प्रशासन द्वारा लोगों को जबरन हिरासत में लेने की कार्रवाई है, जिससे पारिवारिक ढांचे पर बुरा असर पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार की एंटी-इमिग्रेशन एजेंसियों ने चुन-चुन कर लंबे समय से अमेरिका में रह रहे परिवारों के सदस्यों को उठाया है। कई माता-पिता को उनके बच्चों और परिवार से जबरन अलग किया जा रहा है।

- संगठित होने का एक बड़ा कारण था, यह चर्चा फैलना कि कई वर्षों से अमेरिका में रह रहे विदेशियों के परिवार टूट रहे हैं, इन विभागों की सख्ती व काम करने के बेरहम तरीकों से।
- कुछ लोगों में, विशेषकर स्पैनिश अमेरिकियों में तथा मैक्सिकन मूल के लोगों में इस भावना ने जोर पकड़ा कि उन्हें विशेषकर टारगैट किया जा रहा है।
- लॉस एंजलिस में मैक्सिकन मूल के बाशिंदों की इस "टारगैटिंग" के विरूद्ध लोग सड़कों पर निकले मैक्सिको का झण्डा लेकर, पुलिस व नैशनल गार्ड ने झण्डे लेकर निकले लोगों पर डण्डे बरसाये व हिरासत में डाला। सिविल राइट्स के समर्थकों ने इस बात पर भारी हल्ला-हंगामा किया कि अमेरिकी नागरिकों को किसी भी देश का झण्डा फहराने की पूर्ण स्वतंत्रता है तथा झण्डा फहराना कोई अपराध नहीं है।
- न्यूयॉर्क के पुलिस अफसरों का भी मानना है, स्थानीय विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए सेना को बुलाना दुर्भाग्यपूर्ण व गलत है। इसे स्थानीय पुलिस ही आसानी से संभाल सकती है।

कैलिफोर्निया में स्पेनिश-अमेरिकन समुदाय का आरोप है कि उन्हें टारगैट किया जा रहा है।

बच्चों को उनके घरों से जबरदस्ती उठाया जा रहा है। विभिन्न समुदायों में भय है कि उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। कुछ छात्र तो स्कूल और ग्रेजुएशन समारोहों में भी नहीं जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं पुलिस उन्हें पकड़ न ले।

लॉस एंजिल्स, जो अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, वहां मैक्सिकन परिवारों को खास तौर पर निशाना बनाया जा रहा है। प्रदर्शनकारी सड़कों पर मैक्सिकन झंडा लहराकर प्रदर्शन कर रहे हैं, जो उनके मूल देश को दर्शाता है। अधिकारियों का कहना है कि जो लोग मैक्सिकन झंडों के साथ बदसलूकी कर रहे हैं, वे मैक्सिकन नागरिक हैं।

हालांकि अमेरिकी अधिकार समूहों का कहना है कि अमेरिकी नागरिकों को कोई भी झंडा दिखाने का अधिकार है, और मैक्सिकन झंडा लहराना कोई अपराध नहीं है।

इसी बीच, अमेरिका के कई प्रमुख वर्गों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आधार प्रमाणित यूज़र ही बुक कर सकेंगे तत्काल टिकट

नई दिल्ली, 11 जून। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एक जुलाई 2025 के बाद से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल योजना के तहत टिकट बुक कर सकेंगे। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी जोनल रेलवे को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं को मिले। मंत्रालय ने कहा, "01-07-2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट आईआरसीटीसी की वेबसाइट /इसके ऐप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे।" इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।

- रेल मंत्रालय ने सभी ज़ोनल कार्यालयों को यह आदेश एक जुलाई 2025 से लागू करने को कहा है।

ईआरसीपी से चम्बल, काली सिंध और पार्वती नदी का पानी लालसोट पहुंचेगा : जल संसाधन मंत्री

दौसा/जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश की तस्वीर और दशा-दिशा बदलने वाली पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के माध्यम से चम्बल, काली सिंध और पार्वती नदी का पानी लालसोट की धरती पर आएगा और जनता एवं खेती की प्यास बुझाएगा। मंत्री रावत बुधवार को यहां लालसोट के पास समेल में करीब 20-20 करोड़ की लागत से निर्मित दो एनिकटों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि पूर्वी राजस्थान की पानी की समस्या की गंभीरता को समझते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ईआरसीपी योजना को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया, जिससे पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को जोड़ा गया है। इस योजना का टेंडर होकर काम चालू हो गया है। उन्होंने कहा कि लालसोट क्षेत्र का मोरेल बांध भी इससे जुड़ा है। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य बांधों को भी जोड़ने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने पर चम्बल, काली सिंध और पार्वती नदी का पानी लालसोट की धरती पर आएगा। व्यर्थ बहकर जाने वाले बरसात के पानी से यहां की जनता की प्यास बुझेगी, खेतों में सिंचाई होगी और उद्योग-धंधे फलीभूत होंगे।

मंत्री रावत ने समेल में करीब 20-20 करोड़ की लागत से निर्मित दो एनिकटों के लोकार्पण किया।

जल संसाधन मंत्री ने 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि 'जल है तो कल है'। जल के बिना हम जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। पानी प्रकृति की अमूल्य देन है, जिसे हम पैदा नहीं कर सकते हैं, केवल संरक्षित करके ही उपयोग में ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुराने समय में लोग बावड़ियों एवं कुओं से ही पानी पीते थे, लेकिन कालान्तर में समय के साथ बावड़ियां, कुएं और तालाब दुर्दशा के शिकार होते गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने भागीरथी प्रयास से इन बावड़ियों, तालाबों एवं बांधों की साफ-सफाई और संरक्षण के लिए एक पखवाड़े का वृहद स्तर पर अभियान चालू किया है। उन्होंने आमजन से इस अभियान से जुड़ने का आव्हान करते हुए कहा कि जब अमृत रूपी बरसाती पानी धरती पर गिरता है तो हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि उस पानी को संरक्षित करें और बचाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। हम सब लोग भी अपने-अपने क्षेत्र में और दूरदराज के गांव-ढाणियों में नदी किनारों और तालाबों की पाल पर जाकर जनजागरण का काम करें।

लालसोट विधायक रामबिलास मीणा ने समारोह को संबोधित करते हुए इन एनिकटों के निर्माण से क्षेत्र को होने वाले फायदों को रेखांकित किया और क्षेत्र की समस्याओं से जल संसाधन मंत्री को अवगत कराया।

उन्होंने समेल एनिकट पर सुरक्षा दीवार बनाने, गंदे पानी को स्वच्छ बनाने के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने एवं नालावास डेम को स्वीकृत करवाने की मांग की जिस पर जल संसाधन मंत्री ने सभी मांगों पर स्वीकृति के लिए आश्वस्त किया। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के विधानसभा संयोजक डॉ. शंभु लाल कुईवाला ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। जल

- **लालसोट के पास समेल में करीब 20-20 करोड़ की लागत से निर्मित एनिकटों का लोकार्पण समारोह**

संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता मांगीलाल मीना ने बताया कि मोरेल नदी पर समेल होदायली में निर्मित एनिकट से सात गांवों एवं ढाणियों तथा ग्राम बाड़ा के पास एनिकट निर्माण से पांच गांवों एवं ढाणियों को फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि 19 करोड़ 82 लाख रुपए से निर्मित समेल एनिकट से समेल, होदायली, गुजरहेरा, मंडलिया, जगसरा, गुमानपुरा सहित सात गांव एवं आसपास की कई छोटी ढाणियां लाभान्वित होंगी।

इस अवसर पर लालसोट नगर परिषद सभापति पिंकी चतुर्वेदी, जल संसाधन विभाग के एडिशनल चीफ इंजीनियर देवी सिंह बेनीवाल, लालसोट उपखंड अधिकारी विजेंद्र मीना, लालसोट तहसीलदार अमितेश मीना, निर्झरना तहसीलदार सीमा घुणावत, जिलाध्यक्ष डॉ. प्रभुदयाल शर्मा, जल संसाधान विभाग के रमाशंकर शर्मा, मांगीलाल मीना, जालंधर मीना, संगीता मीना तथा अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विभागीय अधिकारी-कार्मिक एवं आमजन उपस्थित थे।

नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने किया कार्यभार ग्रहण

जयपुर। राजस्थान पुलिस मुखिया के पद पर बुधवार को एसीबी डीजी डॉ. रवि प्रकाश ने कार्यवाहक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इसे लेकर उन्हें पुलिस मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डीजीपी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराध नियंत्रण के लिए राजस्थान पुलिस पूरी निष्ठा से कार्य करती रहेगी। उन्होंने राज्य की जनता को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यवाहक डीजीपी रवि प्रकाश ने कहा कि उनके पास डीजीपी का चार्ज लिया है और उनका रिटायरमेंट तीस जून को होने वाला है। इन उन्नीस दिनों में जो संभव हो सकेगा वो काम करेंगे। राजस्थान पुलिस की स्थिति बहुत अच्छी चल रही है। क्राइम और लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति प्रदेश में अच्छी है। यह स्थिति कायम रहे यही उनका प्रयास रहेगा। राजस्थान पुलिस

डीजी डॉ. रवि प्रकाश ने कार्यवाहक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

के हर अधिकारी और कार्मिकों को अपराधियों में डर और आमजन में विश्वास के स्लोगन को हमेशा याद रखना चाहिए।

काम के लिए यह जिम्मेदारी देने पर सरकार का आभारी: नव नियुक्त पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा कहा कि उन्हे कम समय के लिए ही सही यह जिम्मेदार दी। इसके लिए वह सरकार के आभारी है। उनका जन्म दिन 13 जून को है सरकार ने उन्हे जन्मदिन से पहले यह तोहफा दिया। वह अपने साथियों के साथ एक छोटी बैठक लेकर प्रदेशभर की जानकारी लेगे। बहुत की चीजें है,जो डीजीपी को पता होनी चाहिए।

जयपुर पुलिस कमिश्नर श्याम नगर थाने में करेंगे जनसुनवाई

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ चौदह जून (शनिवार) को शाम 5 बजे से रात आठ बजे तक पुलिस थाना श्यामनगर में जनसुनवाई करेंगे।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर(अपराध) कुंवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनन्द, पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा,अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम आलोक सिंघल,सहायक पुलिस आयुक्त सोडाला, मानसरोवर एवं वैशाली नगर एवं संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान पुलिस थाना श्याम नगर, सोडाला, महेश नगर, शिप्रा पथ, मानसरोवर, वैशाली नगर, करणी विहार एवं चित्रकूट क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की जाएगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की

- **पुलिस थाना श्यामनगर, सोडाला, महेश नगर, शिप्रा पथ, मानसरोवर, वैशाली नगर, करणी विहार एवं चित्रकूट क्षेत्र के परिवादियों की होगी सुनवाई**

समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है।

गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस कमिश्नर ने शिप्रापथ , कानोता, करधनी, विद्याधर नगर , शिवदासपुरा , बगरू , चौमू, प्रताप नगर, जयसिंहपुरा खोर जवाहर सर्किल, वैशाली नगर, मुहाना, आमेर महेश नगर, जामडोलीएवं झोटवाडाथाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

जुआ खेलते 15 जुआरी गिरफ्तार

जयपुर। गलता गेट थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर उत्तर(डीएसटी)ने कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थल पर जुआ खेल रहे 15 जुआरियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से साए 22 हजार रुपये की जुआराशि जब्त की है।

थानाधिकारी दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि सार्वजनिक स्थल पर जुआ खेल रहे महेश कुमार, बबलू, अनील चौहान,अमन,देवी सिंह,प्रिंस शर्मा, नागिर खान,मोहम्मद शाहिद, पंकज शर्मा, मंजूर हसन,आकील हुसैन, शाहरुख,इमामुद्दीन और मुन्ना को गिरफ्तार कर साढे 22 हजार रुपये की जुआ राशि जब्त की है।

नाम परिवर्तन

I have changed my name from GULSHAN KALIA to GULSHAN KUMAR KALIA. In future all correspondences should be made to me in the name of GULSHAN KUMAR KALIA R/o-Flat No. 302, B-1/544 Madhukunj Apartment, Chitrakoot scheme, Opp. Pratap stadium, Jaipur-302021

दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पानी का टैंकर चोरी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है और उनके पा से चोरी किया हुआ पानी टैंकर भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी संदीप बसेरा ने बताया कि सात जून को पानी का टैंकर चुराने वाले धन सिंह मीणा और समय सिंह को गिरफ्तार किया है और दोनो ही आरोपित दौसा जिले के रहने वाले है। उनके पास से चुराया गया पानी का टैंकर बरामद किया है।

आनंदपाल गैंग से जुड़े हथियार तस्कर से मिली एके-47

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने कार्रवाई करते हुए कुख्यात बदमाश जितेंद्र उर्फ जीतू चंबल और तेजपाल ठाकुर को गिरफ्तार किया था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चूरू से एक एके-47 और 2 मैग्जीन बरामद किए है। यह हथियार गांव जोड़ी के एक खेत में पॉलीथिन में लपेटकर दबाया गया था। तस्करों से पूछताछ में सामने आया कि एके-47 को कोड वर्ड में रानी कहकर बुलाते थे। इससे पहले धौलपुर में भी कार्रवाई कर बदमाशों के पास से एके-47, मैग्जीन और 34 जिंदा कारतूस भी बरामद किए थे।

फर्जी बैंक मैसेज बन रहे हैं साइबर ठगी का हथियार

जयपुर। साइबर अपराधी लगातार अपनी चालें बदल रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के माध्यम से होने वाली एक नई किस्म की धोखाधड़ी को लेकर आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे इस नए जाल से सावधान रहें और अपनी गाढ़ी कमाई को सुरक्षित रखें।

पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी अब एक नया तरीका अपना रहे हैं। वे आपके मोबाइल पर बैंक या यूपीआई पोर्टल का एक संदिग्ध टेक्स्ट एसएमएस भेजते हैं। इस मैसेज में अक्सर यह लिखा होता है कि आपके बैंक या यूपीआई अकाउंट में किसी दूसरे खाते से कुछ राशि जमा हो गई है। मैसेज भेजने के तुरंत बाद ठग आपको एक कॉल कर खुद को उस व्यक्ति के रूप में पेश करता हैं जिसने गलती से पैसे भेज दिए हैं और आपको विश्वास दिलाता हैं कि उन्होंने गलती से आपके खाते में अधिक राशि क्रेडिट कर दी है। दैनिक जीवन की भागदौड़ में कई लोग बिना अपना अकाउंट स्टेटमेंट चेक किए ही इस मैसेज पर भरोसा कर लेते हैं। गलती या जल्दबाजी में ठगों के बताए गए बैंक खाते या यूपीआई आईडी पर पैसे ट्रांसफर कर देते हैं।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

ट्रक-जीप भिड़ंत में दुल्हन सहित पांच लोगो की मौत

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के रायसर थाना इलाके में बुधवार सुबह भटकाबाँस गांव के पास दौसा मनोहरपुर हाईवे पर ट्रक और जीप (तूफान) की टक्कर में दुल्हन सहित पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में दूल्हे समेत आठ बाराती घायल हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जीप के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद शव बुरी तरह से गाड़ी में फंस गए। काफी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला जा सका।

पुलिस के अनुसार दोनों गाड़ियां आमने-सामने की जोरदार भिडंत हुई। जीप में शहडोल (मध्यप्रदेश) से लौट रही बारात के लोग सवार थे। घायलों को निम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नारायण लाल तिवाड़ी ने बताया कि मरने वाले एक व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। बाकी 4 में से 1 महिला (दुल्हन) मध्यप्रदेश के शहडोल की रहने वाली थी। बाकी 2 युवक सीकर और 1 झुंझुनूं के रहने वाले थे। हादसे में दुल्हन भारती (18) पत्नी विक्रम मीणा निवासी मंडोली शहडोल, मध्य प्रदेश, जीतू (33) पुत्र हरदयाल कुमावत निवासी हासपुरा श्रीमाधोपुर सीकर, सुभाष (28) पुत्र मालीराम मीणा निवासी हासपुरा श्रीमाधोपुर सीकर और

- **दूल्हे सहित आठ लोग घायल, मध्यप्रदेश से लौट रहे बारातियों के शव फंसे गाड़ी में**

रवि कुमार(17) पुत्र छोटूराम मीणा निवासी बुगाला गुढागौड़जी झुंझुनूं की मौत हो गई। वहीं हादसे में दूल्हा विक्रम मीणा (25) पुत्र गोकुल मीणा निवासी उदयपुरवाटी झुंझुनूं, , मोनू (28) पुत्र शंकरलाल मीणा निवासी उदयपुरवाटी, प्रभुदयाल मीणा (45) पुत्र जगराम मीणा निवासी मंडावर अलवर, नरेश कुमार (35) पुत्र मालीराम मीणा निवासी श्रीमाधोपुर सीकर, रामू (30) पुत्र सुवालाल मीणा निवासी नीमकाथाना, शंकर (35) पुत्र मालीराम मीणा निवासी श्रीमाधोपुर सीकर, छोटेलाल (45) पुत्र जगदीश प्रसाद मीणा निवासी गुढागौड़जी झुंझुनूं और संदीप पुत्र ताराचंद गंभीर रुप से घायल हो गए। जीप में कुल 14-15 लोग सवार थे। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति ने निम्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

शोकसभा

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी पूजनीया माताजी

माजीसा श्रीमती प्रभा कुमारी

धर्मपत्नी स्व.श्री राजकुमार बलभद्र चंद जी (चेनैनी रियासत, जम्मू कश्मीर) का आकस्मिक स्वर्गवास गुरूवार, 29/05/2025 को हो गया है। जिनकी शोकसभा गुरूवार, 12 जून को रखी गई है।

समय: सायं 5:00 से 6:00 बजे तक | स्थान: D-257, शाहपुर हाउस, देवी मार्ग बनीपार्क, जयपुर-302016

शोकाकुल

महाराज सुरेंद्र सिंह शाहपुरा (दामाद), रानी रत्ना कुमार (बेटी)
कुँवर दिगराज सिंह शाहपुरा (दोहिता), कुँवर अधिराज सिंह शाहपुरा (दोहिता)
ठिकाना शाहपुरा, जयपुर, मोबाइल : +91 9982053335

खोया-पाया

मेरा राजस्थान फार्मेसी काउन्सिल/ट्रिब्यूनल द्वारा जारी फार्मासिस्ट पंजीयन प्रमाण पत्र संख्या 46836 जारी दिनांक 22.03.2016 कहीं खो गया है, जो मिलने पर उक्त पते 37/2, किरण पथ, मानसरोवर, जयपुर, राज. 302020 पर पहुंचाने का श्रम करें। 9829292772

भूखंड संख्या ए-324, योजना अनुपम विहार का जविप्रा द्वारा जारी आवंटन पत्र गुम हो गया है मिलने पर संपर्क करें। जुगणेश चौधरी, मो. 7062005500

जवाहर पूरी भवन निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना श्याम कॉलोनी के भूखंड सं-बी-57, जयपुर का सोसाइटी से जारी मूल साईट प्लान कहीं गुम हो गया है सूचित करे MADHURI ROSE (M) 9414043478

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त संबंधित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर : DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/377

चूंकि प्रार्थी श्री मातादीन योगी, वार्ड नंबर 11, पापरी, सोठाणा, विराट नगर, जयपुर-303102 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास, ग्यारह मूर्ति धाम भृतहरि बाबा मंदिर गोरखनाथ गौशाला ट्रस्ट, वार्ड नंबर 11, पापरी, सोठाणा, विराट नगर, जयपुर-303102 के संबंध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत शक्तियों के प्रयोग में प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 05-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 06-08-2025

सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत किराया अधिकरण,क्रम-1 मुकाम जयपुर महानगर प्रथम
सुनीता देवी बनाम मुन्नी देवी
दावा बाबत इंखलाय
मुकद्दमा नं.... सन्....

बनाम 1/1. ललित कुमार गोधा, 1/2. विजय कुमार गोधा पुत्रान चंपा लाल जी निवासीगण मकान नं. 581, गोधा का चौक, हल्दियों का रास्ता, तीसरा चौराहा, जौहरी बाजार, जयपुर
मुसम्मी... वल्द...कौम... साकिन...परगना...
1/3. अजय कुमार गोधा पुत्र चंपा लाल जी नि.29 विरासत पैराडाईज, रघु विहार, गायत्री नगर, पुलिया के नीचे, दुर्गापुरा, जयपुर, 1/4. प्रमोद कुमार गोधा पुत्र चंपा लाल जी नि.61, गायत्री नगर, बी महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर
चूंकि वादी ने इस अदालत में तारीख... माह... सन् 20... को 1. सुनीता बनाम 2. मुन्नी देवी दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि वादी मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी प्रतिवादी मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. कायम मुकाम बनाये जावें।
लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1... आपको तारीख 30 माह 6 सन् 2025 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।
बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 26 माह 5 सन् 2025 को जारी किया गया।

पीठासीन अधिकारी-किराया अधिकरण सं.1
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं
मोहर अदालत अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-1
जयपुर महानगर प्रथम

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4 न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय जोबनेर जिला जयपुर
मुकदमा नं. 11/2025 व 12/2025 203
कमला बनाम हरेन्द्र 05-06-2025
1. सुधीरा कंवर पुत्री अनुप सिंह पत्नि श्री नामालूम जाति राजपूत निवासी सेक्टर 26, प्रताप एन्कलेव प्रताप नगर, जगतपुरा जयपुर तहसील जयपुर जिला जयपुर राज. अप्रार्थी संख्या 02

वादी ने आपके विरुद्ध रेस्टोरेशन के लिये वाद पंजीयन किया है जिसका मुकदमा नम्बर 11/2025 व 12/2025 है आपका इस न्यायालय में आगामी तारीख 25/06/2025 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वय या किसी ऐसी प्लीडर द्वारा उपसजात हो सकते है। जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हा ओर जो इस बाद से सबंधित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके। आप को यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी तिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें। ओर उस दिन ऐसे सभी दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर अपनी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है ओर यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वो आपके कब्जे व शक्ति मे हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजो को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में पृविष्ठ करे। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारिख को उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थित में एकपक्षिय किया जायेगा। यह वाद तारिख 05 माह 06 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

उपखण्ड अधिकारी
जोबनेर जयपुर

कार्यालय उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन
नगर निगम हैरिटेज जयपुर
(चौगान स्टेडियम के पास, गणगौरी बाजार, जयपुर)
Email ID: dchmw.jmc@gmail.com Ph. No. 0141-2329953
क्रमांक:-F51() Dept/Comm./H.M.A.Z./2024-25/368
आपत्ति सूचना दिनांक:- 11/6/25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री महबूब अली खोखर पुत्र स्व. श्री मुमताज अली निवासी 344/71 पंचमुखी हनुमान के पीछे नाहरी का नाका शास्त्री नगर जयपुर का नाम हस्तान्तरण जारी करने हेतु आवेदन किया गया है।
उक्त सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/ सरकारी/ गैर सरकारी संस्था या अन्य को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित में सूचित करें। मियाद गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त हवामहल आमेर जोन
नगर निगम हैरिटेज जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 20/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री बस्ती राम यादव पुत्र श्री हंसराम यादव निवासी ग्राम गैलपुर, तहसील टपूकड़ा, जिला खैरथल-तिजारा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत ॐ श्री गणेश धार्मार्थ एवं चैरिटेबल ट्रस्ट, पाटन रोड गैलपुर, तहसील टपूकड़ा, जिला खैरथल-तिजारा के न्यासियों में हुए परिवर्तन व न्यास विधान में हुए परिवर्तन को दर्ज अभिलेख किये जाने के लिए प्रपत्र -8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुवे परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 09.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 14.07.2025

मोहर अदालत सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक : न.नि.भ./स्कीम/2025-26/3817-818 सार्वजनिक सूचना दिनांक : 30.05.2025

कृष्णा नगर योजना भरतपुर में आवासीय भूखण्ड संख्या 431 श्री हरिचरन लाल पुत्र स्व० श्री सुन्दर लाल जाति वैश्य निवासी-ग्राम रसीलपुर, तह० रूपवास, जिला भरतपुर के नाम 99 वर्षीय लीज होल्ड पर आवासीय भूखण्ड आवंटन/नीलामी में नगर सुधार न्यास, भरतपुर द्वारा विक्रय किया गया था। जिसका क्षेत्रफल 260.66 वर्गगज है। श्री हरिचरन लाल पुत्र स्व० श्री सुन्दर लाल ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 16.08.2013 के द्वारा श्री लालाराम पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद को विक्रय कर दिया। आवेदक श्री लालाराम पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद जाति वैश्य निवासी- 431, कृष्णा नगर, भरतपुर उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कराना चाहते हैं। उक्त भूखण्ड के नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है।

इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद भूखण्ड संख्या 431, कृष्णा नगर, भरतपुर के नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी
स्कीम शाखा, नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक : न.नि.भ./स्कीम/2025-26/4405-406 सार्वजनिक सूचना दिनांक : 10.06.2025

आनंद नगर फेज-2 योजना भरतपुर के भूखण्ड संख्या 1 क्षेत्रफल 66.66 वर्गगज का व्यावसायिक रूपान्तरण पट्टा विलेख क्रमांक 120 दिनांक 01.07.2021, नगर निगम, भरतपुर द्वारा श्रीमती मंजू अग्रवाल पत्नी श्री विजय कुमार अग्रवाल जाति वैश्य निवासी सी-109 रंजीत नगर, भरतपुर एवं श्री देवकी नंदन कालरा पुत्र श्री जसवंत राम कालरा जाति पंजाबी निवासी-बीनारायण गेट, भरतपुर के नाम जारी किया गया। श्री देवकी नंदन कालरा एवं श्रीमती हेमा कालरा पत्नी श्री देवकी नंदन कालरा द्वारा दिनांक 19.11.2012 को अपने पुत्र श्री आशीष कालरा के हक में पंजीकृत वसीयत कर दिया गया। श्री देवकी नंदन कालरा की दिनांक 23.11.2021 को एवं हेमा कालरा की दिनांक 12.05.2021 को मृत्यु हो चुकी है। श्री आशीष कालरा पुत्र स्व० श्री देवकी नंदन कालरा ने वसीयत के आधार पर एवं श्रीमती मंजू अग्रवाल द्वारा उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 25.11.2024 के द्वारा श्री नमन सिंघल पुत्र श्री नरेन्द्र सिंघल को विक्रय कर दिया। आवेदकान् श्री नमन सिंघल पुत्र श्री नरेन्द्र सिंघल जाति वैश्य निवासी - सी-122 रंजीत नगर, तह० व जिला भरतपुर उक्त भूखण्ड संख्या-1, आनंद नगर फेज-2 का रजिस्टर्ड बयनामा के आधार पर नाम परिवर्तन कराना चाहते हैं।

भूखण्ड संख्या 1, आनंद नगर फेज-2, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है। इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद भूखण्ड संख्या 1, आनंद नगर फेज-2, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी
स्कीम शाखा, नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)
क्रमांक :- 4888-99 दिनांक :- 11.06.2025
नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला सवाई माधोपुर के थाना मानटाउन वन कोतवाली सवाई माधोपुर के द्वारा 38 पुलिस एक्ट में जब्त एवं राजसात किये गये 18 वाहन, व एक लोहे का जालीदार तार 30 किलो को स्वामी/मालिकों द्वारा निर्धारित अवधि में मुक्त नहीं कराने के कारण जिस स्थिति में है, दिनांक 27.06.2025 को प्रात: 12.00 बजे गठित समिति द्वारा थाना मानटाउन के परिसर में नीलाम किया जावेगा। अत: इच्छुक खरीददार/बोलीदाता को जरिये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर बोली लगा सकते है। नीलामी की शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

पुलिस अधीक्षक, जिला सवाई माधोपुर।

Form No. URC-2
Advertisement giving notice about registration under Part I of Chapter XXI [Pursuant to section 374(b) of the companies Act, 2013 and rule 4(1) of the companies (Authorised to Register) Rules, 2014]

1. Notice is hereby given that in pursuance of sub-section (2) of section 366 of the Companies Act, 2013, an application has been made to the Registrar at Jaipur, Rajasthan that M/s. Harshwal Consulting LLP a LLP registered under LLP Act. 2. The principal objects of the company are as follows:
a) To Carry on the business of Accounting, Auditing, Reconciliation, MIS Reporting, Competitor Analysis and similar services. b) To set up and run electronic data and business process centers, BPO, outsourcing and offshoring of information technology and to carry on business of data/word processors, software consultants, development of management information system, computerization feasibility study, to conduct or sponsor training, programmers, courses, Seminars for imparting or spreading the knowledge and use of computers, computer programmers and publishing books, journals and course materials and to purchase, sell these products both in India and abroad and to carry on the business of Accounting, Auditing, Reconciliation, MIS Reporting Competitor Analysis, BOD Support and Ad-hoc Reporting Finance controls and Analysis and Financial valuation and complete GL management, customized reporting, Procure to pay process, order to receipt process, Payroll and T & E processing, International consolidation, Fixed Asset management, Equity Cap table Maintenance and implementation of IFRS. c) To carry on the business to provide Internet Services, E- Commerce facility, telecommunication services, lease lines and lease links and host websites and web pages, ERP applications, accounts, multimedia content creations, create networkings, development and manufacturing of computer hardware, software development, cybercafé development, internet development and to undertake the business of manufacturers either for its own use or for sales, traders, dealers, exporters, importers, developers, agents, maintainers consultants of computer systems.
d) It may also include any other business conducted in such manner as may be decided by the majority of Director from time to time. 3. A copy of the draft memorandum and articles of association of the proposed company may be inspected at the office at 370 sq. ft. area in office No. 601, North Avenue, Road No. 9A, VKI Area, Sikar Road, Jaipur, Jaipur, Rajasthan, India, 302013. 4. Notice is hereby given that any person objecting to this application may communicate their objection in writing to the Registrar at (Corporate Bhawan, G/6-7, Second Floor, Residency Area, Civil Lines, Jaipur-302001) within twenty one days from the date of publication of this notice, with a copy to the company at its registered office.

Name(s) of Applicant(s)
Date : 12.06.2025 1. RAKESH JETHMAL JANGID, 2. SURENDRA TETARWAL

राजस्थान सरकार
सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर सम्भाग
जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र, अजमेर RPSC के पास, जयपुर रोड, अजमेर-305001
क्रमांकःएफ.()जि.उ.के.अ./MSEFC/Meeting/Minutes/2025/487 दिनांक 22.05.2024
Sh. Arvind Goyal C/o M/s Goyal Constructions,
123, Hari Marg, Civil Lines, Jaipur - 302 006
अंतिम नोटिस
केस नं. RJ/32/S/AJR/00228

M/s S.G.G. Cement Product Pvt. Ltd., F/35A-37, Road No. 2, RIICO Ind. Area, Niwai, Distt. Tonk (Raj.) द्वारा आरसीसी पाईप की आपूर्ति हेतु विलंबित भुगतान राशि रु. 38145.00 तथा देय ब्याज व GST राशि रु. 79552.00 सहित कुल राशि 117697.00 का भुगतान आप द्वारा आपूर्तिकर्ता ईकाई को नही किये जाने के कारण आपूर्तिकर्ता द्वारा MSMED Act-2006 की धारा 18 के अन्तर्गत सुविधा परिषद को रेफेरेंस प्रस्तुत करने पर बैठक दिनांक 27.12.2023 में आप (क्रेता संस्था) को व आपूर्तिकर्ता संस्था को नोटिस दिनांक 08.12.2023 रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित किया जाकर, वाद के सम्बन्ध में सुविधा परिषद के समक्ष उपस्थित होने हेतु लिखा गया।
उक्त वाद से सम्बंधित परिषद की समस्त बैठकों में आप (क्रेता पक्ष) अनुपस्थित रहे तथा ना ही आपने परिषद के पत्रों का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया/ सुविधा परिषद की बैठक दिनांक 09.05.2025 में परिषद द्वारा सर्वसम्मति से क्रेता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र के माध्यम से आपूर्तिकर्ता के व्यय पर क्रेता के लिए सुनवाई के अंतिम अवसर की लोक सूचना प्रकाशित करवाने का निर्णय लिया गया/
अतः जरिये अंतिम नोटिस आपको सूचित किया जाता है की आपूर्तिकर्ता ईकाई को विलंबित बकाया भुगतान न किये जाने के सम्बन्ध में अपना प्रत्युत्तर 15 दिवस मे प्रस्तुत करें अन्यथा MSMED Act-2006 की धारा 16 के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही प्रारम्भ की जावेगी।

(डी.के. शर्मा)
अध्यक्ष, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर संभाग

राजस्थान सरकार
सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर सम्भाग
जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र, अजमेर RPSC के पास, जयपुर रोड, अजमेर-305001
क्रमांकःएफ.()जि.उ.के.अ./MSEFC/Meeting/Minutes/2025/487 दिनांक 22.05.2024
Sh. Neeraj Gupta C/o Gupta Builders
D-50, Choumu House, C-Scheme, Jaipur - 302 001
अंतिम नोटिस
केस नं. RJ/32/S/AJR/00230

M/s Kushagra Cement Products, NH-12, Pahari Chowki, Niwai, Distt. Tonk (Raj.) द्वारा Precast Box Culverts की आपूर्ति हेतु विलंबित भुगतान राशि रु. 175850.00 तथा देय ब्याज व GST राशि रु. 289232.00 सहित कुल राशि 465082.00 का भुगतान आप द्वारा आपूर्तिकर्ता ईकाई को नही किये जाने के कारण आपूर्तिकर्ता द्वारा MSMED Act-2006 की धारा 18 के अन्तर्गत सुविधा परिषद को रेफेरेंस प्रस्तुत करने पर बैठक दिनांक 27.12.2023 में आप (क्रेता संस्था) को व आपूर्तिकर्ता संस्था को नोटिस दिनांक 08.12.2023 रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित किया जाकर, वाद के सम्बन्ध में सुविधा परिषद के समक्ष उपस्थित होने हेतु लिखा गया/
उक्त वाद से सम्बंधित परिषद की समस्त बैठकों में आप (क्रेता पक्ष) अनुपस्थित रहे तथा ना ही आपने परिषद के पत्रों का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया/ सुविधा परिषद की बैठक दिनांक 09.05.2025 में परिषद द्वारा सर्वसम्मति से क्रेता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र के माध्यम से आपूर्तिकर्ता के व्यय पर क्रेता के लिए सुनवाई के अंतिम अवसर की लोक सूचना प्रकाशित करवाने का निर्णय लिया गया/
अतः जरिये अंतिम नोटिस आपको सूचित किया जाता है की आपूर्तिकर्ता ईकाई को विलंबित बकाया भुगतान न किये जाने के सम्बन्ध में अपना प्रत्युत्तर 15 दिवस मे प्रस्तुत करें अन्यथा MSMED Act-2006 की धारा 16 के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही प्रारम्भ की जावेगी।

(डी.के. शर्मा)
अध्यक्ष, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर संभाग

कार्यालय उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग जिला भरतपुर
फोन नम्बर :- 05644-225671
(E-mail-dao.bha.ayu@rajasthan.gov.in)
क्रमांक : लेखा/निविदा/2025-26/ दिनांक :

खुली निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2025 की व्यवस्था हेतु भरतपुर/डीग जिले में फ्लैक्स वैनर, पम्पलेट, होर्डिंग बोर्ड एवं प्रचार-प्रस्तार सामग्री हेतु निविदा दिनांक 17.06.2025 को दिन में 12.00 बजे तक उक्त सामग्री उपलब्ध करवाने वाले संभावी एवं सद्भावी व्यवहारियों एवं पंजीकृत फर्म धारकों/व्यापारियों से निम्नानुसार मुहरबंद लिफाफों में बोलियां आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	विवरण	अनुमानित राशि	अमानत राशि शुल्क	निविदा प्रपत्र समय	निविदा विक्रय दिनांक एवं व समय	निविदा प्राप्ति की तिथि व समय	निविदा खोलने की तिथि
1.	फ्लौक्स वैनर, पम्पलेट, होर्डिग बोर्ड एवं प्रचार प्रसार हेतु रिक्शा/ ऑटो लाउडस्पीकर एवं वॉलविनायल	600000 जिला भरतपुर NIB CODE -AYU2526A0111 UBN Code -AYU2526SSOB00112	12000	200	11.06.2025 से 17.06.2025 को दोपहर 11.00 बजे तक	17.06.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	17.06.2026 सायं 2.00 बजे
2.	फ्लैक्स वैनर, पम्पलेट, होर्डिग बोर्ड एवं प्रचार प्रसार हेतु रिक्शा/ ऑटो लाउडस्पीकर एवं वॉलविनायल	500000 जिला डीग NIB CODE -AYU2526A0112 UBN Code -AYU2526SSOB00114	1000	200	11.06.2025 से 17.06.2025 को दोपहर 11.00 बजे तक	17.06.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	17.06.2026 सायं 2.00 बजे

शर्तें :-
1. बिना धरोहर राशि के निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी।
2. निविदा निर्धारित प्रपत्र में ही प्रस्तुत की जावेगी।
3. विस्तृत शर्तें एवं सूचनाएं (http://sppp.raj.nic.in) पर देखी जा सकती है।

(डॉ. इन्दू शर्मा)
उपनिदेशक

'अब अज्ञात, बेसहारा और अनाथ रोगियों को मिल सकेगा नि:शुल्क इलाज'

चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के बीच एमओयू

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मानवीय पहल शुरू
- पहचान पत्र के अभाव में योजनाओं का नहीं मिल पाता था लाभ, अब रजिस्टर्ड ट्रस्ट या एनजीओ के प्रमाण पत्र से मिल सकेगा इलाज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मानवीय पहल एवं मार्गदर्शन में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने असहाय, वंचित, मानसिक रूप से अक्षम, लावारिस और अज्ञात रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए संवेदनशील कदम उठाया है। अब इन रोगियों को राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसायटी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा एक संयुक्त एमओयू किया गया। इसके तहत रजिस्टर्ड धर्मार्थ ट्रस्ट या एनजीओ के माध्यम से चिकित्सालयों में लाए जाने वाले रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाएगी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि प्राय: यह देखने में आता था कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थल और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर असहाय, मानसिक रूप से अक्षम, लावारिस या अज्ञात रोगी बेसहारा स्थिति में पाए जाते थे और ऐसे व्यक्तियों को धर्मार्थ ट्रस्ट या एनजीओ द्वारा चिकित्सालयों में लाया जाता था, लेकिन पहचान पत्र के अभाव में उन्हें मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना या अन्य योजनाओं में नि:शुल्क इलाज, ऑपरेशन या इंप्लांट लगाया जाना संभव नहीं हो पाता था। इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए राजस्थान का निवासी होना एवं कोई पहचान पत्र होना आवश्यक है। ऐसे लोगों की पहचान या पता नहीं होने अथवा राजस्थान के निवासी होने का पहचान पत्र नहीं होने के कारण उपचार नहीं मिल पाता था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए ऐसे रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने ऐसे रोगियों के समुचित उपचार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनके अनुसार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग या देवस्थान विभाग में रजिस्टर्ड ट्रस्ट या एनजीओ द्वारा लाए गए रोगियों को चिकित्सा शिक्षा विभाग के चिकित्सालयों में मुफ्त इलाज मिलेगा। ऐसे ट्रस्ट या एनजीओ को केवल यह प्रमाण पत्र जारी करना होगा कि लाया गया रोगी असहाय, वंचित, लावारिस या अज्ञात है। यह प्रमाण पत्र नि:शुल्क इलाज के लिए पर्याप्त होगा। चिकित्सा शिक्षा और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा एक संयुक्त समिति का गठन किया गया है, जो ट्रस्ट/एनजीओ को अधिकृत करेगी और एमओयू के आधार पर सहयोग सुनिश्चित करेगी। योजना के तहत होने वाला व्यय आरएमआरएस के माध्यम से वहन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के राजकीय चिकित्सा संस्थानों में प्रदेशवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह नि:शुल्क हैं। अब इस एमओयू से इन नि:शुल्क सेवाओं का दायरा और बढ़ेगा। गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वालों, विधवा/अनाथ /लावारिस व्यक्तियों, दुर्घटनाग्रस्त रोगियों और 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों को इससे उपचार लेने में और सुगमता होगी। जरूरतमंद एवं बेसहारा रोगियों को आसानी से उपचार उपलब्ध हो सकेगा। राजस्थान सरकार का यह कदम मानवता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

घरों में चोरी करने वाले मोहम्मद अख्तर गिरफ्तार

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घरों में चोरी करने वाले एक शातिर नकबजन मोहम्मद अख्तर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चोरी किए गए एलईडी टीवी,मोबाइल सहित अन्य चोरी का माल बरामद किया है।

घरों में चोरी करने वाले एक शातिर नकबजन मोहम्मद अख्तर निवासी गलता गेट जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित मोहम्मद अख्तर नशा करने का गंभीर आदि है और नशा पूर्ति करने के लिए जयपुर शहर की तरफ से सार्वजनिक साधन मैजिक, बस आदि के माध्यम से मालवीय नगर व अन्य क्षेत्र में जाता है। जहां कचरा बीनने के बहाने से घूमता है वह जैसे ही किसी मकान को सूना देखता है तो मौका देखकर मकान के अन्दर घुस जाता है एवं घर में रखे कीमती सामान को चोरी कर तुरंत ही निकल जाता है। मुलजिम चोरी किए गए सामान को बेचकर नशा पूर्ति करता है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले व दो सहयोगियों को बीस साल की सजा

- अभियुक्त ने दुष्कर्म के प्रयास का अश्लील वीडियो बना लिया और इससे धमकाकर कई बार दुष्कर्म किया।

जयपुर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग के साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त राकेश कुमार को बीस साल की सजा सुनाई और 3.25 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने अपराध में सहयोग करने वाले अभियुक्त दीन दयाल और गौरीशंकर को भी बीस साल की सजा सुनाई और कुल 3.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। पीठासीन अधिकारी कैलाश चन्द अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में नाबालिगों के साथ यौन अपराध बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में अदालत का कर्तव्य है कि वह अभियुक्तों को उनके अपराध की प्रकृति और गंभीरता के अनुसार उचित दंड दे। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 9 सितंबर, 2022 को चंदवाजी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि दो दिन पूर्व वह मजदूरी करने और उसकी पत्नी सब्जी लेने बाजार गई हुई थी। इस दौरान राकेश उनके घर आया और उसकी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने का प्रयास किया और उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद अभियुक्त उसे डरा धमकाकर अपने साथ ले गया। इससे पहले भी अभियुक्त ने पीड़िता का अपहरण करने का प्रयास किया था। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि राकेश और दीनदयाल उसे अपने साथ ले गए थे। दोनों ने उसे गौरीशंकर के कमरे में तीन दिन रखा, जहां अभियुक्त राकेश ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।

अपील अधिकरण ने महिला ग्राम विवाद अधिकारी से निलंबन पर रोक लगाई

- केवल पंचायती रक्षा विभाग के सत्र के आधार पर, बिना स्वतंत्र जाँच कराये निलंबन करना न्याय के खिलाफ माना

जयपुर । राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने, सक्षम अधिकारी नहीं होने के बावजूद, महिला ग्राम विकास अधिकारी का निलंबन करने पर पंचायती राज विकास विभाग और जिला परिषद करौली से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही, अदालत ने निलंबन आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। अधिकरण के चेयरमेन विकास सीताराम भाले और सदस्य चेतनराम देवड़ा ने यह आदेश पूजा की अपील पर दिए। अपील में अधिवक्ता विजय पाठक ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी ग्राम पंचायत खोहरी, करौली में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने गत पांच मई को उसे निलंबित कर दिया। अपीलार्थी की नियुक्ति जिला परिषद की स्थापना समिति के जरिए हुई है। ऐसे में मुख्य कार्यकारी अधिकारी उसे निलंबित करने के लिए सक्षम अधिकारी ही नहीं है। इसके बावजूद, उसे केवल पंचायती राज विभाग से आए एक पत्र के आधार पर निलंबित किया गया, जबकि निलंबन कार्रवाई से पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी को अपीलार्थी से संबंधित मामले में स्वतंत्र तौर पर जांच करनी चाहिए थी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया है, जो कि प्राकृतिक न्याय के प्रावधानों के खिलाफ है। ऐसे में अपीलार्थी के निलंबन आदेश को रद्द किया जाए। मामले की सुनवाई करते हुए अधिकरण ने निलंबन आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

बाबा रामदेव मेले में लोगों को मिलेगा नि:शुल्क नेत्र उपचार

जयपुर। सक्षम की ओर से बाबा रामदेव मेले में नेत्रकुम्भ के आयोजन को लेकर प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। स्थानीय सेवा सदन में आयोजित प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए सक्षम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चन्द्रशेखर ने कहा आंखों के प्रति जागरूकता कम होती जा रही हैं, स्क्रीन टाईम सभी का, विशेष रूप से बच्चों का बढ़ता जा रहा है।

ऐसी युवा पीढ़ी, आने वाले अपने देश का भविष्य है उसे हम कैसे सुरक्षित रखें, एक चुनौती बनता जा रहा है। इन्हीं बातों को लेकर सक्षम का प्रयास है, पश्येम शरद: शतम् अर्थात् सौ वषो तक भगवान की बनाई इस सुन्दर सृष्टि को हम देख पाए।

प्रेसवार्ता में सक्षम राजस्थान की सदस्या नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. मधु गोयल एवं प्रदेशाध्यक्ष डॉ.क्षमाशील गुप्त उपस्थित रहें।

प्रेसवार्ता में संगठन मंत्री द्वारा सक्षम का उद्देश्य और गतिविधियों की जानकारी पत्रकारों से साझा करते हुए बताया सक्षम संस्था जयपुर द्वारा पिछले तीन कुम्भ के मेलों में नेत्रकुम्भ महाशिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें 4.86 लाख लोगों की नेत्र जॉच, 3.56 लाख लोगों को चश्मा वितरण एवं 40 हजार लोगों के ऑखों का ऑपरेशन किया गया था।

संगठन मंत्री ने इस दौरान बाबा रामदेव समाधी स्थल पर आयोजित होने वाले नेत्रकुम्भ में नेत्र जांच एवं उपचार शिविर व्यवस्थाओं की रूपरेखा से अवगत कराते हुए बताया बाबा रामदेव ने 33 वर्ष की उम्र में जीवीत समाधी ली थी, इसलिए रूणीचा, पोकरण में दिनांक 1 अगस्त, से 2 सितंबर तक 33 दिवसीय नेत्र जॉच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें सक्षम संस्था जयपुर, राजस्थान सरकार एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं का सहयोग रहेगा। लगभग 6 एकड़ भूमि पर सात जर्मन हैंगर बनाये जाएगें। इनमें 50 ओ.पी.डी., चश्माघर, स्वागत पाण्ड़ाल, चिकित्सक एवं अन्य स्टॉफ आवास, भोजन आदि की सम्पूर्ण व्यवस्था रहेगी।

ग्रीन एंटरप्रेन्योरशिप और ग्रीन जॉब्स पर कार्यशाला संपन्न

जयपुर। ए.पी.जे. अब्दुल कलाम राजकीय कन्या महाविद्यालय, गंगापोल, जयपुर के कलाम इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेल के तत्वावधान में ग्रीन एंटरप्रेन्योरशिप और ग्रीन जॉब्स विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमन्त पारीक ने की तथा मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. रेणु बिष्ट, मुख्य समन्वयक, ई-यूवा सेंटर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर रहीं। डॉ. बिष्ट ने छात्राओं को नवाचार और सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छोटे-छोटे उदाहरणों के माध्यम से एंटरप्रेन्योरशिप के महत्व को समझाया और बताया कि युवा किस प्रकार समाज में अपनी सार्थक भूमिका निभा सकते हैं। कार्यशाला में विशेष वक्ता राजस्थान विश्वविद्यालय के ई.सी.एच. इन्क्यूबेशन सेंटर के मेंटर डॉ सुनील छींपा रहे।

जयपुर महानगर द्वितीय की पीड़ित प्रतिकर मीटिंग में 44 प्रकरणों का निस्तारण

- पीड़ितों को 64 लाख 72000 के अवार्ड पारित
- विधिक सहायता के लिए नियुक्त पैनल अधिवक्तागण को मानदेय के आदेश जारी

जयपुर महानगर द्वितीय की अध्यक्षता में राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम एवं विधिक सहायता के संबंध में मीटिंग का आयोजन किया।

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान 2025-26 के अनुसार जून 2025 में दिए गए दिशा निर्देशों की पालना में रीटा तेजपाल, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश), जयपुर महानगर द्वितीय की अध्यक्षता में राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम एवं विधिक सहायता के संबंध में मीटिंग का आयोजन किया गया।

पल्लवी शर्मा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश), जयपुर महानगर द्वितीय ने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आमजन को त्वरित न्याय दिलाने के क्रम में माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी एक्शन प्लान में दिए गए विभिन्न दिशा-निर्देशों की पालना में मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत हत्या, दुष्कर्म, मानव तस्करी आदि अपराधों के पीड़ित पक्ष द्वारा प्रस्तुत कुल 44 प्रार्थना-पत्र व आवेदन-पत्र रखे गए जिन पर कमेटी के अध्यक्ष व सदस्यगण द्वारा विचार-विमर्श पर प्रतिकर राशि/अवार्ड पारित किए गए। उक्त प्रकरणों को निस्तारित करते हुए कुल 64,72,500 राशि का अवार्ड पारित हुआ।

उक्त प्रकरणों के निस्तारण के पश्चात मीटिंग में विधिक सहायता के तहत नियुक्त अधिवक्तागण को देय मानदेय के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही की जाकर अधिवक्तागण को नियमानुसार देय मानदेय के ऑर्डर जारी किए गए।

परशुराम कुंड पर 54 फिट की प्रतिमा स्थापना के कार्य का शुभारंभ

जयपुर। अरुणाचल प्रदेश स्थित परशुराम कुण्ड पर समरसता के देवता चिरंजीवी भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना का कार्य आज बुधवार को विधिवत प्रारंभ हो गया। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने परशुरामजी के श्रीचरणों के चरणों में नमन कर विधिपूर्वक स्थापना का बड़ा संदेश दिया। लोहित नदी के तट पर 54 फीट की विशालकाय प्रतिमा केंद्र व अरुणाचल सरकार के सहयोग से ब्राह्मणों के सबसे बड़े संगठन विप्र फाउंडेशन कर रहा है। मेघवाल ने तीर्थ क्षेत्र में आपने पौधारोपण भी किया। उन्होंने अपने संबोधन में इस क्षेत्र के समग्र विकास हेतु केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक चेतना व एकता की दिशा में यह प्रकल्प महती भूमिका निभायेगा। इस मौके पर स्थानीय विधायक चाऊ जिगनू नामचूम की गौरवमयी उपस्थिति रही। महंत हरिशरण दास के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार से पूजन उपरांत स्थापना का कार्य आरम्भ हुआ। मूर्ति प्रतिष्ठा समिति के संयोजक, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष परमेश्वर शर्मा "सालासर" ने बताया कि विगत चार वर्षों से संस्था के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत अब रंग लाने लगी है।

एएसआई और वकील 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) राधाकिशन व मध्यस्थ अधिवक्ता भैराराम को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जोधपुर की विशेष टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) राधाकिशन व मध्यस्थ अधिवक्ता भैराराम को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी विशेष टीम जोधपुर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके विरूद्ध पुलिस थाना फलोदी में दर्ज मुकदमे में मदद करने एवं धारा हटाने की एवज में सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) राधाकिशन 25 हजार रुपये की रिश्वत मध्यस्थ वकील भेराराम के माध्यम से मांगी जा रही है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) राधाकिशन व मध्यस्थ अधिवक्ता भैराराम को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

सार-समाचार

संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में बी.एम.वी.एस.एस. की प्रशंसा की

जयपुर। वैश्विक स्तर पर विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था जयपुर की भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के द्वारा विकलांगजनों के पुर्नवास के लिए योगदान पर संयुक्त राष्ट्र संघ की एक बैठक में प्रशंसा की गई ।न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय के दो सत्रों में आयोजित चर्चाओं में बी. एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी. आर. मेहता और अध्यक्ष सतीश मेहता ने अपनी प्रस्तुति दी। संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व में विकलांगजनों के पुर्नवास की अग्रणी संस्था बी.एम.वी.एस.एस. को इस चर्चा में भाग लेने के लिए विशेष रूप से आमन्त्रित किया था। यह गोष्ठी विकलांगों के मौलिक अधिकार और उनकी मान-प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए आयोजित की गई थी। इस गोष्ठी को सम्बन्धित करते हुए डी. आर. मेहता ने बताया कि विश्व की 15 प्रतिशत आबादी विकलांगजनों की हैं जो कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े अल्प संख्यक समूहों में हैं। इतनी बड़ी संख्या में विकलांगजनों का पुर्नवास कर उनकी उद्यिमता और उनके रोजगार के अवसर बढ़ाने का पिछले पचास वर्षों से बी.एम.वी.एस.एस. प्रयास कर रहा है। बी.एम.वी.एस.एस. ने जयपुर फुट के रूप में एक ऐसे कृत्रिम पैर विकसित किया हैं जो निर्माण लागत में पश्चिम के देशों के मुकाबले में न सिर्फ सस्ता हैं बल्कि गुणवत्ता पूर्ण और टिकाक भी है। यह कृत्रिम पैर विकलांगों को नि:शुल्क दिया जाता है।

डॉ. निर्मल जैन ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर से की भेंट

जयपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद, परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य डॉ. निर्मल जैन ने आज भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर से मुलाक़ात की। इस अवसर पर उन्होंने "ऑपरेशन सिंदूर" तथा "तिरंगा यात्रा" की ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। डॉ. जैन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर नारी गरिमा, सुरक्षा और सम्मान की दिशा में एक सशक्त पहल है, जिसने समाज में जागरूकता की नई लहर पैदा की है। वहीं तिरंगा यात्रा ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाया। मदन राठौर ने डॉ. निर्मल जैन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता केवल भाजपा कार्यकर्ताओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है, जो राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत होकर इन अभियानों से जुड़ा।

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान आयोजित

जयपुर। एसपीजी इंडिया/की प्रबंधन समिति के सदस्य कलश चंद बड़ाया, प्रोफ़ेसर बी एल गुप्ता, मोहिनी और गिर्राज देवी ने कहा कि "स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है" और "पहला सुख निरोगी काया" की भावना के तहत एसपीजी इंडिया ने एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अवसर पर लगभग 227 लोगों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस शुभारंभ समारोह की मुख्य अतिथि थीं मंजू शर्मा, सह-अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईएचसीसी अस्पताल, जबकि विशिष्ट अतिथियों में शामिल थे।

पदोन्नित में छूट और कैडर रिव्यू के आदेश निकाले जाने की मांग

जयपुर। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ द्वारा मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर बजट घोषणा के अनुरूप पदोन्नित हेतु अनुभव में 2 वर्ष की छूट एवं मंत्रालयिक संवर्ग के कैडर रिव्यू के आदेश निकाले जाने की मांग की है । राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के कल्याण के लिए बजट घोषणा की जाती हैं जो एक प्रकार से सरकार की कर्मचारी कल्याण कार्यक्रम की कार्य योजना होती है। इनका उद्देश्य कर्मचारियों को राहत प्रदान करना होता है परंतु समय से आदेश नहीं निकाले जाने पर ऐसी घोषणाएं दिखावा मात्रा बन जाती है और कर्मचारियों को बहुत कम लाभ मिल पाता है।जून माह आने के बावजूद भी कार्मिक विभाग द्वारा आदेश नहीं निकाले गए हैं तथा सचिवालय सहित विभिन्न कर्मचारी संगठन निरंतर मांग कर रहे हैं। आदेश में देरी से इस वर्ष समय पर पदोन्नितयां होना मुश्किल हो जाएगा तथा कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान तो हो ही रहा है, अनेक कर्मचारी बिना पदोन्नित के सेवानिवृत हो रहे हैं।

कबीर के 628वें प्रकट दिवस का भव्य उत्सव, तीन दिनों तक अनूठे अंदाज में मनाया

- लाखों श्रद्धालुओं ने संत गरीबदास महाराज की वाणी का अखंड पाठ सुनकर आध्यात्मिक आनंद लिया

सोजत में कबीर के 628वें प्रकट दिवस का भव्य उत्सव तीन दिनों तक अनूठे अंदाज में मनाया गया।

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले के सतलोक आश्रम, सोजत में कबीर के 628वें प्रकट दिवस का भव्य उत्सव तीन दिनों तक अनूठे अंदाज में मनाया गया।

इस आयोजन में सादगी और सेवा की अनूठी छाप देखने को मिली-48 दहेज-मुक्त विवाह, सामूहिक रक्तदान शिविर और शुद्ध देसी घी से निर्मित भंडारे ने इसे खास बना दिया। लाखों श्रद्धालुओं ने संत गरीबदास महाराज की वाणी का अखंड पाठ सुनकर आध्यात्मिक आनंद लिया, जबकि भारत के 12 सतलोक आश्रमों में भी यह उत्सव समान उत्साह से मनाया गया।

आश्रम ने मुफ्त बस सेवा, मेडिकल कैंप, व्हीलचेयर, चार्जिंग स्टेशन और ठंडे पानी के फव्वारों जैसी सुविधाएं देकर श्रद्धालुओं की हर जरूरत का ख्याल रखा। डोम्स के नीचे कूलर,चाय व भंडारे की व्यवस्था और विशाल टैंट्स ने गर्मी से राहत दिलाई।

यह आयोजन कबीर साहेब के संदेश दिया जिसमे "सादा जीवन, उच्च विचार" को जीवंत करते हुए समरसता और सेवा की मिसाल बन गया।

संत रामपाल महाराज के अनुयायियों ने सोशल मीडिया के जरिए दुनियाभर से लाखों लोगों को जोड़कर इस कार्यक्रम को एक अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक मेले का रूप दिया। एक ऐसा उत्सव जहाँ आस्था, समर्पण और सामाजिक सरोकार हर पल महसूस होता रहा।

मुख्यमंत्री से मुआवज़ा राशि दिये जाने की माँग

टोंक। जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया जिले की बनास नदी में पिकनिक मनाने गये जयपुर के 8 युवकों की अचानक डूबने से मौत हो गई !सभी मृतक बहुत ग़रीब परिवारों के थे जिनके घर परिवार में मातम छा गया ! इस दर्दनाक हादसा पर घोर विपदा की स्थिति में मुस्लिम प्रोग्रेसिव फ़ेडरेशन उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी आस्था एवं संवेदना प्रकट करती है ! फ़ेडरेशन के कन्वीनर अब्दुल सलाम जौहर की राज्य सरकार से मृतकों के परिवारों को इस घोर विपदा में मानवीय आधार पर आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी व अन्य सरकारी मदद दिये जाने की माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से माँग की है ! चूँकि मृतक बहुत गरीब परिवारों से थे अब कमाने वाला भी नहीं रहा और परिवार घोर आर्थिक संकट में आ गया है मृतकों के परिवारों की हालत आजीविका बहुत दयनीय हो गई है अत: मानवीय आधार पर मुख्यमंत्री से अविलंब कम से कम 25-25 लाख की आर्थिक सहायता राशि प्रत्येक मृतक के परिवारों को दिये जाने की फ़ेडरेशन पुरज़ोर माँग करती है ! फेडरेशन के कन्वीनर अब्दुल सलाम जौहर की क्षैत्रिये विधायक एवं लोकसभा राज्यसभा के सदस्य से भी माँग की है।

Say No to Child Labour

It's hard to imagine in the modern world that, instead of going to school or being cared for by their families, children are sent to work every day in factories, mines, or other harsh environments. World Day Against Child Labor (12th June) works to shed light on and increase public awareness about the plight of these children, with the purpose of ending different forms of child abuse and neglect. The hope behind this day is to bring together governments, civil society, local authorities, employee and worker organizations and other interest groups to help define guidelines for child labour and also work towards putting an end to it.

#POLLUTION

EVs aren't the environmental silver bullet

Toyota argues that manufacturing 9 million EV batteries in Japan would actually increase carbon emissions rather than reduce them!

Toyota chairman Akio Toyoda claims that 27 million Toyota hybrids produce the same carbon emissions as just 9 million electric cars, a 3-to-1 ratio that suggests EVs aren't the environmental silver bullet everyone thinks they are.

Toyoda's math centers on Japan's electricity grid, which still relies heavily on fossil fuel power plants. When you charge an electric car using coal or natural gas electricity, the environmental benefits shrink dramatically compared to regions with cleaner power sources. Toyota argues that manufacturing 9 million EV batteries in Japan would actually increase carbon emissions rather than reduce them, making their hybrid strategy more environmentally sound. The company backs this up with their '1:6:90 Rule,' revealing that the lithium needed for one electric vehicle battery could instead produce six plug-in hybrids or 90 regular hybrids. Toyota claims those 90 hybrids deliver 37 times more carbon reduction over their lifetime than a single electric vehicle, though this calculation assumes optimal hybrid usage and suboptimal EV charging conditions.

Akio Toyoda's claims, and Toyota's broader argument, raise important points about the complexity of decarbonizing transportation, particularly in regions like Japan where the electricity grid remains heavily dependent on fossil fuels. Here's a breakdown of the key assertions and the context around them.

Toyoda's Claim: 27M Hybrids = 9M EVs in Carbon Emissions

Core Idea: In Japan's current energy context, 27 million Toyota hybrids emit about the same amount of carbon as 9 million fully electric vehicles (EVs).

Why? Japan's electricity grid is still ~75% reliant on fossil fuels, so charging EVs results in significant upstream emissions.

'1:6:90 Rule' - Lithium Allocation Argument

Toyota's Point: The lithium needed for 1 full EV battery could make 6 plug-in hybrid (PHEV) batteries, or 90 regular hybrid (HEV) batteries.

Implication: From a resource efficiency standpoint, you get much more CO2 reduction per unit of lithium, by spreading it across many hybrids.

Toyota's Carbon Reduction Math

Claim: 90 hybrids can reduce 37× more lifetime carbon emissions than 1 EV under current Japanese grid conditions.

Assumptions

- EVs are charged mostly with fossil-powered electricity.
- Hybrids are used efficiently (i.e., mostly in stop-and-go city traffic where regenerative braking and engine cutoff save the most fuel).
- No drastic changes in grid decarbonization in the near term.

Criticisms and Caveats

Grid Decarbonization Is Accelerating: As Japan and other countries decarbonize their grids, EVs become dramatically more climate-friendly over time. This undermines Toyota's static comparison.

Use-Case Dependent: In regions with clean grids (e.g., Norway, parts of the U.S. and EU), EVs already outperform hybrids by a wide margin in lifecycle emissions.

Hybrid Efficiency Has Limits: Hybrids still burn gasoline, and long-term climate goals (e.g., net-zero by 2050) require eventually phasing out combustion engines entirely.

The Middle Ground

Toyota's hybrid strategy may be pragmatic in the short term and in regions with dirty grids, but it's not a permanent climate solution. EVs are more sustainable in the long term, particularly as:

- Battery recycling improves.
- Grid decarbonization continues.
- EV technology becomes more efficient.

Bottom Line

Toyota's argument highlights an important transitional consideration: EVs aren't zero-emission if the grid isn't clean, and resource allocation matters. But their model also banks on today's conditions staying static, which underestimates how rapidly energy and charging infrastructure are changing.

The Silent Vigil

"Sam! Rosie fell down from the stairs. I have spent the whole evening organising her admission to the hospital and the immediate care. She is unconscious but does not require an ICU care. The doctor says that she will have to be watched. She may need an operation later if there is internal bleeding, but at the moment, she is stable. He could not predict how long she will be unconscious. I have left Rita in the care of the neighbours. I need you to come and look after Rosie as I will not be able to care for Rita and go to work at the same time. Come immediately."

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

#FATHERS

The incessant and shrill ringtone of the mobile woke the old couple up. While Sam groped for his glasses on the bedside table, Lydia switched on the table lamp on the other side. She had that querulous look as if to say who is calling at this odd hour. The mobile flashed the name of Shyam. Sam switched on the speaker. Shyam was their son-in-law. His calls were rare and usually portended something ominous, a subconscious reminder of the monsoon clouds, dark and thunderous.

He heard Shyam say in an anxious and harried tone:

"Sam! Rosie fell down from the stairs. I have spent the whole evening organising her admission to the hospital and the immediate care. She is unconscious but does not require an ICU care. The doctor says that she will have to be watched. She may need an operation later if there is internal bleeding, but at the moment, she is stable. He could not predict how long she will be unconscious. I have left Rita in the care of the neighbours. I need you to come and look after Rosie as I will not be able to care for Rita and go to work at the same time. Come immediately."

This was all said in haste and in one breath.

"OK, let me see when we can find the earliest flight."

The call was abruptly cut off as if there was no need for further discussion.

Sam searched for his prayer beads on the counter in front of the picture of the Virgin Mary while Lydia looked on in consternation. They were a pious couple. Their first reaction was to look at each other in an undecided manner. Prayer was their normal reaction. "Oh Lord! Why this disaster for us. Guide us and help us!"

They clutched each other seeking support.

After a brief discussion, it was decided that Sam would go to help and assess the long term situation while Lydia would continue to run the small provision store which was the major supplement to Sam's meagre pension.

An expensive air ticket was booked for Chennai.

When Sam walked into the private room, his eyes focused on the still body of Rosie on the hospital bed. A nurse was adjusting the IV fluid. A feeding tube was passing through her left nostril. He would later notice the urine bag and catheter.

There was a bindi on her forehead and her parting was smeared with a streak of vermilion. She had started doing that after her marriage. Probably, in consideration of being in a Hindu family now. Shyam was to be seen nowhere. The nurse gave him a neutral professional smile with a questioning look.

"Father? We were expecting you. Her husband has gone home

> " Nothing has changed in the last 12 hour. The head scan shows contusion and edema. Thank your stars that she has no internal bleeding. She will need to be watched carefully for a few days. Let's hope she wakes up." He was gone before Sam could open his mouth. Sam did not know whether to feel reassured or dismayed!

and work. He said you would take over!" It sounded so callous. He expected no less from Shyam. Although he loved Rosie, he was a pragmatic person. When Rosie introduced Shyam to them, Sam had an intuitive feeling about this hard and uncaring core within Shyam. He had quickly rejected the thought surmising it to be an over-protective parental reaction.

But the feeling lingered in the five years of the marriage. They were still distant.

He sat down on the bedside stool. He placed one hand on her cool forehead while he tucked the prayer beads into her open palms with the other.

"Oh Rosie! What were you thinking? As usual in a hurry. Doing one thing while being distracted with another. The fall was inevitable. Now Darling, what do we do?"

His mind went blank. It was nearly sixteen hours that he had been on the move. Fatigue was catching up.

He took a sip of water from the backpack he was carrying.

There was a hustle and bustle. The nurse rushed in with the file and a young smart man in a scrub suit followed her. There were a few tag-alongs.

"Hello! I am Dr. Iyer. Neurosurgeon." He was examining Rosie while he spoke. He flashed a pen torch and checked her pupils.

"Nothing has changed in the last 12 hour. The head scan shows contusion and edema. Thank your stars that she has no internal bleeding. She will need to be watched carefully for a few days. Let's hope she wakes up."

He was gone before Sam could open his mouth. Sam did not know whether to feel reassured or dismayed!

He looked at Rosie hopelessly, expecting her to open her eyes.

Tears welled up. He wiped them with the back of his hand and sagged into the nearby chair.

So many things cluttered his mind.

How long will this take?
Can we afford this place?
What shall I tell Lydia?
Many more…

He hadn't eaten since he left Delhi. He wanted to ask the nurse about the cafeteria. He thought it would be better to go to a food stall outside the hospital to eat. He had no money to spare. A couple of idlis and a masala dosa sufficed.

He came back in a rush as if he would miss something.

All was just the same! Time was at a standstill!

As he resumed his place at the bedside, his mind, a well-worn tapestry of memories, unspooled. He saw Rosie as a toddler, small and warm, nestled against his chest, her soft breath lulling him to sleep. He remembered the tiny, white dress she wore, swirling and twirling in the garden. Her laughter echoing like wind chimes as she splashed in the inflatable pool. The vibrant red of her party frock seemed to shimmer in the memory. A stark contrast to the dull, grey sheets surrounding her now.

Then came the teenage years, a whirlwind of defiance and stubbornness. He saw her, a lanky figure with scraped knees and a defiant glint in her eyes, climbing the mango tree much higher than he deemed safe.

He remembered the day the car keys vanished. The frantic search and the eventual discovery of the empty garage. The phone call from the police came later. The late-night taxi drive to retrieve her. A mixture of anger and relief that churned within him. He saw her face then, a mask of rebellion, as she stood, unrepentant, in the harsh glare of the porch light.

> Yet, even in this despair, his faith held firm. He continued to pray, his beads a constant companion, a tangible link to the divine. A couple of days passed. There was not much to say or remember. All that had to be said or remembered had been done. He wanted to weep but was adamant that he would not do it at Rosie's bedside.

He recalled the day she announced her engagement to Shyam, a handsome man, but with a sharp edge, a restlessness that made Sam uneasy. He voiced his concerns.

The subtle warnings of a father's intuition, but Rosie, headstrong as ever, dismissed them with a wave of her hand. With a radiant, if somewhat defiant, smile. "You don't understand, Papa." The words were echoing now, hollow and meaningless.

The years that followed were a blur of strained visits and polite conversations, a slow drift away that left a hollow ache in his heart. He watched his granddaughter, little Rita grow. She was a sweet child with Rosie's twinkling eyes but the connection felt tenuous, strained by the distance and apathy. He gently stroked Rosie's hair, now no more glossy and wavy.

What could he do? He could not take her home. He was too old. The nursing home was not a place he would choose for a long term stay. He could not force Shyam to care for her. He could not bring back the Rosie he knew. He could only sit and pray, a silent sentinel. He could only offer comfort. That he could do with the warmth of his hand and silently echo a father's love. The sterile scent of disinfectant hung heavy in the air, a stark contrast to the gardenia perfume his Rosie used to wear. He, a man weathered by seventy years and a lifetime of unwavering faith, sat beside her bed, his hand resting lightly on her forehead. His other hand clutched his worn prayer beads, the smooth sandalwood warm against his skin. Seeking a plea for divine intervention, a prayer flowed silently from his lips. He slipped a medallion blessed by the Cardinal under her pillow. Her eyes, once bright and full of mischief, were now vacant, staring at a point beyond the pale wall.

Her silence was a stark contrast to her guileless laughter he remembered.

It was much later in the evening that Shyam came looking exhausted and forlorn.

No greetings or salutations!

"I have found cheap lodging for you nearby. You can stay till we can shift her to a government hospital. It will be much cheaper. A friend who knows some higher ups has promised to get her admitted." He proffered a small plastic bag with some fruits. As an afterthought, he stated:

"The medical insurance will take care of the next few days. I will bring Ria tomorrow."

He was gone before Sam could say anything. He sat down again besides his daughter, a stranger in her own body. He wanted to scream at Shyam. To shake him, to demand an explanation, but the words caught in his throat. Choked by a wave of grief and helplessness, he sat numb and motionless.

Yet, even in this despair, his faith held firm. He continued to pray, his beads a constant companion, a tangible link to the divine. A couple of days passed. There was not much to say or remember. All that had to be said or remembered had been done. He wanted to weep but was adamant that he would not do it at Rosie's bedside. He strongly believed that negative thoughts and actions would affect her recovery.

He went to the window and shed his tears there with his back to Rosie.

He'd read scriptures to her, his voice a soothing balm against the harsh reality of her condition. He never lost hope, his belief in the Almighty a beacon in the darkness.

Then, one morning, as he sat beside her, his hand on her forehead, a flicker of recognition sparked in Rosie's eyes. Her fingers twitched. A sound, not a scream, but a soft, almost imperceptible whisper, escaped her lips. Sam froze, his heart pounding in his chest. He leaned closer, his breath held captive.

"Papa?"

The word, a fragile, hesitant thing, hung in the air like a prayer answered. Tears of relief streamed down Sam's face. They were tears of joy and of profound gratitude. He grasped her hand, his own trembling. He began to chant, a hymn of praise and thanksgiving. His voice was choked with emotion.

The recovery was slow, arduous, but it was a recovery. Rosie began to respond to commands and to speak in halting sentences. The quiet faded, replaced by whispers and then garbled words. Much later, a conversation! Shyam remained distant, but Rita started visiting, drawn by the miracle unfolding before her eyes.

Sam knew, in his heart, that it was his faith, his unwavering belief in the power of prayer that had brought Rosie back. A true miracle! Soon, it was time for him to return home and to his dear Lydia.

rajeshsharma1049@gmail.com

#FREDERICK FORSYTH

'The Day Of The Jackal'... Is A Memory

"I was skint, in debt, no flat, no car, no nothing and I just thought, 'How do I get myself out of this hole?'- The zaniest solution - write a novel."- Frederick

Best-selling author Frederick Forsyth, known for thriller novels including *The Day Of The Jackal*, has died at the age of 86, his agent has said.

"We mourn the passing of one of the world's greatest thriller writers," Jonathan Lloyd said in a statement. Forsyth published more than 25 books, also including *The Odessa File* and *The Dogs of War,* and sold 75 million books around the world, he said.

His publisher Bill Scott-Kerr said: "Still read by millions across the world, Freddie's thrillers define the genre and are still the benchmark to which contemporary writers aspire. He leaves behind a peerless legacy which will continue to excite and entertain for years to come."

His Life as a thriller writer, fighter pilot, journalist and spy

Born in Kent in 1938, Forsyth joined the RAF at the age of 18 before becoming a war correspondent for the BBC and Reuters. He revealed in 2015 that he also worked for British intelligence agency MI6 for more than 20 years. Many of his fictional plots drew on his real-life experiences around the world. He made his name with his first novel, 1971's *The Day Of The Jackal*, which he wrote when he was out of work.

"I was skint, in debt, no flat, no car, no nothing and I just thought, 'How do I get myself out of this hole?' And I came up with probably the zaniest solution- write a novel," he said.

It is a gripping tale, set in 1963, about an Englishman hired to assassinate the French president at the time, Charles de Gaulle. The Day Of The Jackal was turned into a 1973 film, starring Edward Fox as the Jackal, and then became a TV drama starring Eddie Redmayne last year. Forsyth died on Monday after a brief illness, a statement said.

"After serving as one of the youngest ever RAF pilots, he turned to journalism, using his gift for languages in German, French and Russian to become a foreign correspondent in Biafra."

Mr. Scott-Kerr said that working with Forsyth had been 'one of the great pleasures of my professional life.' "The flow of brilliant plots and ideas aside, he was the most professional writer an editor could hope for," he said. "His journalistic background brought a rigour and a metronomic efficiency to his working practice and his nose for and understanding of a great story kept his novels both thrillingly contemporary and fresh. It was a joy and an education to watch him at work."

Singer Elaine Paige, a friend of Forsyth, said she felt 'total sadness' at the news of his death. "His academic knowledge of places, palaces and geography was bar none," she wrote on X. "He'll be much missed for so many reasons."

English composer Andrew Lloyd Webber, who worked with

Forsyth on *Love Never Dies*, the follow-up to Phantom of the Opera, said: "He really understood the romance and thrills which make the Phantom such an alluring character. Thank you Frederick, for creating stories which will live on for generations in your honour."

And Conservative MP Sir David Davis said his 'great friend' was a 'terrific man' and a 'fabulous wordsmith.' "He was a great believer in the old values, he believed in honour and patriotism and courage and directness and straightforwardness and was a big defender of our armed forces," he told.

Forsyth followed The Day Of The Jackal with *The Odessa File* in 1972, which was adapted for the big screen in a film starring Jon Voight two years later. The author had written a follow-up, *Revenge of Odessa*, with fellow thriller writer Tony Kent, which will be published this August. His other best-selling works included 1984's *The Fourth Protocol*, which became a film starring Michael Caine and Pierce Brosnan. He was made a CBE for services to literature in 1997. He had two sons with first wife, Carole Cunningham. His second wife, Sandy Molloy, died last October.

Frederick Forsyth's pen was sharper than a stiletto, and his prose moved with the precision of a covert operation. His novels weren't mere fiction; they read like classified documents exposing the darker arteries of power, espionage, and global intrigue. With his trademark blend of documentary realism and relentless pacing, Forsyth didn't just thrill readers; he redefined what a political thriller could be.

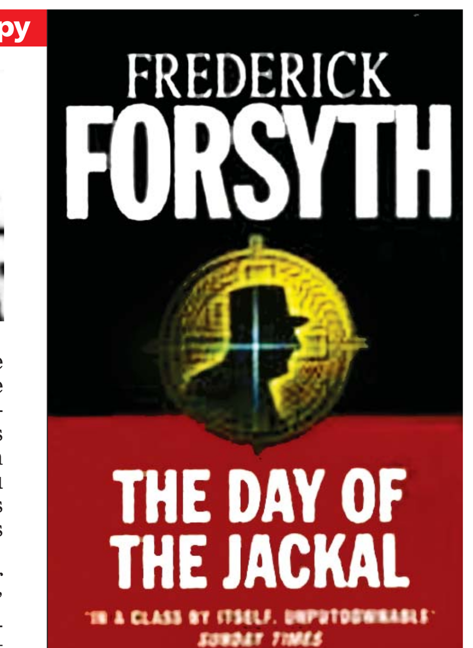

Forsyth's Indian Resonance: More Than a Western Hit

Indian writers and readers credit Forsyth with more than entertainment. Shiv Kumar, writing in Books Chharming (a Mumbai literary blog), reflects: "My favourite book is The Day of the Jackal by Frederick Forsyth. Even after forty years, this book gives more thrills than any of the thrillers these days." Across India's major bookstores, Forsyth's works stand shoulder-to-shoulder with Agatha Christie, John le Carré, and Tom Clancy. Kitab Khana, a revered Mumbai bookstore, places Forsyth alongside such names, highlighting his ability to cross genre divides and capture audiences beyond pure crime fiction. He's remembered as a storyteller whose books didn't just thrill, they informed.

His legacy in India echoes in classrooms, libraries, and writing classes, where writers laud his precision and pacing. One local publisher's note: "Forsyth's books were briefing documents disguised as fiction," perfectly summing up why his style struck the Indian literary imagination.

THE WALL

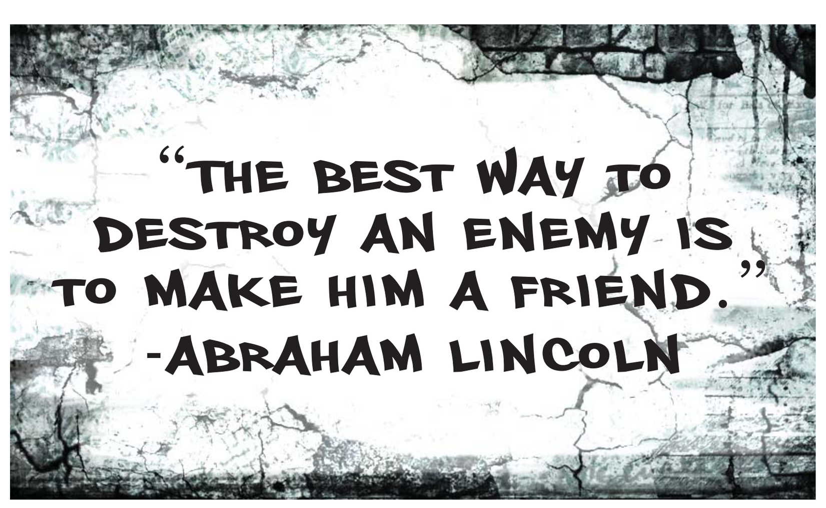

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

संक्षिप्त

कार की टक्कर से युवती की मौत

श्रीगंगानगर। जिले के रायसिंहनगर-गजसिंहपुर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-911 पर चक 71 आरबी के पास एक तेज रफ्तार बेकाबू कार ने सड़क किनारे पैदल चल रही युवतियों को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गईं, जिनमें से 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, ख्यालीवाला गांव से ग्रामीणों का एक जत्था रात करीब 1:30 बजे धार्मिक समागम में शामिल होने के लिए 12 पीएस स्थित शहीद बाबा दीप सिंह गुरुद्वारे जा रहा था। इसी जत्थे में 5 युवतियां भी शामिल थीं। बुधवार तड़के करीब 5:15 बजे जब जत्था चक 71 आरबी के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने 5 में से 4 युवतियों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवती के सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। दो युवतियों की हालत गंभीर होने के चलते उन्हें श्रीगंगानगर रेफर किया गया है, जबकि एक युवती को मामूली चोटें आई हैं और उसका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही गजसिंहपुर थाना प्रभारी सीर कौर और डीएसपी संजीव चौहान मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। कार ड्राइवर की पहचान की जा रही है, बताया जा रहा है कि वह 3 एफएफए से बुड्ढा जोहड़ डायलिसिस करवाने जा रहा था। इसी दौरान उसकी कार बेकाबू होकर हादसे का कारण बनी। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पंहुचे हेड कॉन्स्टेबल ईश्वर पुनीया ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में गगनदीप कौर (22) पुत्री कुलवंत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, वही राजप्रीत कौर पुत्री नक्षत्र सिंह व सुखवीर कौर पुत्री कर्मजीत सिंह, आकाशदीप कौर पुत्री कुलविंदर सिंह निवासी 6 इऊ ख्यालीवाला का श्रीगंगानगर में इलाज जारी है। पुलिस ने मृतक युवती के शव को रायसिंहनगर के सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो बदमाशों को नाकाबंदी में दबोचा

श्रीगंगानगर। जिले में मुकलावा थाना पुलिस ने अवैध नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 7 किलो 905 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त सहित बाइक के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों तस्कर काफी लंबे समय से तस्करी में संलिप्त बताए जा रहे हैं। मुकलावा थाना अधिकारी संपत धायल ने बताया कि गस्त के दौरान पुलिस टीम के साथ संयुक्त रूप से नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान एक बाइक आती हुई दिखाई दी जिस पर पुलिस को देखकर बाइक चालक ने वापस मोड़ कर बाइक को भगाने का प्रयास किया। जिस पर घेराबंदी कर बाइक को रोका तो बाइक सवार युवकों के कब्जे में एक प्लास्टिक बैग बरामद हुआ। जिस पर बैग को खोलकर देखा तो बैग के अंदर डोडा-पोस्त पाया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की तो आरोपियों ने अपना नाम आकाशदीप (20) पुत्र गुरमीत सिंह निवासी 45 एनपी रायसिंहनगर बताया और दूसरे आरोपी ने अपना नाम वीरेंद्र सिंह (52) पुत्र संधुरा सिंह निवासी अनूपगढ़ बताया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है।

डीडवाना : नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हेरोइन की तस्करी करने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार

डीडवाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान हेरोइन की तस्करी करने के तीन आरोपियों को पकडा।

- **कार्रवाई में तीन तस्कर आदिल, अरबाज व मोहम्मद इलियास गिरफ्तार**
- **आरोपितों से कुल 63.77 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद**
- **बाजार में लाखों रुपए है बरामद हेरोइन की कीमत आरोपितों की अल्टो कार को पुलिस ने किया जब्त**

डीडवाना। पुलिस द्वारा नशाखोरी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में डीडवाना पुलिस ने हेरोइन की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को पकडा है। साथ ही उनके कब्जे से लाखों रुपए की हेरोइन और एक कार भी जब्त की गई है।

डीडवाना जिले के मौलासर थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक अल्टो कार में हेरोइन की तस्करी करने वाले दो आरोपियों आदिल और अरबाज को गिरफ्तार किया था। साथ ही उनके कब्जे से 8.45 ग्राम हेरोइन भी बरामद की थी। इस मामले की जांच कर रहे डीडवाना थाना अधिकारी राजेंद्र सिंह कमांडो ने दोनों आरोपियों से जब कडाई से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि शेरानी आबाद निवासी मोहम्मद इलियास हेरोइन का अवैध कारोबार करता है।

इस पर राजेंद्र सिंह ने खूनखूना थानाधिकारी देवीलाल बिश्नोई को तुरंत इलियास के बारे में जानकारी दी, जिस पर खूनखूना पुलिस ने तुरन्त कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहम्मद इलियास को छोटी खाटू गांव से धर दबोचा। इस दौरान उसके कब्जे से 55.32 ठााम हेरोइन भी जप्त की गई । के मुताबिक बरामद की गई ड्रग्स की कीमत लाखों रुपए में है और पकडे गए तीनों आरोपी अवैध रूप से हेरोइन की तस्करी का काम करते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह तीनों आरोपी किसी गिरोह से जुडे थे। तीनों आरोपी किन लोगों से हेरोइन खरीदते थे और किन लोगों को बेचते थे पुलिस ने इससे पूर्व भी नशे के विरुद्ध बडी कार्रवाई को अंजाम दिया था। जिसमें करीब 10 लाख रुपए की नशीली दवाओं की बड़ी खेप बरामद कर दो तस्करों को पकडा था। यह नशीली दवाएं सरकार द्वारा प्रतिबंधित है और इन दवाओं को पंजाब ले जाया जा रहा था, जहां इन्हें ड्रग्स के विकल्प के रूप में युवाओं को बेचा जाना था।

'जल संरक्षण जन अभियान के कार्यों को गति दें'

बूंदी। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान, जल शक्ति अभियान एवं मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में जिला कलक्टर ने वीडियो कॉफेंस के माध्यम से उपखंड अधिकारियों एवं बीडीओ को निर्देश दिए कि वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत हो रहें सभी कार्यों को नियमित रूप से पोर्टल पर अपलोड करें। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं की जावें। साथ ही अभियान को सफल बनाने के लिए संबंधित विभागों को दिए गए कार्यों को पूर्ण करावें।

जन अभियान के तहत प्रगति कम अर्जित हुई है, वहां विशेष प्रयास कर प्रगति बढ़ाई जावें। बैठक में जिला कलक्टर ने जल शक्ति अभियान एवं मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, उपखंड अधिकारी बूंदी एचडी सिंह, जयपुर विद्युत वितरण निगम लि. के अधीक्षण अभियंता के.के. शुक्ला, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता सुनील कुमार शर्मा एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।

कोई भी पात्र खाद्य सुरक्षा से ना रहे वंचित : मंत्री सुमित गोदारा

बूंदी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना में पात्र वंचित को जोड़ने के लिए जिला सुतरीय अभियान चलाएं। इस अभियान में उपखंड अधिकारियों, विकास अधिकारियों के साथ ठााम स्तर पर ठााम विकास अधिकारियों और पटवारी की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं। श्री गोदारा ने यह निर्देश बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बूंदी जिले के खाद्य विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। खाद्य मंत्री ने बूंदी में गिव अप अभियान और नए लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में 35 हजार लोगों ने स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा से हटवाया है। विभाग द्वारा अपात्र लोगों को स्वेच्छा से एनएफएसए से अपना नाम हटवाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। परिणामस्वरूप अपात्र लाभार्थी स्वयं कार्यालय आकर और स्थानीय उचित मूल्य दुकानदार के माध्यम से खाद्य सुरक्षा का लाभ स्वेच्छा से छोडने के लिए आवेदन कर रहे हैं।

इसी क्रम में विभाग ने स्वेच्छा से नाम छोडने वाले अपात्र लाभार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की भी सुविधा उपलब्ध करवाई है। उन्होंने कहा कि जिले में 26 जनवरी 2025 को खाद्य सुरक्षा का ऑनलाइन पोर्टल दोबारा शुरू होने के बाद बूंदी जिले में 61500 लोगों को एनएफएसए से जोडा जा चुका है। पात्रों को खाद्य सुरक्षा से जोडने का प्रयास लगातार जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने गिव अप अभियान के तहत सभी जनप्रतिनिधियों की आव्हान किया की वे अपात्र लोगों को खाद्य सुरक्षा का लाभ छोडने के लिए प्रेरित करें।

दुष्कर्मी के 50 बीघा में निर्माण को जेसीबी से ढहाया

बीकानेर। यहां 5 लोगों के हत्यारे और दो बच्चियों के दुष्कर्मी ने श्रीडूंगरगढ़ के सुरजनसर गांव में 100 बीघा गोचर भूमि पर कब्जा कर रखा था, प्रशासन ने 50 बीघा में किए निर्माण पर जेसीबी चलाकर ढहा दिया। बाकी की 50 बीघा बंजर भूमि सहित पूरी गोचर जमीन मुक्त करवाकर ग्राम पंचायत को देखरेख के लिए सौंप दी है।

पुलिस ने 8 और 9 साल की दो मौसेरी बहनों से दुष्कर्म करने वाले ढोंगी पुजारी श्रीभगवान सोनी को गिरफ्तार किया था जो वर्ष, 93 में चूरू के बीदासर में पांच लोगों की हत्या और 20 साल की सजा काट चुका है।

मौके पर नापतौल में सामने आया कि ढोंगी पुजारी ने करीब 100 बीघा जमीन पर कब्जा कर रखा था। इसमें से 50 बीघा में निर्माण कर अपना आश्रम चला रहा था और बाकी की 50 बीघा बंजर जमीन खाली छोड़ रखी थी। तहसीलदार कुलदीप मीना, सीओ श्रीडूंगरगढ़ निकेत पारीक, गिरदावर रामनिवास पांड्या, पटवारी सीताराम नाई, सरपंच ओमप्रकाश सारस्वत और ग्रामीणों के मौजूदगी में जेसीबी चलाकर पक्का मकान, मंदिर का ढांचा, ढाबा, झोपड़ियां, तारबंदी, बाड़ को ढहा दिया। जमीन अतिक्रमण मुक्त कराकर ग्राम पंचायत को देखरेख के लिए सौंप दी है। मौके से दो सिलेंडर, फ्रिज, कूलर और एक हैंड मेड कुल्हाड़ी नुमा हथियार जब्त कर लिया गया है। गौरतलब है कि दो बच्चियों से दुष्कर्म के आरोपी ढोंगी पुजारी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। पुलिस जल्दी ही अनुसंधान पूरा कर चालान पेश करने की तैयारी में है।

ढोंगी पुजारी ने 100 बीघा गोचर भूमि पर कब्जा तो कर ही रखा था, पानी-बिजली भी फ्री ले रहा था। पास में ही जलदाय विभाग का ट्यूबवेल है जहां से ग्रामीणों को पानी सप्लाई किया जाता है।

कैलादेवी अभयारण्य में बाघिन ने दो शावकों को जन्म दिया

कैलादेवी वन्यजीव अभयारण्य में बाघिन टी-135 ने दो शावकों को जन्म दिया है ।

करौली (निसं.) । करौली जिले के कैलादेवी वन्यजीव अभयारण्य में बाघिन टी-135 ने दो शावकों को जन्म दिया है। सपोटरा वन क्षेत्र के नैनियाकी रेंज में वन विभाग के कैमरा ट्रैप में बाघिन को दोनों शावकों के साथ देखा गया है।

कैलादेवी टाइगर अभयारण्य के उपवन संरक्षक पीयूष शर्मा ने बताया कि बाघिन और शावकों की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। गश्ती दलों की संख्या भी बढ़ाई गई है। वन विभाग लगातार इनकी गतिविधियों पर नजर रख रहा है।

उन्होंने बताया कि इसी वर्ष गत फरवरी माह में उपखंड मंडरायल वन क्षेत्र में बाघिन टी-2303 ने भी दो शावकों को जन्म दिया था। कैलादेवी अभयारण्य रणथंभौर टाइगर रिजर्व का द्वितीय क्षेत्र है। यहां बाघों की नियमित आवाजाही होती रहती है। यह चैथा मौका है जब इस अभयारण्य में किसी बाघिन ने शावकों को जन्म दिया है।

इसके अलावा सवाईमाधौपुर रणथंभौर टाइगर रिजर्व से एक महत्वपूर्ण कदम के तहत बाघिन टी-84 एरोहेड के मेल शावक को कैलादेवी बाघ अभयारण्य में स्थानांतरित किया गया है। देर रात को की गई इस शिफ्टिंग में शावक को एक वशेष एंक्लोजर में रखा गया है।

उपवन संरक्षक पीयूष शर्मा ने बताया कि शावक टी-84 के तीन शावकों में से एक है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने पहले ही इन शावकों के स्थानांतरण की मंजूरी दे दी थी।

शेष दो शावकों को भी जल्द ही अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाएगा। कैलादेवी वन जीव अभ्यारण क्षेत्र में शावक की सुरक्षा के लिए एक अस्थायी चैकी बनाई गई है।

45 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं उतर रहा तापमान

बीकानेर। यहां नौतपा भले ही ज्यादा गर्मी वाला नहीं रहा, लेकिन अब गर्मी ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। पिछले दो दिन से तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं उतर रहा है। ऐसे में दोपहर में लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे। बाजारों में अब दिन के बजाय शाम को ज्यादा भीड़ रहने लगी है। आने वाले कुछ दिन तक गर्मी का ये ही आलम रहने वाला है। मौसम विभाग ने 19 जून तक के लिए अलर्ट जारी किया हुआ है। बीकानेर में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम पारा 31.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहले सोमवार को भी पारा करीब 46 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। मौसम विभाग ने पिछले सप्ताह जारी अपने पूर्वानुमान में 12 जून तक बीकानेर में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बताया था। ऐसा ही हुआ। अब मौसम विभाग 19 जून तक तापमान 45 डिग्री से अधिक ही रहने की आशंका है।

बीकानेर नगर निगम ने आम लोगों को गर्मी से राहत देने के कुछ उपाय किए है। पिछले दो दिन से बीकानेर में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों से सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

सार-समाचार

खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई का मामला एक बार फिर सुर्खियों में

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के पश्चिमी जिलों में राज्य वृक्ष खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई एक बार फिर सुर्खियों में है। जोधपुर जिले के मथानिया क्षेत्र के जुड़ खारी गांव में 300 बीघा भूमि पर प्रस्तावित सोलर प्लांट के लिए हजारों खेजड़ी और रोहिड़ा वृक्षों की बेरहमी से कटाई की जा रही है। इस बीच, एक वायरल ऑडियो ने पूरे मामले को और तूल दे दिया है, जिसमें ओसियां विधायक भेराराम चौधरी का नाम सामने आया है। इस संबंध में विधायक सियोल ने कहा है कि कुछ विरोधी भ्रम फैला रहे हैं। उनका यहां कोई सोलर प्लांट नहीं है। ऑडियो में खेजड़ी कटाई को लेकर भवाद पटवारी और पर्यावरण प्रेमी रामनिवास विश्नोई के बीच बातचीत सामने आई है। इसमें पटवारी कहते हैं कि इसमें ओसियां के विधायक का इन्वॉल्वमेंट है," जिस पर रामनिवास ने दो टूक जवाब दिया - एमएलए हो या कोई और, हम पेड़ों से लिपटकर जान दे देंगे। 500 साल पुराना इतिहास दोहराएंगे।' इस ऑडियो के वायरल होने के बाद ओसियां विधायक भेराराम चौधरी का नाम पूरे क्षेत्र में चर्चा में है। रामनिवास ने जोधपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि मौके पर पटवारी और तहसीलदार भेजकर वृक्षों की मार्किंग कराई जाए और कंपनी को तुरंत कटाई से रोका जाए। ओसियां विधायक भैराराम सियोल का कहना है कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत सौर ऊर्जा संयंत्रों के प्लांट केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से कंपनियां और किसान स्वयं लगा रहे हैं। कंपोनेंट सी के तहत सरकारी टेंडर प्रक्रिया के द्वारा किसान अपने खेतों में भी सौर ऊर्जा प्लांट लगा रहे हैं। स्व-रोजगार और स्वावलंबन के अवसर मिल रहे हैं और किसानों की आमदनी में भी बढ़ोतरी हो रही है। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं, जिसके तहत ओसियां विधानसभा क्षेत्र में भी कंपनी और किसानों के द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इस दौरान स्थानीय जनों की ओर से कुछ जगहों पर शिकायत मिली है कि खेजड़ी के वृक्ष काटे जा रहे हैं। जिस पर स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया है। उन्हें मौके पर जाकर रिपोर्ट बनाकर तुरंत पाबंद करने की आवश्यक कार्रवाई के लिए हिदायत दी गई है, लेकिन कुछ विपक्षी जानबूझ कर इस मामले से जोड़ना चाहते हैं, लेकिन मेरे द्वारा क्षेत्र में अभी इस वक्त कहीं सोलर प्लांट नहीं लगाया जा रहा है। क्षेत्र में कई जगहों पर प्लांट लग रहे हैं, इसका मतलब यह थोड़ा ही है कि सब जगह मैं ही लगा रहा हूं, कुछ लोग गलत भ्रम व अफवाह फैला रहे हैं। खेजड़ी हमारा राज्य वृक्ष है, सभी को राज्य वृक्ष संरक्षण का दायित्व है, लेकिन कुछ विपक्षी लोगों के राजनैतिक मसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। किसी के बदनाम करने से कुछ नहीं होना है ओसियां की जनता सब वाकिफ हैं। सांच को कभी आंच नहीं आएगी। जो भी हकीकत होगी, सबके सामने आएगी।

औद्योगिक विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बूंदी जिले की तालेड़ा तहसील के कछालिया ग्राम में स्टोन पार्क की स्थापना के लिए 47.07 हैक्टेयर भूमि राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोग निगम लिमिटेड (रीको) को आवंटित करने की स्वीकृति प्रदान की है। बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के क्रम में राज्य सरकार का यह निर्णय प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेगा। स्टोन पार्क की स्थापना से क्षेत्र में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा खनिज आधारित उद्योगों को एक संगठित मंच उपलब्ध होगा। राज्य सरकार द्वारा यह आवंटन राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 92 के अंतर्गत भूमि सेट-अपार्ट कर तथा राजस्थान भू-राजस्व (औद्योगिक क्षेत्र आवंटन) नियम 1959 के नियम 11ए के तहत किया गया है। स्टोन पार्क क्षेत्र में केवल गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी तथा ये इकाइयां आबादी से कम से कम 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थापित होंगी। वन विभाग को भूमि आवंटन की स्वीकृति मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में ईआरसीपी परियोजना (राम जल सेतु लिंक परियोजना) के अन्तर्गत वन भूमि के प्रत्यावर्तन के तहत बारां जिले की छबड़ा तहसील में 34.41 हैक्टेयर भूमि वन विभाग को आंवटित करने की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन रामगढ़ एवं महलपुर बैराज तथा नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा लिंक परियोजना के अन्तर्गत बैराज निर्माण के कार्य से प्रभावित वन भूमि की क्षितपूर्ति के क्रम में वन विभाग को भूमि आंवटन के इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

विधायक सहित कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठे

सूरतगढ़ । उपखंड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में बिजली पानी और सफाई व्यवस्था की बदहाली को लेकर कांग्रेस ने अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार उपखंड कार्यालय पर धरना दिया। विधायक डूंगरराम गेदर के नेतृत्व में लगाए गए इस धरने में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। धरना स्थल पर विधायक गेदर ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में बिजली पानी और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग को लेकर उन्होंने 5 जून को एडीएम दीनानाथ बब्बल को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के बारे में अवगत करवाया था। साथ ही चेतावनी दी थी कि 7 दिन में तीनों महकमों के अधिकारी उन्हें धरातल पर क्या काम किया है इसके बारे में अवगत करवा दें, अन्यथा वे धरना लगाएंगे। मगर इस अवधि में भी प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया, लिहाजा धरना लगाना पड़ा। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि जलदाय विभाग की लापरवाही से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 15-15 दिन तक पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है। 70 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में रॉ वाटर की सप्लाई से पेट की बीमारियां बढ़ रही है। लोगों को पेयजल के लिए ओवरहेड टैंक पर चढ़ना पड़ रहा है। ऐसी ही बदहाल व्यवस्था बिजली की है, जहां शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बार-बार ट्रिपिंग और दिन-रात कट लग रहे हैं। कम क्षमता के ट्रांसफार्मर के कारण आगजनी की घटनाएं बढ़ रही है। विद्युत विभाग का कंट्रोल रूम शिकायतों पर ध्यान नहीं देता। भीषण गर्मी में लोगों को बिजली की समस्या से जूझना पड़ रहा है। विधायक ने ऐलान करते हुए कहा कि उनकी तीन प्रमुख मांगों पर जब तक प्रशासन ध्यान नहीं देगा और उन्हें धरनास्थल पर आकर अवगत नहीं करवाएगा वे यहीं डटे रहेंगे।

तम्बाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ सख्ती, 51 चालान काटे

टीम ने 2 हजार 60 रुपये की जुर्माना राशि वसूली

तम्बाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ सख्ती कर चिकित्सा विभाग ने चालान काटे।

भीलवाड़ा। विश्व तंबाकू निषेध पखवाडा (31 मई से 14 जून 2025) के तहत जिलेभर में नशा मुक्ति और जनजागरूकता गतिविधियों का सिलसिला जारी है। आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाले घातक दुष्परिणामों से आगाह कर नशा मुक्त जीवन की प्रेरणा देने हेतु विकित्सा विभाग द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में मंगलवार को जिला स्तर पर बडी कार्यवाही करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव व गठित टीम द्वारा कोटपा एक्ट 2003 की धारा 4 व 6 (ए) के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान माण्डल चौराहे पर सागर पान, रामकृष्ण मिष्ठान, श्री कृष्ण किराना, जय अम्बे, न्यू जोधपुर मिष्ठान भण्डार, हिन्ज कोल्ड ड्रिंक, गंगापुर चौराहा, माया पान, लैंडमार्क के सामने तथा भोले शकर टी, माण्डल चौराहे से कुल 51 चालान काटे गए और 2 हजार 60 रुपये की जुर्माना राशि वसूली की गयी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी.पी. गोस्वामी ने बताया कि पखवाडे के दौरान जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों, शैक्षिणक सस्थानों, सार्वजनिक स्थलों और बाजार क्षेत्रों में तंबाकू निषेध के संदेश प्रसारित किए जा रहे है। स्वास्थ्य टीमो द्वारा लगातार लोगो को जागरूक किया जा रहा है कि तंबाकू और इससे जुडे उत्पादों का सेवन किस प्रकार जानलेवा बीमारियों को न्योता देता है।

डिप्टी सीएमएचओ डॉ प्रवीण झरवाल ने बताया कि यह अभियान केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं है. बल्कि समाज में जनभागीदारी के माध्यम से युवाओं को नशा मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोटपा एक्ट के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों पर भी सख्ती से चालान की कार्रवाई की जा रही है. ताकि आमजन को एक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा सके।

ड्रग्स तस्करी में पंजाब के दो और आरोपी पकड़े

अनूपगढ़ । पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर पंजाब के सोनू सिंह और बलजीत सिंह को हिरासत में लिया है।

यह मामला 9 अगस्त 2024 का है। उस दिन बीएसएफ और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में 29 और 30 एपीडी की रोही में 3 किलो हेरोइन और एक ड्रोन बरामद किया था। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ के अनुसार, बरामदगी के समय कोई आरोपी नहीं पकड़ा गया था। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान के जरिए आरोपियों की पहचान की। सोनू सिंह उर्फ गौरा फिरोजपुर का रहने वाला है। वह रायसिंहनगर जेल में बंद था। बलजीत सिंह उर्फ मनी लुधियाना का रहने वाला है और करणपुर जेल में था। इससे पहले पुलिस फिरोजपुर के मंगलजीत सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस दोनों नए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच में और भी कई तथ्य सामने आ सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री बैरवा ने केंद्र सरकार के 11 साल के कामकाज गिनाए

जोधपुर, (कासं) । भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को जोधपुर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन परिसर में जिला स्तरीय प्रोफेशनल समिट (संकल्प से सिद्धि) समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा शामिल हुए।

डॉ.बैरवा ने केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल के कामकाज और पार्टी की रीति-नीति से अवगत कराया। उन्होंने कहा- केंद्र की मोदी सरकार ने पाकिस्तान को दिखा दिया है कि यह नया भारत शांति की बातें नहीं बल्कि घर में घुसकर आतंक का सफाया करता है। पीएम मोदी ने विश्व को स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, खून और पानी साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। मोदी के नेतृत्व में रक्षा निर्यात 34 गुना बढ्ढा है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने संकट के समय विदेश से भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाला है।

उन्होंने कहा- 2014 में मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली थी तब देश जातिवाद, भ्रष्टाचार, भाईभतीजावाद और नीतिगत लकवे से ठासित था। हर तरफ असंतोष और अनिश्चितता थी लेकिन मोदी के नेतृत्व में देश ने नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया युग देखा । सबका साथ, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के के साथ उन्होंने देश को न केवल संभाला बल्कि उसे आगे ले जाने की दिशा दी है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में 81 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन मिला। जन-धन योजना में 55 करोड़ खाते खोले गए। पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घर स्वीकृत किए। इसमें लाखों गरीबों को अपना घर मिला है। यह केवल आंकडे नहीं बल्कि इसका प्रमाण है कि मोदी सरकार ने अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाई है। वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उम्मेद सागर बांध पर अतिक्रमण पर बात करते हुए कहा कि पिछली सरकार के समय राजनीतिक संरक्षण में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हुए। अब सारे अतिक्रमणों को हटाकर उम्मेद सागर मूल स्वरूप में लौटे, यह हमारा संकल्प है। इस पर पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं और आगे भी करेंगे।

संक्षिप्त

केवलादेव से 22 चीतल मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व भेजे

भरतपुर (निस)। राजस्थान के टाइगर रिजर्व में बाघों के लिए प्रचुर प्राकृतिक शिकार उपलब्ध कराने की मंशा से केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (घना) से चीतलों की स्थानांतरण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस कड़ी में बुधवार को 22 चीतल मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व भेजे गए यह कार्य अफ्रीकी बोमा तकनीक की मदद से पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित ढ ंग से किया गया। घना निदेशक मानस सिंह ने बताया कि मंगलवार रात बोमा तकनीक के जरिए 22 चीतल पकड़े गए थे. इन्हें बुधवार सुबह मुकुंदरा भेजा गया. आने वाले दिनों में दो बड़े टाइगर रिजर्व मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी में 250-250 चीतल और भेजे जाएंगे। अब तक केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान से 543 चीतल स्थानांतरित किए जा चुके हैं। इनमें 400 मुकुंदरा और 143 चीतल रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में छोड़े गए। घना निदेशक मानस सिंह ने बताया कि टाइगर रिजर्व में बाघों की बढ़ ती संख्या के साथ उनके लिए पर्याप्त प्राकृतिक शिकार (प्रे बेस) की आवश्यकता महसूस की जा रही है। चीतल, बाघों का प्रमुख शिकार होते हैं। चीतलों की मौजूदगी से बाघों का शिकार व्यवहार स्वाभाविक बना रहेगा। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की संभावना कम होगी। इसके अलावा यह जैव विविधता को संतुलित रखने और पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने में भी सहायक होगा। निदेशक मानस सिंह ने बताया कि चीतल अत्यंत सतर्क व संवेदनशील वन्यजीव हैं। इन्हें पारंपरिक तरीकों से पकड़ना मुश्किल होता है, इसलिए अफ्रीकी देशों में इस्तेमाल बोमा तकनीक को अपनाया गया। इसमें जंगल में झाड़ियों व पेड़ों के बीच लकड़ी, जाल व प्राकृतिक अवरोध से बाड़े बनाए जाते हैं. चीतलों के लिए इन बाड़ों में चारा डाला जाता है. अंतिम घेरे में लगे दरवाजे से पिंजरे वाले ट्रक में चीतल स्वाभाविक रूप से पहुंच जाते हैं।

आरक्षण के लिए हुई जाट महापंचायत

भरतपुर (निस)। भरतपुर डीग और धौलपुर जिले के जाट समाज को केंद्र की ओबीसी में आरक्षण की मांगों को लेकर डीग जिले की कुम्हेर तहसील में स्थित पेंगोर की चामड़ माता मंदिर पर बुधवार को महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में भरतपुर डीग और धौलपुर जिले के जाट समाज के प्रमुख लोग शामिल हुए। महापंचायत में कमेटी ने निर्णय लिया है कि 29 जून को आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे स्थित डहरा मोड़ गांव में हुंकार रैली का आयोजन किया जाएगा. उससे पहले जाट समाज के गांव में नुक्कड़ सभा एवं एक मटकी में एक गेंहू का दाना और एक रुपया प्रत्येक घर से एकत्रित किया जाएगा। हुंकार रैली से पहले आरक्षण संघर्ष समिति द्वारा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जाट समाज के गांव गांव में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया जायेगा और साथ ही एक मटकी में प्रत्येक घर से एक गेहूं का दाना और एक रुपया लिया जाएगा। पहली नुक्कड़ सभा 12 जून से रूपवास में आयोजित की जाएगी.25 से 29 जून के बीच डहरा मोड के आस पास के गांव में संपर्क किया जाएगा। जाट समाज द्वारा आयोजित महापंचायत समाप्त होने के बाद आरक्षण संघर्ष समिति द्वारा डीग एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम चार मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जाट आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने बताया कि जाट समाज द्वारा चार मांगो को लेकर महापंचायत हो रही है। पहली मांग भरतपुर ,डीग और धौलपुर के हाट समाज के युवाओं को केंद्र की सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग में आरक्षण ,दूसरी मांग 2015 से 2017 तक विभिन्न विभागों में चयनित अभ्यर्थियों को हाईकोर्ट के आदेशों के बाद नियुक्ति,तीसरी मांग महाराजा सूरजमल कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए साथ ही पूर्व आरक्षण आंदोलन के दौरान लगे मुकदमों को वापस लिया जाए। 29 जून 2025 को आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे स्थित नदबई उपखंड के गांव डहरा मोड पर हुंकार रैली का आयोजन किया जायेगा।

सूने मकान में 15 लाख की चोरी

शातिर चोर को दबोचा, कई शहरों में वारदात को अंजाम दिया

सिविल लाइंस थाना पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

अजमेर (कासं)। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने खादिम टूरिस्ट बंगला के पीछे मर्शी विला में 31 मई से 1 जून के बीच हुई करीब 15 लाख के सोने-चांदी के जेवर चोरी के मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में एक शातिर चोर को दबोच लिया है।

- आरोपी से चोरी का माल भी बरामद कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि शातिर आरोपी ने अलग-अलग शहरों में कई चोरी की वारदात को अंजाम दिया है

आरोपी से चोरी का माल भी बरामद कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि शातिर आरोपी ने अलग-अलग शहरों में कई चोरी की वारदात को अंजाम दिया है । पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सिविल लाइन थाना प्रभारी शंभू सिंह शेखावत मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 77 वर्षीय आशा जॉनसन ने 3 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि 27 मई को वे अपनी बेटी के पास दिल्ली गई थीं। 1 जून को पड़ोस में रहने वाली एक रिश्तेदार महिला ने सूचना दी कि उनके घर में चोरी हो गई है। चोर सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन, दो कारों की आरसी सहित अन्य कीमती सामान ले गया था।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद वारदात के तरीके के आधार पर पुराने अपराधियों की लिस्ट तैयार कर पूछताछ की। साथ ही अजमेर शहर में लगे 3 सौ से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इस दौरान 1 जून की रात 2 बजे अजमेर क्लब चौराहे के पास एक संदिग्ध व्यक्ति कैमरे में कैद हुआ।

पुलिस ने जांच करते हुए आरोपी की पहचान बबलू उर्फ बबली उर्फ राजेंद्र के रूप में की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विभिन्न शहरों में पहचान बदलकर किराये के मकानों में रहकर पहले रेकी करता, फिर वारदात को अंजाम देकर शहर छोड़ देता था।

फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और अन्य वारदातों में भी उसकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

खाटूश्याम से किडनैप 3 साल का रक्षम मथुरा में मिला

सीकर (निसं)। जिले के खाटूश्यामजी में दर्शन के लिए आए परिवार के अगवा हुए बालक को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने 5 दिन में करीब 700 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद खाटूश्यामजी पुलिस थाना, नीमकाथाना पुलिस व सीकर डीएसटी की संयुक्त टीम ने यूपी से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया 700 सीसीटीवी फुटेज खंगाले ।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव ने बताया कि 7 जून को मध्य प्रदेश के भोपाल जिले की रहने वाली ललित जाटव पत्नी अजय जाटव ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 3 साल के बेटे रक्षम का अपहरण हो गया है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और सीकर जिले सहित उत्तर प्रदेश के कई स्थानों के करीब 700 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज चेक किए।जांच में पता चला कि आरोपी मासूम बालक को उत्तर प्रदेश के वृंदावन के आसपास के इलाके में लेकर आया है।

2 महीने में प्रारंभ हो जाएगा एलिवेटेड रोड का कार्य : शेखावत

- केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने एलिवेटेड रोड को लेकर जानकारी दी
- भाजपा कार्यकर्ताओं ने केन्द्रीय मंत्री शेखावत का स्वागत अभिनंदन किया

जोधपुर, (कासं) । स्थानीय सांसद और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने स्पष्ट रूप से कहा कि जोधपुर एलिवेटेड रोड का कार्य अगले दो महीने में प्रारंभ हो जाएगा। वो बुधवार को एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

एलिवेटेड रोड से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जोधपुर में जिस तरह से ट्रैफिक का दबाव है। पिछले लंबे समय से हम इसके लिए प्रयास कर रहे थे। कई तरह के तकनीकी अध्ययनों के बाद कुछ छोटी-मोटी दिक्कतों को पार किया गया। मैं धन्यवाद करना चाहता हूं, देश के प्रधानमंत्री और नितिन गडकरी का, उन्होंने जिस तरह का वादा हमने किया था, उसके अनुरूप जोधपुर को यह सौगात दी है।

शेखावत ने कहा कि मुझे लगता है कि सभी तरह की तैयारी हो चुकी है। टेंडर डॉक्यूमेंट पब्लिश हो गया है। टेंडर भी हो जाएगा और अगले दो महीने के अंदर काम प्रारंभ हो जाएगा। नई तकनीकी के साथ में इस रोड को बनाने का निर्णय नितिन गडकरी ने किया है, जिसमें दो पिलर्स के बीच में स्पैन सामान्यत जितना होता है, उससे दोगुना होगा। उसमें पिलर्स की संख्या कम होगी। उन्होंने कहा कि मैं ये मानता हूं कि एलिवेटेड रोड के पूरे होने के बाद में जोधपुर की ट्रैफिक की समस्या से एक लंबे समय के लिए हमें निजात मिलेगी। निश्चित रूप से ये 7.6 किमी एलिवेटेड रोड जोधपुर की लाइफ लाइन बनेगी। केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने को लेकर पूछे सवाल पर शेखावत ने कहा कि जिस आजादी को हमने लाखों कुर्बानियों के बाद में अर्जित किया था। जिस तरह की सरकारें अधिकांश समय दिल्ली में रहीं। सत्ता में रहीं। उनके चलते हुए, जिस तरह की परिस्थितियां वर्ष 2014 से पहले बन गई थीं। भ्रष्टाचार के कारण, आतंकवाद के प्रहारों के कारण, बढ़ते हुए नक्सलवाद के कारण, पॉलिसी पैरालिसिस के कारण, भाई-भतीजावाद के कारण, सामान्य मानवी का इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास डगमगाने लगा था। 11 साल के इस कालखंड में बड़े, कड़े, ऐतिहासिक और देशहित में फैसले लेकर मोदी सरकार वो विश्वास देश के आमजन में वापस सजित करने में कामयाब हुई है।

शेखावत ने कहा कि आज भारत की तरफ देखने की न केवल विश्व की दृष्टि बदली है, अपितु भारत का सामर्थ्य ऑपरेशन सिंदूर के बाद में पूरे विश्व के सामने एक नए सिरे से गढ़ा गया है। मैं यह मानता हूं कि आज देश के 140 करोड़ लोगों की ताकत से नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विकसित हो सकता है, इस संकल्प को सिद्ध करने के लिए देश आगे बढ़ रहा है।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत आज दोपहर दिल्ली से जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट से सीधे जोधपुर शहर भारतीय जनता पार्टी की मेज़बानी में जोधपुर इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन सभागार में आयोजित संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की 11 वर्ष में किए विकास कार्यों ओर उपलब्धियों पर संवाद किया। जोधपुर में मल्टीलेवल एलिवेटेड कोरिडोर की सौगात मिलने से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री शेखावत का विशाल माला पहना कर स्वागत अभिनंदन किया।

बाद में राजस्थान सरकार के उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा के साथ पत्रकार वार्ता में नरेन्द्र मोदी सरकार के ग्यारह साल की उपलब्धियों पर चर्चा की। पत्रकार वार्ता में शहर विधायक अतुल भंसाली, जोधपुर शहर जिला अध्यक्ष राजेन्द्र पालीवाल, देहात दक्षिण अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी सहित अनेक पदाधिकारी जनप्रतिनिधि भाजपा कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जैसलमेर में गाड़ी व कार टक्कर में दूल्हे सहित 3 लोगों की मौत

जैसलमेर में गाड़ी व कार टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गये।

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के बासनपीर गांव के पास मंगलवार रात गाड़ी ने कार को टक्कर मारी इस भीषण सड़क हादसे में दूल्हे सहित 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं 4 गंभीर घायलो में दुल्हन शामिल है सूचना पर पुलिस द्वारा सभी को 108 की मदद से जवाहिर अस्पताल लाया गया, जहां से गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर किया गया।

हादसे की जानकारी मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की जांच के साथ टक्कर मारकर फरार होने वाली गाड़ी की तलाश शुरू की।

शादी करके दूल्हा-दुल्हन सहित सभी लोग कार में लौट रहे थे, उस दौरान अज्ञात गाड़ी की टक्कर से हादसा हुआ।

सदर थाना पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल जसवंतसिंह ने बताया कि पोकरण से कार से लौट रहे लोगों को मंगलवार रात करीब 12 बजे के बाद बासनपीर गांव के पास अज्ञात गाड़ी ने भीषण टक्कर मारी और फरार हो गया। मृतकों में दूल्हा लीलाराम (45) पुत्र गुमानाराम ओड, दूल्हे की बहन मूली देवी (35) पत्नी बाबूराम ओड, हितेश (9 महीना) पुत्र अशोक कुमार ओड निवासी पोकरण शामिल है। वहीं हादसे में अशोक, हेमलता पत्नी अशोक, दुल्हन बसंती (40) व पुखराज गंभीर घायल हो गए। चारों घायलों को जोधपुर रेफर किया गया है। मृतक लीलाराम व मूली देवी भाई-बहन है, वहीं मृतक 9 महीने का हितेश गंभीर घायल अशोक-हेमलता का बेटा है। अशोक व हेमलता दुल्हन बसंती के भाई-भाभी है और मृतक हितेश दुल्हन का भतीजा था। वहीं घायल पुखराज भी दुल्हन बसंती का रिश्तेदार बताया जा रहा है, जिसकी कार में सभी जैसलमेर आ रहे थे। जानकारी के अनुसार मृतक लीलाराम और घायल बसंती की मंगलवार को पोकरण में शादी हुई थी। दोनों की ये दूसरी शादी थी। रात को दुल्हन बसंती के रिश्तेदार पुखराज की कार में 7 लोग जैसलमेर के लिए रवाना हुए।

तुफान गाड़ी व जीप की टक्कर में 4 की मौत, तेरह घायल

आहोर, (निसं)। आहोर थाना क्षेत्र में राष्टीय राजमार्ग 325 पर चरली गांव के पास मंगलवार की देर रात तुफान कार व जीप में हुई आमने-सामने भीषण टक्कर में चार लोगों की अकाल मौत हो गई। सूचना पर आहोर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को आहोर के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। थानाधिकारी करणसिंह ने बताया कि सड़क पर अचानक आए एक सांड को बचाने के चक्कर में दोनों वाहन सांड सहित आपस में टकरा गए जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक महिला ने उपचार के दौरान दम तौड दिया। जानकारी के मुताबिक सिरोही जिले के कोलीवाडा से कुछ लोग तुफान गाडी में सवार होकर रामदेवरा दर्शन के लिए जा रहे थे। चरली के पास एक सांड को बचाने के चक्कर में सामने से आ रही जीप से जबरदस्त भिडंत हो गई। हादसे में जीप में सवार आहोर के मोरू निवासी पूर्ण सिंह व भूती निवासी फोटोग्राफर जगदीश वैष्णव एवं तुफान में सवार सिरोही के कोलीवाडा निवासी रखमादेवी मेघवाल की मौके पर ही मौत हो गई।

श्रीमाधोपुर में दो दोस्तों का एक साथ अंतिम संस्कार

दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे पर शादी समारोह से लौट रहे थे

भटकाबास गांव के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दुल्हन सहित 5 लोगों की मौत हो गई ।

श्रीमाधोपुर। दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे पर बुधवार सुबह करीब 6:10 बजे जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के भटकाबास गांव के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दुल्हन सहित 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि दूल्हे समेत 8 बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में जान गंवाने वालों में श्रीमाधोपुर के हांसपुर निवासी सुभाष मीणा (28) और जीतेंद्र उर्फ जीतू कुमावत (33) शामिल हैं। मृतक सुभाष के बडे भाई शंकरलाल (35) और नरेश (33) भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना उस समय हुई जब शहडोल (मध्यप्रदेश) से लौट रही एक जीप में बारात के लोग सवार थे। यह जीप झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी के गुढ़ा गोडजी जा रही थी, जहां दूल्हा विक्रम मीणा (25) की शादी थी। हादसे के बाद सभी घायलों को निम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद दोपहर को सुभाष और जीतू के शव हांसपुर लाए गए, जहां गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। एक ही मोहल्ले से एक साथ निकलीं दो अर्थियों को देख गांव में सन्नाटा छा गया और बाजार पूरी तरह बंद हो गए।

- जयपुर के पास में जीप-ट्रक की टक्कर में 5 लोगों की मौत

साले की शादी में शामिल होने गए थे तीनों भाई : मृतक सुभाष मीणा अपने दो बडे भाई शंकरलाल और नरेश के साथ अपने साले विक्रम मीणा की शादी में शामिल होने शहडोल गया था। सुभाष का ससुराल भी गुढ़ा गोडजी में ही है। सुभाष के साथ उसका पडोसी और करीबी दोस्त जीतू कुमावत भी शादी में गया था। शादी के बाद लौटते समय यह हादसा हो गया।

मजदूरी कर जीवन चलाते थे दोनों मित्र : सुभाष और जीतू दोनों ही मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार की शीशराम ने बताया कि सुभाष जयपुर की एक कैंटीन में कार्य करता था, जबकि जीतू मकान निर्माण में मिस्त्री का काम करता था। जीतू तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके माता-पिता और एक छोटा भाई पहले ही स्वर्गवासी हो चुके हैं। पीछे 14 वर्षीय साहिल और 13 वर्षीय समीर नाम के दो बेटे छोड गया है।वहीं सुभाष के भी दो बेटे हैं- 14 वर्षीय विराट और 12 वर्षीय सूरज है।

हादसे में दो चचेरे भाई की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित जाजीवाल कला गांव में हनुमान मंदिर के सामने बाइक सवार दो चचेरे भाईयों को कार चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों भाईयों की मौत हो गई।

College of Veterinary and Animal Science
Navania, Vallabhnagar-313601, Udaipur (Rajasthan)
(Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences)

WALK-IN-INTERVIEW

Eligible candidates are invited for Walk-in Interview for contractual engagement as Teaching Associates purely on temporary basis for a limited period at CVAS, Navania, Vallabhnagar, Udaipur. For interview schedule and other details, please visit University website **www.rajuvas.org.**

DEAN
CVAS, Navania, Udaipur
Raj.Samwad/C/25/4024

कार्यालय नगर पालिका निवाई, टोंक

क्रमांक :— न.पा.नि / 2025—26 / 3208 दिनांक : 09.06.2025

-: बिड सुचना :-

नगर पालिका निवाई क्षेत्र में नगर पालिका निवाई द्वारा 1 कार्य की बिड दिनांक 09.06.2025 समय 17.00 से दिनांक 19.06.2025 समय 18.00 तक आमंत्रित की जाती है। जिसमे इच्छुक संवेदक द्वारा वर्णित जेम – बिड में भाग ले सकते हैं । उपरोक्त जेम बोली की जानकारी एवं शर्तें विभागीय वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in पर तथा www.gem.gov.in एवं कार्यालय समय में प्राप्त / देखी की जा सकती है।

NIB- DLB2526A2246
UBN- DLB2526GSGB07281

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका निवाई
राज.संवाद / सी / 25 / 4068

कार्यालय नगर पालिका राजगढ (चूरू)

क्रमांक :– 1489–1491 दिनांक :–04.06.2025

Notice Inviting Bid

Bids for NGO/FIRM/CON. are invited from interested bidders upto 05:00 PM (time) 07.06.2025 (date). Other particulars of the bid may be procurement portal (upto visited on http://sppp.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement in Rs 12.94 LAC

NIB Code	UBN Code
DLB2526A2205	DLB2526GSOB07172
	DLB2526GSOB07173
	DLB2526GSOB07174
	DLB2526GSOB07175

राज.संवाद / सी / 25 / 4003 Executive Officer

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण, कोटा, राजस्थान

क्रमांक : ननिको / दक्षिण / जनस्वास्थ्य स्टोर / 2025 / 841–855 दिनांक : 10.06.2025

ई–निविदा सूचना 2025–26

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी / अन्य सरकारी / अर्द्ध सरकारी विभागों के "A" व "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर / दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों एवं इच्छुक अनुभवी आवेदको / संवेदको से ई–निविदा पद्धति द्वारा नगर निगम कोटा दक्षिण के जनस्वास्थ्य अनुभाग में सफाई कार्य हेतु आवश्यक विभिन्न सामग्री आपूर्ति का कार्य हेतु कुल राशि 25.00 लाख रूपये की ऑनलाईन निविदा दिनांक 16.06.2025 से दिनांक 26.06.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। संवेदक निविदा प्रपत्र नगर निगम कोटा की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेंगे।

NIB Code No.DLB2526A2282 UBN No.DLB2526GLOB07376

उपायुक्त
नगर निगम कोटा दक्षिण
राज.संवाद / सी / 25 / 4051

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु / स्टोर शाखा / 2025 / 2146 दिनांक :– 06.06.2025

-: ई–निविदा सूचना–2025–26 :-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा दिनांक 25.06.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526GLOB07382), (DLB2526GLOB07384), (DLB2526GLOB07386) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद / सी / 25 / 4037

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर
महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 864 - 881 दिनांक :- 06/06/2025

ई-निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण टर्मिनल मार्केट मुहाना में इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित किये जाने हेतु विभिन्न शेष उपकरण एवं प्रयोगशाला सामग्री क्रय की जानी है तथा स्थापित इन्क्यूबेशन सेन्टर को 5 वर्ष के लिये संचालन हेतु इच्छुक संस्था / व्यक्ति को Operation and Management (O&M) आधार पर दिया जाना है। उक्त कार्यों हेतु कार्यालय द्वारा ऑनलाईन निविदा संख्या 02 / 2025–26, एव 03 / 2025–26 आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व शर्तें sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in, https://agriculture.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है व eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 09.06.2025 से दिनांक 01.07.2025 सांय 6:00 बजे तक निविदा दरे प्रस्तुत कर भाग लिया जा सकता है।

UBN No.- DAM2526GLOB00226, DAM2526SSOB00271

राज.संवाद/सी/25/4027 सचिव

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANGROL

File No. 235 **Notice Inviting Bid** Date: 23.05.2025

Bid for "BA-17.00/214.01/2025-26 Per Constituency Rs. 10.00/15.00 Cr. Non Patchable/Missing Link Road Work" NIT No. 04/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 20.06.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 733.20 lacs.

क्र.सं.	UBN No.	क्र.सं.	UBN No.
1	PWD2526WSOB02398	2	PWD2526WSOB02399
3	PWD2526WSOB02400	4	PWD2526WSOB02401
5	PWD2526WSOB02402	6	PWD2526WSOB02406
7	PWD2526WSOB02410	8	PWD2526WSOB02411
9	PWD2526WSOB02412	10	PWD2526WSOB02414
11	PWD2526WSOB02416	12	PWD2526WSOB02419

(Kamal Ram Meena)
Executive Engineer
PWD Division Mangrol
DIPR/C/7005/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि., खण्ड-बूंदी

क्रमांक :- 346 दिनांक : 24.05.2025

निविदा सूचना संख्या 06/2025-26
NIB code PWD2526A0796

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से खंड बूंदी के अधीन विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयर/सीडी वर्क/रिनिवल कार्य/इंटरलोकिंग कार्य/फ्लड गेज कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केंद्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकात है। निविदा अपलोड करने की तारीख 05.06.2025 से 14.06.2025 को सायं 6.00 बजे तक।

UBN is : PWD2526WSOB02501 UBN is : PWD2526WSOB02502
UBN is : PWD2526WSOB02504 UBN is : PWD2526WSOB02505
UBN is : PWD2526WSOB02506 UBN is : PWD2526WSOB02513
UBN is : PWD2526WSOB02517 UBN is : PWD2526WSOB02519
UBN is : PWD2526WSOB02520

(शेखर चन्द मीना)
अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि., खंड बूंदी
DIPR/C/7031/2025

OFFICE OF CEO
ZILA PARISHAD (RD CELL) JHALAWAR
E-Mail pd-jha-rj@nic.in
Ph. 07432-230434, 232011

No. 244-53 Dated : 23.05.2025

INVITATION FOR EXPRESSION OF INTEREST (EOI)

Zila Parishad (RD Cell) Jhalawar Invites Expression of Interest (EOI) from the eligible CSDCI enlisted agencies/organizations/institutions for conducting onsite Rural Mason training level 4 of 1000 Rural Masons(RMT/RPL) for the construction of houses under PRADHAN MANTRI AWAAS YOJNA-GRAMIN(PMAY-G) In district Jhalawar, CSDCI enlisted agencies/organizations/institutions fulfilling the eligibility criteria can access and download the complete EOI document from the website: www.sppp.rajasthan.gov.in or eproc.rajasthan.gov.in. For any query may contact PMAYG section of Zila Parishad Jhalawar during office hours. This invitation if being made through limited bidding method from eligible agencies. The listed eligible agencies are being intimated at their available address/email and the CSDCI is being informed the Intimate their affiliated agencies for this purpose. It is two part bidding online.THE MAJOR EVENTS UNDER SUBMISSION OF THE EOI PROCESS ARE:SR.No.KEY EVENTS1Name of work2FOI Bid Value3Publishing Date4567Bid Submission Start DateIMPORTANT DATESSelection of Training Providers for Rural Mason training level-4 under PMAYGRs. 138.60 Lacs28-05-2025Documents Download/Sale Start Date28-05-2025Bid Submission Closing Date & TimeTechnical Bid Opening Date & Time8 Award of contractNIS No. ZJL2526A0080UBN No ZJL 2526 SLOB002722/0/7044/202528-05-202523-06-2025 at 01:00 PM23-06-2025 at 04:00 PMTo be intimated accordinglyChief Executive OfficerZila Parishad Jhalawar.

THE MAJOR EVENTS UNDER SUBMISSION OF THE EOI PROCESS ARE:

SR.NO.	KEY EVENTS	INPORTANT DATED
1.	Name of work	Selection of Training Providers for Rural Mason
2.	FOI Bid Value	Rs. 138.60 Lacs
3.	Publishing Date	28.05.2025
4.	Documents Download/Sale Start Date	28.05.2026
5.	Bid Submission Start Date	28.05.2025
6.	Bid Submission Closing Date & Time	23.06.2025 at 01.00 PM
7.	Technical Bid Opening Date & Time	23.06.2026 at 04.00 PM
8.	Award of contract	To be intimated accordingly

NIB No.: ZJL2526A0080, UBN No.: ZJL2526SLOB00272
DIPR/C/7044/2025 Chief Executive Officer, Zila Parisnad Jhalawar

संक्षिप्त

चार दिवसीय योग प्रशिक्षण का प्रारम्भ

टोंक। देवली उपखंड के दूनी मुख्यालय स्थित पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले विश्व योग दिवस को लेकर बुधवार को चार दिवसीय योग टीचर्स एवं शारीरिक शिक्षकों के प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रोटोकॉल के अनुसार दक्ष प्रशिक्षक दूनी आयुर्वेद अधिकारी प्रेमराज मीणा, योग इंस्ट्रक्टर खुशीराम गुर्जर एवं दिव्यांशी जैन के द्वारा दूनी ब्लॉक के सभी योग टीचर्स का प्रशिक्षण कार्य शुरू हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी एवं प्रधानाचार्य भंवरलाल कुम्हार ने बताया कि यह योग दिवस वन अर्थ वन हेल्थ थीम पर आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्य आयुष मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किए गए हैं।

राजेश पायलट की पुण्यतिथि मनाई

टोंक। पूर्व केंद्रीय मंत्री व किसान नेता स्व. राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी टोंक में जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा सहित कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने राजेश पायलट के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसदौरान जिलाध्यक्ष बैरवा ने स्वर्गीय राजेश पायलट को नमन करते हुए कहा कि गरीबों एवं किसानों के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने वाले महान जननेता थे, उन्होंने कहा कि सत्ता के सिंहासन पर बैठकर भी उन्होंने अपने भीतर के किसान को कभी मरने नहीं दिया, उनकी सादगी, स्पष्टवादिता और कर्मठता उन्हें दूसरों से अलग बनाती थी। इस अवसर पर जिला सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान, कैलाशी देवी मीणा, मिर्जा इरशाद बैग, फौजु राम मीणा, राहुल सैनी, धर्मेंद्र सालोदिया, मनिंदर बैरवा इत्यादि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध शराब के 48 पव्वे सहित एक धरा

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान द्वारा जिला स्तर पर चलाये जा रहै विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा मोटाराम बैनिवाल एवं वृत्ताधिकारी देवली रामसिंह के सुपरविजन में घाड थानाधिकारी हरिराम वर्मा के नेतृत्व मे गठित टीम ने ग्राम घाड से धुवाकलां जाने वाले रास्ते पर स्थित बिसलपुर की नहर की पुलिया पर एक पलास्टिक के कटटे मे अवैध देशी शराब के 48 पव्वे को परिवहन करते पाये जाने पर आरोपी राजाराम पुत्र रामदेव मीणा उम्र 37 साल निवासी भरनी थाना घाड को गिरफ्तार किया तथा उसके कब्जे से 48 पव्वे देशी शराब को जप्त किया गया है।

लीलाधर लंबोरा बने जिलाध्यक्ष

पावटा। राजस्थान मंत्रालयिक कर्मचारी परिषद कोटपुतली बहरोड़ की ओर से बुधवार को कोटपूतली-बहरोड जिले के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव का आयोजन किया गया। सी बी ई ओ कार्यालय पावटा अशोक शर्मा ने बताया कि अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक कोटपुतली बहरोड़ लीलाधर लंबोरा को प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह राव व प्रदेश महामंत्री कमलेश शर्मा द्वारा कोटपूतली-बहरोड़ जिले के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

बजरी ले जाते पांच ट्रेक्टर-ट्रॉली जब्त

टोंक। वृताधिकारी निवाई मृत्युन्जय मिश्रा के निर्देशन में निवाई थानाधिकारी रामजीलाल द्वारा गठित टीम ने थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अवैध बजरी परिवहन में कार्यवाही करते हुए पांच ट्रेक्टर मय ट्रोली को अवैध बजरी से भरी हुए को थाना टीम ने जप्त किया है। इस कार्यवाही में ट्रैक्टर चालक/मालिकों के खिलाफ बीएनएस व एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 तक

दूदू। राजकीय कन्या महाविद्यालय दूदू में स्नातक प्रथम सेमेस्टर प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 जून तक की जाएगी प्राचार्य डॉक्टर संदीपन आर्य ने बताया कि छात्राएं आवेदन ऑनलाइन ईमित्र पर जाकर कर सकती हैं किसी समस्या के आने पर प्रभारी डॉ मुकेश शर्मा डॉ रजनी शर्मा से संपर्क किया जा सकता है।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत कार्यों का लोकार्पण किया

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग द्वारा ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

पावटा। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग द्वारा ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को ग्राम नीलका आंतेला में अमृत सरोवर पर विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के मुख्य आतिथ्य व विराटनगर उपखंड अधिकारी अमिता मान की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 अंतर्गत पूर्ण कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर जल संरक्षण की जागरूकता के लिए सरोवर के जल की पूजा अर्चना की गई और सरोवर के आसपास विधायक कुलदीप धनकड सहित अधिकारियों ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण किया।

वहीं उपस्थित जन समूह व जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों द्वारा साफ सफाई अभियान चलाकर सामूहिक श्रमदान किया गया। वही राजीविका महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई व कलश जल का सरोवर में विसर्जन किया गया। इस दौरान विधायक कुलदीप धनकड ने जनसमूह को संबोधित करते हुए जल संरक्षण एवं पौधारोपण के महत्व के बारे में बताया व राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान में अधिक अधिक लोगों को जोड़कर प्रकृति को बचाने का संदेश भी दिया। वही उन्होंने एनीकेट सरोवर फॉरेस्ट बाउंड्री नीलका का निरीक्षण किया। विधायक धनकड ने क्षेत्रसियों से आव्हान किया कि जन सहभागिता को बढ़ावा देते हुए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में ज्यादा से ज्यादा श्रमदान करें तथा परंपरागत जलस्त्रोतों को स्वच्छ बनाएं जिससे वर्षा जल का संचयन हो। विधायक धनकड ने कहा कि राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं पानी की आवश्यकता को समझते हुए सरकार ने डेढ साल में जलापूर्ति के लिए लगातार निर्णय किए हैं। उन्होंने कहा,हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विराटनगर उपखंड अधिकारी अमिता मान द्वारा ब्लॉक स्तर पर चलाए जा रहे अभियान की विभिन्न गतिविधियों के बारे मे बताया व इस अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। उक्त कार्यक्रम में वाटर शेड डिपार्टमेंट से अधीक्षण अभियंता हरिमोहन बैरवा द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विकास अधिकारी राजकुमार बडजात्या, तहसीलदार लालाराम यादव, सहायक अभियंता दयाराम चौधरी, एईएन कपिल शर्मा, सहायक अभियंता प्रदीप यादव व कनिष्ठ अभियंता रीना खन्ना, आंतेला सरपंच जयराम नागर सहित ब्लॉक लेवल स्तरीय अधिकारी व् जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

श्रमदान से स्वच्छता का संदेश दिया

पावटा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मंगलवार को प्रशासन द्वारा उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में उपखंड कार्यालय, तहसील कार्यालय व बार परिसर में प्रशासन एवं शहर के नागरिकों की जनसहभागिता से श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार संजय खेडड, बार यूनियन अध्यक्ष एडवोकेट ओमप्रकाश सैनी, सचिव एडवोकेट सुरेंद्र सिंह, उपखंड कार्यालय कार्मिक कैलाश चंद सैनी सहायक प्रशासनिक अधिकारी, रीडर रामनिवास यादव, तहसील कार्यालय कार्मिक भरत सिंह नेहरा व सहायक कुलदीप मीणा, राजपाल मीणा, पटवारी मनीष यादव, विक्रम यादव, जितेंद्र चौधरी सहित अधिवक्ताओं व कार्मिकों सहित आमजन ने श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता व साफ-सफाई का संदेश किया। साथ ही जल संरक्षण एवं पर्यावरण के महत्व के प्रति आमजन को जागरूक किया।

उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारी भावी पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे इस जन-जन के अभियान में जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए जल संरक्षण व पर्यावरण को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें। साथ ही आगामी वर्षा ऋतु में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए एवं जल संरक्षित करे।

खिलाड़ी किस नंबर पर खेलेगा,ये कप्तान तय करता : स्मृति ईरानी

- मैं चाहे राहुल गांधी को हरा दूं लेकिन सास-बहू पीछा नहीं छोड़ेगी

अलवर। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को अमेठी में लोकसभा चुनाव हरा चुकी बीजेपी की पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी आज अलवर आई। उन्होंने कहा- मैं चाहे कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष को हरा दूं। चाहे तीन बार सांसद बन जाऊं, चाहे मंत्री बन जाऊं लेकिन ये सास-बहू मेरा पीछा नहीं छोड़ेगी।

आगे की राजनीतिक पारी को लेकर वे बोलीं- खिलाड़ी सिर्फ मैदान और नया क्या कीर्तिमान स्थापित करता है, वो देखता है। खिलाड़ी कौनसे नंबर पर खेलने जाएगा, ये कप्तान तय करता है।

स्मृति ईरानी बुधवार को अलवर सांसद भूपेंद्र यादव की ओर से खिलाडिय़ों के लिए एलआईईटी कॉलेज में चल रहे समर कैंप में खिलाडिय़ों को मोटिवेट करने आई थी। स्मृति ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परंपरागत व आधुनिक खेल से आमजन को जोडऩे का आदेश किया है कि अपने-अपने विस्तार में जनता के बीच रहकर खेलकूद उत्सव का आयोजन करें। प्रधानमंत्री की इस कल्पना को चरितार्थ अलवर में भूपेंद्र यादव ने किया है। भूपेंद्र यादव राजनेता के नाते समाज को जोडऩे और हर वर्ग के उत्थान के प्रति अपनी रुचि को दर्शाया है। अलवर संसदीय क्षेत्र में महिला, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिकों को भी आगे लेकर आए हैं। यहां खेल को उत्सव के रूप में मनाया है। प्रधानमंत्री की सोच में चार चांद लगाने वाले मुख्य नेता हैं। ये मेरा 20 साल का निजी अनुभव है। उन्होंने जीवन में कोई काम इस उद्देश्य से नहीं किया कि क्या हैडलाइन बननी है। वे हमेशा वंचित वर्ग को आगे लाने का काम करते हैं। यहां ग्रामीण अंचल से विभिन्न खेलों में बालिकाओं ने पहल की है। माता-पिता ने भी सांसद भूपेंद्र यादव के प्रति विश्वास व्यक्त किया है। कई राष्ट्रीय खिलाड़ी अलवर आने वाले हैं।

खाद्य बीज गोदाम का शिलान्यास किया

- 'बजट 2024-25 में की गई थी पूरे राजस्थान में 100 गोदाम बनाने की घोषणा की
- डीग जिले से गृह राज्य मंत्री के मार्गदर्शन में ग्राम बेढ़म चयनित

डीग/भरतपुर (निस)। गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने ग्राम बेढ़म में बुधवार को ग्राम सेवा सहकारी समिति के गोदाम का शिलान्यास किया। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर देवी सिंह, सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समिति डीग रामावतार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बजट घोषणा 2024-2025 के तहत संपूर्ण राजस्थान में किसानों के लिए उपज का भंडारण समुचित रूप से हो सके इसके लिए 100 गोदामों बनाने की घोषणा की गई थी। नगर विधानसभा में किसानों को राहत देते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के अथक प्रयासों से डीग जिले से गोदाम निर्माण के लिए ग्राम बेढ़मघ्घ का चयन हुआ। अब बेढ़मघ्घ में खाद्य बीज गोदाम का गृह राज्य मंत्री के कर कमलों से शिलान्यास पूरा हो चुका है।

गोदाम बनने से किसानों को बीज भंडारण, समय पर खाद-बीज की खरीद, और अन्य कृषि संबंधी सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। पूर्व में 1985-86 में निर्मित गोदाम जीर्ण-शीर्ण के अवस्था में था परंतु बजट घोषणा में पुर्ननिर्माण की स्वीकृति आ जाने से अब नवीन सुविधाओं से निर्मित गोदाम किसानों के लिए लाभकारी साबित होगा। गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने बताया कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने और किसानों की आवश्यकताओं को पूरा करने में मददगार रहेगा। उन्होंने कहा कि खेती, पशुपालन, और अन्य व्यवसाय संबंधी जरूरतें भी इससे पूरी की जा सकेंगी।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी उपज को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने, बिचौलियों से बचने, और उचित मूल्य प्राप्त करने में यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में निरंतर ही किसान के हितों को ध्यान में रखकर फैसले लिए गए है। गोदाम किसानों को अपनी उपज को थोक में बेचने की सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे उनकी आय में इजाफा होता है। साथ ही गोदाम निर्माण और संचालन से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करने की असीम संभावना उत्पन्न होती है।

इस दौरान ग्रामीणजन ने गृह राज्य मंत्री बेढ़म का धन्यवाद किया और किसानों के हित में एक ओर ठोस कदम उठाने पर आभार प्रकट किया। ग्रामीणों ने बेढ़म के आत्मीयता, प्रेरणादायक पहलों और असीमित ऊर्जा के लिए उनकी सराहना की। इस अवसर पर सेवा सहकारी समिति लिमिटेड बेढ़म के अध्यक्ष भजन सिंह, व्यवस्थापक लाल सिंह बेढ़म सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

हलैना में बनेगा दो करोड़ का गौरव पथ

- सीएम भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने दी सौगात

हलैना भरतपुर (निस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ,डिप्टी सीएम दीया कुमारी और गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने विधानसभा क्षेत्र वैर के विधायक बहादुर सिंह कोली की शिफारिश और आग्रह पर जयपुर नेशनल हाईवे - 21 से गांव वाराखुर्द वाया हलैना इन्दिरा कॉलोनी तक 2 करोड़ की लागत गौरव पथ बनेगा।

ये सौगात मिल जाने से कस्बा हलैना, वाराखुर्द, रहीमगढ़, सिरस, सिंघारावली एव भगतपुरा आदि गावों के ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। जिसके तहत सड़क के दोनों ओर नाला तथा सीसी सड़क बनेगी और सड़क की लम्बाई एक किमी होगी। इस पथ की बनने की सुनते ही कस्बा और क्षेत्र के लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम विधायक बहादुर सिंह कोली का आभार प्रकट कर उन्हें बधाइयां दी। पीडब्ल्यूडी विभाग के सूत्रों के अनुसार ये गौरव पथ जयपुर नेशनल हाईवे हलैना की इन्दिरा कॉलोनी से शुरू हो कर गांव बाराखुर्द की ओर डामर की सड़क तक बनेगा। गौरव पथ के निर्माण के लिए डबल इंजन की सरकार ने दो करोड रुपए का बजट स्वीकृत किया है। गौरव पथ के स्वीकृत होने पर भाजपा ग्रामीण मण्डल वैर के पूर्व मंडल अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह टंटा, पंचायत समिति सदस्य संजय गुप्ता, पूर्व पंच विनोद मित्तल, कस्बा हलैना के प्रशासक दीपेश कुमार, मोहन सिंह डीलर, रामकिशन शर्मा, पूर्व पंचायत समिति वैर सदस्य गजेंद्र सिंह, विष्णु मित्तल पत्रकार, भाग चन्द शर्मा, सुमरन शर्मा, खेमचंद लवानिया आदि ने मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, गृह राज्य मंत्री, क्षेत्र के विधायक आदि का आभार प्रकट किया है।

क्षमता से अधिक माल भरकर दौड़ रहे वाहन

दूदू। जयपुर अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नगर पालिका मुख्यालय दूंदू के मुख्य चौराहे से क्षमता से अधिक माल भरा जाकर वाहनों को सर पट दौड़ाया जाकर दुर्घटनाओं को न्यौता दिया जा रहा है चौराहे से मालपुरा अजमेर की ओर से चारे के ट्रैक्टर पर बजरी के डंपर क्षमता से अधिक माल भरकर सर पर दौड़ रहे हैं मुख्यालय पर पुलिस थाना संचालित होने के साथ-साथ चौराहे पर यातायात पुलिस चौकी भी संचालित है लेकिन यह वहां सरपट दौड़ते नजर आ रहे हैं।

जल संरक्षण की दिलाई शपथ

निवाई। वन्दे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत वन विभाग के तत्वावधान में श्यामाप्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, अध्यक्षता कर रही जिला प्रमुख सरोज बंसल व नगरपालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी की मौजूदगी में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक वर्मा व अन्य अतिथियों ने वन विभाग रेंज निवाई द्वारा वन क्षेत्र में मुख्यमंत्री जन स्वावलंबन अभियान 2.० योजना में करवाए गए पूर्ण कार्य व जल संरक्षण के लिए करवाए गए कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्य अतिथि विधायक वर्मा ने कहा कि जल है तो कल है।

इसे सबको ध्यान में रखना चाहिए और वर्षा जल का संरक्षण करना चाहिए। जिससे आगामी समय में जल की कमी ना रहे। जिला प्रमुख सरोज बंसल ने राज्य सरकार की वंदे गंगा जल संरक्ष्ण के लिए चलाए गए अभियान की प्रशंसा की। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष इसरानी ने कहा कि जल ही जीवन है। जल की एक-एक बूंद को बचाना चाहिए। इस अवसर पर जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस दौरान तुलसी का पौधा भी वितरित किया गया।

श्रीराम महायज्ञ में उमड़े श्रद्धालु, हवन कुण्ड में आहुतियां दी

निवाई। गांव खेडा शुकलपुरा में स्थित हनुमान वाटिका मंदिर में निरमाणी अखाडा अयोध्या के महंत दिनेशदास नागा महाराज के सानिध्य में सात दिवसीय 11 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं ने मंत्रोचारण के साथ हवन कुण्ड में आहुतियां दी।

इस दौरान कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ जिससे आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। श्रद्धालु रंगलाल पटेल पहाडी ने बताया कि आचार्य वेदप्रकाश गौतम के सानिध्य में श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा को लेकर विद्वान पंडितों के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने मंत्रोचारण के साथ हवन कुण्ड में आहुतियां दी।

यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान जय श्रीराम के जमकर जयकारे लगाए। जिससे आस-पास का वातावरण राममय हो गया। हवन के बाद में प्रायश्चित संकल्प, दश विधि स्नान, ब्राह्मण वर्ण एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हुआ। उन्होंने बताया कि गुरूवार को अग्नि नारायण पर्दभाव एवं हवन का आयोजन होगा एवं शनिवार को पूर्णाहुति के साथ श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा का समापन होगा। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक हवन का आयोजन होता है एवं दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक श्रीमद् कथा का आयोजित होती। इस अवसर पर अनिल शर्मा बंदावला, प्रेमनारायण शर्मा, रामनारायण शर्मा, दिनेश शर्मा, कन्हैयालाल शर्मा, शिवराज शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, देवकीनंदन जांगिड, लक्ष्मीनारायण शर्मा व केदार खेडा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

खेडा शुकलपुरा में आयोजित श्रीराम महायज्ञ में आहुतियां देते श्रद्धालु।

सार-समाचार

घर के बाहर खड़ी कार में लगी आग

भरतपुर (निस)। भरतपुर के कोतवाली थाना इलाके में एक घर के बाहर खड़ी कार में अचानक आग लग गई। कार से निकल रही लपटों को देख मौके पर हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। साथ ही दमकल की गाड़ी को मौके पर बुलाया गया लेकिन गली सकड़ी होने के कारण दमकल की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंच पाई। स्थानीय लोगों ने खुद ही आग पर काबू पा लिया। कोतवाली थाना इलाके के एएसआई विजय पाल ने बताया कि कोडियांन मोहल्ला के रहने वाले संजय गुप्ता की कार उनके घर के बाहर खड़ी थी। कार का मॉडल 2012 का था। 7 साल से कार को कोई यूज नहीं कर रहा था। आज सुबह अचानक कार में आग लग गई। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। दमकल की गाड़ी को भी फोन किया था लेकिन रास्ता सकड़ा होने के कारण दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच नहीं पाई। कार में आग कैसे लगी इसकी जांच की जाएगी।

चारधाम यात्रा कर लौटे नरेंद्र का स्वागत

नारायणपुर। कस्बे की ठेकला की ढाणी निवासी नरेंद्र गोठवाल ने साइकिल से उत्तराखंड स्थित पवित्र चारधाम यात्रा पूरी कर बुधवार को नारायणपुर पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। करीब दो महीने की इस कठिन यात्रा के दौरान उन्होंने लगभग 5 हजार किलोमीटर का सफर साइकिल से तय किया। जैसे ही नरेंद्र गांव पहुंचे, लोगों ने डीजे की धुनों पर नाचते हुए फूल मालाएं पहनाकर और पारंपरिक साफा बांधकर उनका जोरदार स्वागत किया। नरेंद्र गोठवाल ने बताया कि उन्होंने प्रतिदिन औसतन 85 किलोमीटर साइकिल चलाई और इस दौरान बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन किए। यात्रा के दौरान वे अपने साथ आवश्यक खाद्य सामग्री, दवाइयाँ और अन्य जरूरी सामान लेकर निकले थे। उन्होंने बताया कि यह यात्रा केवल धार्मिक भावना से प्रेरित नहीं थी, बल्कि उनका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण और अच्छे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी था। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे यात्रा मार्ग में पड़ने वाले धार्मिक स्थलों की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जानकारी भी साझा की। इस पहल से उन्होंने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि समाज को एक सकारात्मक संदेश भी दिया। उनकी वापसी पर आयोजित स्वागत समारोह में जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मुकेश गोठवाल, राकेश दायमा, नरेन्द्र सिंह शेखावत, रोनी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने नरेंद्र की इस पहल को सराहनीय बताते हुए युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

छप्पन भोग की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

मनोहरपुर, (निसं)। गांधी चौक में श्री श्याम बाबा के जागरण में भजन गायको ने बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में श्री श्याम बाबा की अलौकिक झांकी और छप्पन भोग की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। पूरा पंडाल श्याम बाबा के जयकारों से गूंज उठा श्रद्धालुओं पर इत्र की वर्षा और फूलों की वर्षा की गई अखंड ज्योत प्रज्वलित कर बाबा श्री श्याम के प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई। इस अवसर पर रंग बिरंगी आतिशबाजी भी की गई श्रद्धालुओं के तिलक कर रक्षा सूत्र बांधे गए और सर को झुका कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में भाजपा नेता उपेंद्र यादव का बाबा श्री श्याम की तस्वीर देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मनोहरपुर शाहपुरा गठवाड़ी रतनपुरा खोरा सुराणा टोडी नवलपुरा बिशनगढ़ सहित आसपास के लोग आए। इस अवसर पर हनुमान सहाय गोयल, मनोज कुमार गोयल, प्रदीप कुमार गोयल, दीपांशु गोयल, मोहन लाल गोयल, गिरधारी गोयल, अनिल चौधरी,शंभु मेड़वाला, उमेश मेड़वाला, सन्तोष माधानी, मुकेश उर्फ विक्की मित्तल, मुकेश माधानी,पिंकू चौधरी, सुभाष मित्तल अब्दुल अजीज लोहानी आदि उपस्तिथ थे।

फंसी हुई धनराशि मिली वापस

निवाई। राज्य सरकार की ओर से संभाग पर बनाये गए एमएसएमई सुविधा परिषद् के अवार्ड से शहर के एक औद्योगिक इकाई की फंसी हुई धनराशि वापस मिली है। संभाग के लघु उद्यमी और मध्यम उद्योगो के बकाया राशि वसूली के लिए एमएसएमई सुविधा परिषद् अजमेर संभाग द्वारा उद्यमी की बकाया राशि कुर्की अवार्ड के माध्यम से वसूली की गई। मामले के अनुसार बालाजी स्टील इंडस्ट्रीज, जयपुर ने एस.जी.जी. सीमेंट प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड से पाइपो की खरीद की थी। बालाजी स्टील इंडस्ट्रीज ने माल का भुगतान नहीं किया था। जिस पर एस.जी.जी सीमेंट प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड, निवाई के डायरेक्टर कुशाग्र गुप्ता ने राज्य सरकार द्वारा संचालित एमएसएमई सुविधा केंद्र में अपना परिवाद पेश किया। इस पर केंद्र ने भुगतान नहीं करने वाली फर्म के विरुद्ध अवार्ड जारी कर दिया। एस.जी.जी. सीमेंट प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर कुशाग्र गुप्ता का कहना है कि इस सुविधा परिषद् से व्यापारी को अपने रुके हुए पेमेंट्स ब्याज सहित बडी आसानी से मिल जाते है।

तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा

भरतपुर (निस)। राजस्थान में मानसून से पहले भीषण गर्मी ने आमजन को झकझोर कर रख दिया है। भरतपुर में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दिन में चिलचिलाती धूप और गर्म लू के चलते सड़कें सुनसान नजर आती हैं। लोग केवल जरूरी कामों से ही बाहर निकल रहे हैं। गर्मी का सबसे अधिक असर मजदूर वर्ग पर पड़ा है। दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोग तपती धूप में काम करने को मजबूर हैं, क्योंकि अगर काम नहीं करेंगे तो घर का चूल्हा नहीं जलेगा। निर्माण कार्यों, सफाई, और खेतों में काम करने वाले मजदूरों की हालत सबसे ज्यादा खराब है। गर्मी में पसीना पसीने से लथपथ मजदूर शारीरिक तौर पर टूटते नजर आ रहे हैं। कूलर, पंखे और एसी भी इस भीषण गर्मी में बेअसर साबित हो रहे हैं। लोग राहत पाने के लिए नींबू पानी, शिकंजी, और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं। डॉक्टरों और प्रशासन की ओर से लू से बचने की सलाह दी गई है।

टीम ने किया औचक निरीक्षण

शाहपुरा। शाहपुरा प्रशासनिक सुधार व समन्वयक विभाग की टीम ने बुधवार को शहर के तहसील कार्यालय, पंचायत समिति, परिवहन विभाग, महिलाएं बाल विकास विभाग सहित कई राजकीय विभागों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें 8 अधिकारी व 124 कर्मचारी गैर हाजिर रहे। टीम ने कार्मिकों की उपस्थिति पंजिकाएं भी जप्त की। टीम के औचक निरीक्षण से सभी विभागों में हड़कंप मच गया। जानकार के अनुसार शासन सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक के सूर्य बहादुर वर्मा के नेतृत्व में शहर के तहसील कार्यालय, पंचायत समिति कार्यालय, ट्रेजेडी विभाग, महिला बल एवं विकास विभाग, राजकीय उप जिला चिकित्सालय, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय आदि का औचक निरीक्षण किया। जहां पंचायत समिति में टीम ने लेखा, आवास, पंचायत,संस्थापन शाखा आदि का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान दो कार्मिक बिना कोई सूचना के नरादद पाए गए। विकास अधिकारी ने बताया कि सहायक लेखा अधिकारी भागीरथ प्रसाद सैनी डेपुटेशन पर राजकीय कालेज तथा एईएन शंकर लाल वर्मा डेपुटेशन पर पावटा गए हुए थे। बाद में टीम ट्रेजेडी विभाग का अवलोकन किया जहां एक कामिक पूनम मीणा उपस्थित नहीं थी जिनकी सीएल लगा दी गई। महिलाएं बाल विकास कार्यालय में कार्यरत सहायक प्रशासनिक अधिकारी तेजपाल यादव ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग में सीडीपीओ लवलीन शर्मा व अकाउंटेंट पंकज कटारिया जयपुर निदेशालय में गई हुई थे। वही संतरा देवी अवकाश पर हैं। सहायक प्रशासनिक अधिकारी व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मौके पर मौजूद थे।

समर कैम्प प्रशिक्षण का शुभारम्भ

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण, वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को चिकानी स्थित एलआईटी कॉलेज में अलवर सांसद खेल उत्सव के तहत आयोजित समर कैम्प के द्वितीय चरण के बालिकाओं के समर कैम्प प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया।इस मौके केंद्रीय मंत्री यादव ने अलवर सांसद खेल उत्सव के अंतर्गत समर कैम्प के द्वितीय चरण के तहत लड़कियों के प्रशिक्षण हेतु समर कैम्प शुभारम्भ के अवसर पर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई के लिए पहुंची पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का आभार जताते हुए कहा कि श्रीमती ईरानी महिला सशक्तिकरण के लिए एक मिसाल हैं।उन्होंने कहा इनके प्रेरणादायी उद्बोधन से निःसंदेह बेटियां प्रेरित होंगी। उन्होंने अलवर सांसद खेल उत्सव के बारे में बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अलवर में खेल कल्चर विकसित करना तथा खिलाडियों को उचित प्लेटफार्म प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि खेल उत्सव के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को देश के श्रेष्ठ कोचेज से इस समर कैम्प में प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है।

अय्यर ने शॉर्ट बॉल की अपनी कमजोरी पर भी काम किया है और दबाव में रन बनाने के लिए उनकी तारीफ की है। लेकिन इस स्क्वाड में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली।
- सौरव गांगुली

भारत के पूर्व कप्तान, श्रेयस अय्यर के चयन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▸ शिखर धवन

टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज शिखर धवन अपने रिलेशनशिप के कारण काफी चर्चा में हैं। 2023 में अपनी 11 साल की शादी खत्म होने के बाद शिखर ने अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू किया है। उनकी नई प्रेम कहानी की नायिका सोफी शाइन हैं जिन्होंने हाल ही में शिखर के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। उन्होंने कहा कि शिखर की शरारती आंखें और उनका खूबसूरत चेहरा ही वह पहली चीज थी जिसने उन्हें आकर्षित किया। उनका चेहरा बहुत सुंदर था और उनकी आंखों में एक खास शरारत थी।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका अब तक दोनों टीमों के बीच 123 सालों में 101 टेस्ट हुए। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने 54, जबकि साउथ अफ्रीका ने 26 मैच अपने नाम किए। 21 टेस्ट ड्रॉ भी हुए।

करौली जिला क्रिकेट संघ : हाईकोर्ट ने खेल सचिव के आदेश पर रोक लगाई

करौली, 11 जून। हाईकोर्ट में करोली क्रिकेट संघ के सचिव शिवचरण माली को अपदस्थ करने के ख़िलाफ़ रजिस्ट्रार सहकारिता और नीरज के पवन के आदेश को चुनौती दी गई थी। खेल सचिव नीरज के पवन ने इस मामले में छह जून को सुनवाई थी और अंतरिम स्टे खारिज कर दिया था। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी जिस पर अदालत ने खेल सचिव को आदेश पर रोक लगा दी है।

केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर बांसवाड़ा का समापन

जयपुर, 11 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा आयोजित 21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर बांसवाडा का समापन गुरूवार को होगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिलाधीश बांसवाडा डॉ. इन्द्रजीत यादव होंगे। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के मुख्य खेल अधिकारी व मुख्य शिविर निदेशक वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि 23 मई से जनजाति शिविर का आयोजन बांसवाडा में किया जा रहा है। गुरूवार को शिविर का समापन होगा। समारोह के मुख्य अतिथि जिलाधीश होंगे, जबकि अध्यक्षता बांसवाडा के पुलिस अधीक्षक हर्ष अग्रवाला करेगें। समारोह के विशिष्ट अतिथि खेल परिषद के वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा, द्रोणाचार्य अवार्डी व मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया और डीएफओ बांसवाडा अभिषेक शर्मा होंगे। उन्होने बताया कि शिविर में 151 बालक व 122 बालिकाओं सहित कुल 273 खिलाडियों ने भाग लिया है। सभी खिलाडियों को नि:शुल्क भोजन, आवास और प्रशिक्षण की सुविधा मुहैया करवाई गई।

प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार 17 को खेल परिषद में

जयपुर, 11 जून। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना खेलों इंडिया के तहत राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर खेल केन्द्रो के संचालन के लिए राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा खेलों इंडिया केन्द्र खोले गए है। इसी कडी में अब गठित किए गए नये जिलों मे भी इन केन्द्रो को खोला जाना है। इसके लिए 17 को प्रात: 11:30 बजे खेल परिषद मुख्यालय पर प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षक नियुक्त के इच्छुक प्रशिक्षको/खिलाडियों के साक्षात्कार होंगे। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि नये जिलों में शामिल खेरथल-तिजारा, नीम का थाना में कुश्ती, डिडवाना-कुचामन में बास्केटबाल, फलौदी में एथलेटिक्स, जयपुर शाहपुरा स्टेडियम, दिल्ली रोड में कबड्डी, सलूम्बर में फुटबाल, गंगापुर सिटी (सवाई माधौपुर) में ताईक्वांडो और शाहपुरा (भीलवाडा) में तैराकी के प्रशिक्षक की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार लिए जायेगें। इन केन्द्रो के लिए इच्छुक प्रशिक्षक व खिलाडी 25 से 40 वर्ष की आयु वर्ग में होने चाहिए। 25 वर्ष से कम और 40 वर्ष से अधिक को इसमें शामिल नहीं किया जायेगा।

जयपुर जिले की टीम के चयन हेतु चयन समिति घोषित

जयपुर, 11 जून। राजस्थान राज्य सब जूनियर व जूनियर बालिका व बालक फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने वाली जयपुर जिले की टीम के चयन हेतु चार सदस्यीय चयन समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा खिलाड़ियों का अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की केंद्रीकृत पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के तहत जयपुर जिले में पंजीकरण कराना होगा। जयपुर जिले की टीम का चयन निम्न समिति के माध्यम से किया जाएगा। कार्यकारणी समिति के सदस्य: अब्दुल जब्बार, मनोज शर्मा, डॉ. दिलीप सिंह चुण्डावत, शेबी फिलिप्स।

कगिसो रबाडा और मार्का यानसन ने ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर रोका

लॉर्ड्स 11 जून। कगिसो रबाडा (पांच विकेट) और मार्का यानसन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डबल्यूटीसी) 2025 के फाइनल में बल्लेबाजी कर रही ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रन के स्कोर पर रोक दिया। भोजनकाल के बाद स्टीव स्मिथ और बो वेब्स्टर ने ऑस्ट्रेलिया पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए 79 रनों की साझेदारी हुई। 42वें ओवर में एडन मारक्रम ने स्टीव स्मिथ को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टीव स्मिथ ने 10 चौकों की मदद से 66 रनों की पारी खेली। इसके बाद एलेक्स कैरी (23) रन बनाकर केशव महाराज को शिकार बने। इसके बाद रबाड़ा और यानसन ने ऑस्ट्रेलिया पारी को समेटने में देर नहीं लगाई। बो वेब्स्टर ने 11 चौकों की मदद से (72) रनों की पारी खेली। उन्हें रबाड़ा ने आउट किया। कप्तान पैट कमिंस (एक) और मिचेल स्टार्क (एक) को रबाड़ा ने बोल्ड आउट किया।

नेथन लायन (शून्य) को मार्का यानसन बोल्ड किया। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को 56.4 ओवर में 212 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। इससे पहले आज यहां लॉर्ड्स के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (शून्य) का विकेट 12रन के स्कोर पर गवां दिया। उन्हें कगिसो रबाडा ने बेडिघम के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कैमरन ग्रीन (चार) को भी रबाड़ा ने आउट किया। जमने का प्रयास कर रहे मार्नस लाबुशेन (17) को 18वें ओवर में मार्का यानसन ने आउटकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया। इसके बाद ट्रैविस हेड (11) भी मार्का यानसन का शिकार बने। यानसन के आउट होते भोजनकाल की घोषणा कर दी गई। दक्षिण अफ्रीका ने भोजनकाल तक ऑस्ट्रेलिया के 23.2 ओवर में 67 रन चार विकेट झटकर मैच में अपना दबदबा बना लिया था दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाड़ा ने पांच और मार्का यानसन ने तीन विकेट लिये। केशव महाराज और एडन मारक्रम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने स्टीव स्मिथ

लॉर्ड्स, 11 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जब साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम संकट में थी तब स्टीव स्मिथ टीम के लिए संकटमोचन बने। इस दौरान स्टीव स्मिथ ने एक विश्व कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर इस पर अपना नाम लिखवा लिया।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अब तक दो फाइनल हो चुके हैं। इस मैच से पहले तक इसमें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भारत के अजिंक्य रहाणे हुआ करते थे। उन्होंने दो मैचों की चार पारियों में 199 रन बनाए थे। लेकिन अब स्टीव स्मिथ उनसे आगे निकल गए हैं। लॉर्ड्स में स्टीव स्मिथ ने जैसे ही अपने 45 रन पूरे किए, वे रहाणे से आगे निकल गए हैं। इतना ही नहीं वे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 200 से ज्यादा रन बनाने वाले भी पहले बल्लेबाज बन गए हैं।भारतीय टीम ने साल 2021 और इसके बाद साल 2023 में बैट टू बैक दो फाइनल खेले लेकिन इस बार टीम तीसरे नंबर पर रही और फाइनल में एंट्री नहीं कर पाई। जहां एक ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरी बार फाइनल में अपनी जगह बनाने में कामयाब रही, वहीं साउथ अफ्रीका की टीम पहली बार फाइनल खेल रही है। अभी तो मैच का पहला ही दिन है लेकिन पहले दिन अब तक साउथ अफ्रीका ने मैच पर शिकंजा कसा हुआ है।

आर.डी. बाहेती जिला बैडमिंटन में जयवर्धन, अन्वी, श्रेयांश बने चैम्पियन

जयपुर, 11 जून। आर डी बाहेती जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता में आज तीन फाइनल खेले गए जिसमें महिला एकल में अन्वी राठौर, लड़कों के अंडर 15 आयु वर्ग में श्रेयांश चौधरी, एवं लड़कों के अंडर 17 आयु वर्ग में जयवर्धन सिंह विजेता रहे। महिला एकल में अन्वी राठौर व उत्सवा पालेट के बीच में कड़ा संघर्ष रहा और यह गेम लगभग 55 मिनट चला, इसमें अन्वी राठौर ने उत्सव पायलट को 15-21, 21-15, 21-8 से परास्त किया। वहीं अंडर 15 लड़कों में भी फैसला 3 गेमों में हुआ श्रेयांश चौधरी ने सनी जांगिड़ को 16- 21, 21- 11 ,21- 8 से परास्त किया। लड़कों के अंडर 17 सिंगल्स में जयवर्धन सिंह ने देवाशीष प्रजापत को सीधे गेमों में 21- 14, 21 -19 से हरा फाइनल जीता। आज के मुख्य अतिथि आर डी बाहेती ट्रस्ट के प्रदीप बाहेती व जिला सचिव मनोज दासोत ने सभी फाइनल में पहुंचे खिलाड़ियों का माल्यार्पण पर स्वागत किया। ये खिलाड़ी सनी जांगिड़, श्रेयांश चौधरी, जयवर्धन सिंह, देवाशीष प्रजापत, अंबर चंद्रवंशी ,अन्वी राठौर, उत्सवा पालेट ,पद्मजा सिंह ,गरिमा यादव अपेक्षा चौधरी रहे।ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री अतुल गुप्ता के अनुसार 15, 17 आयु वर्ग व सीनियर के डबल्स के मैच आज खेले गए तथा खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल खेल सेमीफाइनल में पहुंचे कल सभी डबल्स के सेमीफाइनल व फाइनल खेले जाएंगे। इनके अलावा पुरुष एकल, अंडर 15 लड़कियों का एकल में, अंडर 17 लड़कियों का एकल फाइनल कल खेले जाएंगे। कल सुबह 9 बजे से सेशन शुरू होगा। कल अंडर 11 अंडर 13 के सिंगल्स भी खेले जाएंगे।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता

जयपुर 11जून, आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्माने बताया कि बीसीसीआई केआगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में आज जयपुर,श्रीगंगानगर, राजसमंद, नागौर, भीलवाड़ा, हनुमानगढ़,जोधपुर, टोंक, बांसवाड़ा, चूरू, अजमेर, झालावाड़, झुंझनू, कोटा, धौलपुर, बीकानेर जीते आज कार्तिक शर्मा, मानेन्द्र सिंह, रामनिवास गोलाडा, जयंत, मोहित बोहरा, साहिल दीवान, विशाल सैनी, देवांश सिंह, सौरभ गोदारा, सौरव यादव, शाहरुख, कन्हैया रैगर, रामेश्वर गायरी, शबाज, शिवा चौहान, कुणाल सिंह राठौर का शानदार प्रदर्शन रहा।

पैराग्वे को हराकर ब्राजील ने किया विश्वकप के लिए क्वालीफाई

साओ पाउलो, 11 जून। विनिसियस जूनियर ने पहले हाफ में किये गये गोल की बदौलत पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील ने क्वालीफायर मुकाबले में पैराग्वे पर 1-0 से जीत दर्ज कर अगले साल होने वाले फीफा विश्वकप में अपनी जगह पक्की कर ली है। ब्राजील ने मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर शानदार खेला प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को हराकर फीफा विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में गोल कर ब्राजील को बढ़त दिलाई। इसके बाद रक्षापंक्ति ने शानदार खेला का मुजाहिरा करते हुए पैराग्वे को गोल करने का कोई अवसर नहीं दिया। इस जीत के साथ ब्रजील के 25 अंक हो गये है। वहीं, हार के बाद पैराग्वे 24 अंकों पर है और उसे विश्वकप में क्वालीफाई करने के लिए एक अंक की जरुरत है। ब्राजील सितंबर में अपने अंतिम दो क्वालीफायर मुकाबलों में चिली और बोलीविया से भिड़ेगा। पैराग्वे को क्वालीफाई के लिए केवल एक अंक की आवश्यकता है, उसका सामना इक्वाडोर और पेरू से होगा।

इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज में विंडीज का किया सूपड़ा साफ

साउथेम्प्टन (इंग्लैंड) 11 जून। बेन डकेट (84) और जेमी स्मिथ (60) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद ल्यूक वुड (तीन विकेट) और आदिल रशीद (दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। इंग्लैंड के 248 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों जॉनसन चार्ल्स (नौ) और एविन लुइस (नौ) के विकेट 37 रन के स्कोर पर गवां दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान साई होप और शिमरॉन हेटमायर ने पारी संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में जेकब बेथेल ने शिमरॉन

हेटमायर आठ गेंदों में (26) रन को आउट कर इंग्लैंड को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में ब्राइडन कार्स ने साई होप 27 गेंदों में (45) रन को आउटकर वेस्टइंडीज को तगड़ा झटका दिया। शरफेन रदरफोर्ड (एक), रोमारियो शेफर्ड (शून्य) को आदिल राशीद ने अपना शिकार बनाया। जेसन होल्डर 12 गेंदों में (25) और गुडाकेश मोती (एक) को ल्यूक वुड ने आउट किया। वेस्टइंडीज की ओर से रोवमन पॉवेल ने 45 गेंदों में नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से (नाबाद 79) रनों की पारी खेली। इंग्लैंड के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 211 रन ही बना सकी और 37 रनों से मैच हार गई। इंग्लैंड की ओर से ल्यूक वुड ने तीन और ल्यूक वुड ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स, लियम डॉसन और जेकब बेथेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने मंगलवार देर रात तीसरे टी-20 मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करते उतरी इंग्लैंड के लिए बेन डकेट और जेमी स्मिथ की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 120 रन जोड़े। नौवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। जेमी स्मिथ ने 26 गेंदों में पांच छक्के और चार चौकों की मदद से (60) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉस बटलर 10 गेंदों में (22) रन को शरफेन रदरफोर्ड ने हेटमायर के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। 15वें ओवर में अकील हुसैन ने बेन डकेट को बोल्ड कर उनके शतक बनाने के मंसूबे पर पानी फेर दिया।

इंग्लैंड क्यूरेटर से हेड कोच गौतम गंभीर ने की डिमांड

नई दिल्ली, 11 जून। बेकेनहैम काउंटी ग्राउंड के हेड पिच क्यूरेटर जोश मार्डेन ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, जोश मार्डेन ने बताया है कि हेड कोच गंभीर और मैनेजमेंट ने उनको इंग्लैंड के बहुप्रतीक्षित दौरे की तैयारियों के संबंध में मैसेज दिया था कि उन्हें एक अच्छी पिच चाहिए। 20 जून से शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड में कर रही है।टीम इंडिया ने साउथ ईस्ट लंदन के बेकेनहैम में एक ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया है, जहां वे अपने बल्लेबाजी दिग्गजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना पहली द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रहे हैं, जिससे एक नए युग की शुरुआत हो रही है।रेवस्पोट्र्स की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेनिंग के लिए पिच क्यूरेटर से भारतीय टीम ने एक अच्छी पिच तैयार करने के लिए कहा है। मार्डेन ने बताया कि, हां गौतम गंभीर और अन्य कोचिंग स्टाफ ने अपनी आंतरिक बैठक के बाद हमसे बात की। उनका संदेस स्पष्ट था कि हमें एक अच्छी पिच चाहिए। बहुत सपाट या बहुत हरी नहीं, बल्कि ऐसी जो वास्तव में मैच की तैयारी में मदद करे। वे अधिक रियलिस्टिक कंडीशंस चाहते थे ना कि केवल बल्लेबाजी अभ्यास। इसलिए हमने कुछ चीजों को एडजस्ट किया। घास का कवर, नेट की चौड़ाई और लेंत का विस्तार। इसके बाद से फीडबैक अच्छा रहा है।

इंग्लैंड के खिलाफ जसप्रीत बुमराह उड़ाएंगे गर्दा

नई दिल्ली, 11 जून। मौजूदा समय में टीम इंडिया सचिन तेंदुलकर- एंडरसन ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड में है। ट्रॉफी के तहत 5 टेस्ट मैच की सीरीज खेली जानी है। पहला मैच 20 जून को है। भारत के स्टार जसप्रीत बुमराह सीरीज के सिर्फ 3 टेस्ट ही खेलेंगे लेकिन इस दौरे पर वह मेजबान इंग्लैंड टीम के लिए सबसे बड़े सिरदर्द साबित हो सकते हैं।इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन ऐसा है कि अंग्रेज बल्लेबाजों की नींद उड़ जाएगी। 7 साल पहले वहां अपने पहले ही मैच में उन्होंने 5 विकेट लिए थे।

जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 9 टेस्ट मैच खेले हैं जिसकी 17 पारियों में 26.27 की औसत से 37 विकेट झटके हैं। वहां उनका पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 64 रन देकर 5 विकेट है। इंग्लैंड में किसी टेस्ट मैच में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने एक टेस्ट की दोनों पारियों में 110 रन देकर 9 विकेट झटके थे।

सिर्फ 2 भारतीय गेंदबाज ही ऐसे हैं जिन्होंने इंग्लैंड में बुमराह से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं। ईशांत शर्मा 48 टेस्ट विकेट के साथ टॉप पर हैं और 43 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं महान ऑलराउंडर कपिल देव। बुमराह को इंग्लैंड में खेलना काफी रास आता है। 2018 में ट्रेंट ब्रिज में खेला गया मैच उनका इंग्लैंड में पहला टेस्ट था और अपने पहले ही मैच में उन्होंने एक पारी में 5 विकेट झटके। भारत ने उस टेस्ट मैच में जीत हासिल की थी।

वहीं 2021 दौरे में दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट मैच भी ट्रेंट ब्रिज में खेला गया था और उसमें भी बुमराह ने पारी में 5 विकेट झटके थे। उस दौरे का दूसरा मैच लॉर्ड्स में हुआ था। उस मैच में बुमराह ने बल्ले से भी जौहर दिखाया था। उन्होंने शमी के साथ मिलकर आखिरी विकेट के लिए 89 रनों की नाबाद पारी खेली थी। भारत ने उस टेस्ट में यादगार जीत हासिल की थी।

विश्वकप 2026 में जगह बनाने में विफल रहने पर चिली के कोच गारेका ने दिया इस्तीफा

एल ऑल्टो (बोलीविया), 11 जून। बोलीविया से मिली हार के बाद चिली की फीफा विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद समाप्त होने पर चिली की फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गारेका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मंगलवार को हुये मुकाबले में बोलीविया के हाथों मिली 2-0 से हार के बाद चिली की फीफा विश्वकप 2026 में खेलने की उम्मीद खत्म हो गई है। एल ऑल्टो में म्यूनिसिपल स्टेडियम में मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में गारेका ने कहा, हमने कोचिंग स्टाफ के साथ एक निर्णय लिया और हमने खिलाड़ियों बताया कि हम ऐसे हालात को कम करना चाहते हैं। हमने नतीजे नहीं दिए। चिली की ऐसी स्थिति कोई नहीं चाहता था। मेरे अनुभव और करियर के हिसाब से यह बड़ा झटका है। मुझे अपने पैरों पर वापस खड़ा होना होगा, ठीक उसी तरह जैसे चिली को भविष्य में अपने पैरों पर वापस खड़ा होना होगा।

हेड कोच मनोलो ने क्वालीफाई करने का जताया भरोसा : हांगकांग से मिली हार के बाद ड्रेसिंग रूम अंतिम संस्कार की जगह जैसा

कोलून (हांगकांग), 11 जून। हांगकांग के खिलाफ 0-1 की हार के बाद भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज ने कहा कि ड्रेसिंग रूम का माहौल अंतिम संस्कार के जैसा है। वह हालांकि, 2027 एएफसी एशियाई कप के लिए टीम के क्वालीफाई करने की संभावनाओं को लेकर आशावादी हैं। मंगलवार को भारत ने इंजरी टाइम के पांचवें मिनट में गोल खाया जिससे उसे हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम लगातार दूसरे मैच में गोल करने में नाकाम रही। इस हार से भारत की एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को झटका लगा है।

टीम के भविष्य से जुड़े सवाल के जवाब में मनोलो ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, हम बहुत खुश नहीं हैं हम दुखी हैं। ड्रेसिंग रूम का माहौल व्यावहारिक रूप से अंतिम संस्कार के स्थल जैसा है। साथ ही उन्होंने कहा कि, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि भारत के पास क्वालीफाई करने का मौका है। फिलहाल, क्वालीफाई के ग्रुप विजेताओं को ही साऊदी अरब में होने वाले 2027 एएफसी एशियाई कप में जगह मिलेगी इसलिए भारत की आगे की राह आसान नहीं होने वाली है। भारत के पास ग्रुप सी में दो मैच में से सिर्फ एक अंक है। मनोलो ने कहा कि, हम अच्छे दौर में नहीं हैं। स्कोर के मामले में हमारे लिए गोल करना मुश्किल हो रहा है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में हुआ उलटफेर, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा को फायदा, सूर्यकुमार को हुआ नुकसान

नई दिल्ली, 11 जून। आईसीसी की ओर से एक बार फिर से नई रैंकिंग जारी की गई है। टीम इंडिया इस वक्त टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर है लेकिन इसके बाद बदलाव का असर टीम इंडिया के प्लेयर्स पर भी देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर बिना खेले तिलक वर्मा को हल्का सा फायदा हुआ है वहीं सूर्यकुमार यादव को नीचे जाना पड़ा है।आईसीसी की टी20 रैंकिंग में इस वक्त ट्रेविस हेड नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। उनकी रेटिंग 856 की है। इसके बाद दूसरे नंबर पर भारत के अभिषेक शर्मा हैं जिनकी रेटिंग 829 की है। इस बीच भारत के ही तिलक वर्मा अब एक स्थान के फायदे के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं, हालांकि, उनकी रेटिंग अभी भी 804 की है। तिलक वर्मा को फिलसाल्ट के नीचे जाने का फायदा मिला है। फिल साल्ट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में खत्म हुए सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया था जिस कारण उन्हें नुकसान हुआ है उनकी रेटिंग अब 791 की है।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में कोर्ट में कर्नाटक सरकार का बड़ा बयान, बीसीसीआई-आरसीबी को ठहराया जिम्मेदार

बेंगलुरु, 11जून। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 4 जून को हुए आरसीबी के जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ मामले में अब कर्नाटक सरकार ने बड़ा बयान दिया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार ने स्पष्ट रूप से बीसीसीआई और आरसीबी को इस हादसे का जिम्मेदार बताया है।

कर्नाटक सरकार ने बुधवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडिमय के बाहर हुई भगदड़ के लिए आरसीबी और बीसीसीआई को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी। सरकार ने हाईकोर्ट में बताया कि इस इवेंट के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी और आयोजकों ने सोशल मीडिया के जरिए पूरी दुनिया को बुला लिया था।बता दें कि, ये बात उस समय सामने आई जब कोर्ट में चार लोगों की याचिका पर सुनवाई हुई जिनमें आरसीबी के मार्केटिंग हेड निखिल सोसाले भी शामिल हैं। इन लोगों ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के जज एस आर कृष्ण कुमार की सिंगल बेंच कर रही है।

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए एडवोकेट जनरल शशि किरण शेट्टी ने कोर्ट में कहा कि आरसीबी ने 29 मई को पंजाब के खिलाफ मैच जीत लिया ता और उन्हें पता था कि वे फाइनल में पहुंच चुके हैं। बावजूद इसके उन्होंने ना तो जीत का जुलूस निकालने की अनुमति ली और ना ही स्टेडियम में जश्न मनाने के लिए परमिशन मांगी। शेट्टी ने आगे बताया कि 3 जून को मैच शुरू होने से पहले सिर्फ एक घंटे पहले आयोजकों ने प्रशासन को एक चिट्ठी दी जिसमें लिखा था कि वे विक्ट्री परेड आयोजित करेंगे। यानी वे इजाजत नहीं मांग रहे थे बस अपने प्लान की जानकारी दे रहे थे। बावजूद इसके आरसीबी ने 3 जून की रात 11.30 बजे से लेकर 4 जून की सुबह तक सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए, जिनमें फैंस को विक्ट्री परेड और सेलिब्रेशन में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। वहीं एडवोकेट जनरल ने कोर्ट में कहा कि ऐसा लग रहा था कि जैसे उन्होंने पूरी दुनिया को बुला लिया हो। उन्होंने बताया कि स्टेडियम के बाहर करीब 3.5 से 4 लाख लोग पहुंच गए जबकि स्टेडियम की क्षमता सिर्फ 33,000 लोगों की थी।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

'जुलाई में एक लाख करोड़ ...

एमओयू की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने में राइजिंग राजस्थान समिट एक मजबूत स्तम्भ साबित हो रहा है। समिट ने प्रदेश में ऐसा औद्योगिक वातावरण तैयार किया है, जिसमें निवेशकों के लिए अधिकतम सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित हो रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो घोषित पॉलिसी लंबित हैं, उन्हें 31 जुलाई तक अंतिम रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि जारी हो चुकी पॉलिसी के शेष नोटिफिकेशन भी 30 जून तक जारी किए जाएं। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के महत्वपूर्ण एमओयू के भूमि आवंटन की स्थिति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कमेटी गठन के आदेश दिए, ताकि एमओयू के आधार पर उद्योगों एवं निवेशकों की भूमि सम्बंधी आवश्यकता को चिन्हित किया जा सके। शर्मा ने इस दौरान नागरिक उड्डयन, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, नगरीय विकास एवं आवासन, कृषि तथा खान विभाग से संबंधित एमओयू की समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे तथा जिला कलक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े।

सचिन के निमंत्रण पर कांग्रेस के लगभग सभी नेता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- गणेश घोगरा
- कांतिप्रसाद मीणा
- अमीन कागजी
- मुकेश भाकर
- हाकम अली
- रामनिवास गाविड़या
- मनोज मेघवाल
- अनिल शर्मा
- दीपचन्द खैरिया
- श्रवण कुमार
- घनश्याम मेहर
- लक्ष्मण मीणा
- डॉ. समरजीत सिंह
- रतन देवासी
- रोहित बोहरा
- रूपिन्द्रसिंह कुन्नर
- प्रशांत शर्मा
- अमित चाचाण
- सुश्री रीटा चौधरी
- मनीष यादव
- अभिमन्यु पूनिया
- सुरेश गुर्जर
- ललित यादव
- विनोद गोठवाल
- पूसाराम गोदारा
- शोभारानी कुशवाह
- दीनदयाल बैरवा
- अनिता जाटव
- पितराम काला
- भगवानाराम सैनी
- विद्याधर चौधरी
- संजय जाटव
- इन्दिरा मीणा
- मांगेलाल मीणा
- जाकिर हुसैन गैसावत
- शिखा मील
- सुशीला डूडी
- गीता देवी बरवड़
- चेतन पटेल कोलाना

पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक एवं पूर्व सांसद

- डॉ. बी.डी. कल्ला, पूर्व अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस
- हेमाराम चौधरी, पूर्व मंत्री
- परसराम मोरदिया, पूर्व मंत्री
- डॉ. जितेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री
- डॉ. रघु शर्मा, पूर्व मंत्री
- प्रमोद जैन भाया, पूर्व मंत्री
- उदयलाल आंजना, पूर्व मंत्री
- गोविन्दराम मेघवाल, पूर्व मंत्री
- महादेव सिंह खण्डेला, पूर्व केन्द्रीय मंत्री
- लक्ष्मण सिंह रावत, पूर्व मंत्री
- प्रतापसिंह खाचरियावास, पूर्व मंत्री
- रामलाल जाट, पूर्व मंत्री
- बाबूलाल नागर, पूर्व मंत्री
- ममता भूपेश, पूर्व मंत्री
- जाहिदा खान, पूर्व मंत्री
- राजेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री
- नसीम अख्तर, पूर्व मंत्री
- अशोक बैरवा, पूर्व मंत्री
- सुखराम बिश्नोई, पूर्व मंत्री
- के.सी. बिश्नोई, पूर्व मंत्री
- डॉ. राजकुमार शर्मा, पूर्व मंत्री
- रमा पायलट, पूर्व सांसद
- रघुवीर मीणा, पूर्व सांसद
- ताराचन्द भगौरा, पूर्व सांसद
- बद्रीराम जाखड़, पूर्व सांसद
- खिलाड़ी बैरवा, पूर्व सांसद
- भरतराम मेघवाल, पूर्व सांसद
- प्रहलाद गुंजल, पूर्व विधायक
- महेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक
- हीरालाल बिश्नोई, पूर्व विधायक
- रूपाराम मेघवाल, पूर्व विधायक
- संयम लोढ़ा, पूर्व विधायक
- ओमप्रकाश हुडला, पूर्व विधायक
- राकेश पारीक, पूर्व विधायक
- श्रीमती गायत्री देवी, पूर्व विधायक
- दिलीप चौधरी, पूर्व विधायक
- मंगलाराम गोदारा, पूर्व विधायक
- नवीन पिलानिया, पूर्व विधायक
- कृष्णा पूनिया, पूर्व विधायक
- गोपाराम मेघवाल, पूर्व विधायक
- जी.आर. खटाणा, पूर्व विधायक
- कैलाश मीणा, पूर्व विधायक
- नाथूराम सिनोदिया, पूर्व विधायक
- प्रकाश चौधरी, पूर्व विधायक
- पी.आर. मीणा, पूर्व विधायक
- रामचन्द्र रावत, पूर्व विधायक
- वेदप्रकाश सोलंकी, पूर्व विधायक
- राजेन्द्र बिधुड़ी, पूर्व विधायक
- इन्द्राज गुर्जर, पूर्व विधायक
- लाखनसिंह मीणा, पूर्व विधायक
- महेन्द्र मीणा, पूर्व विधायक
- रामस्वरूप कसाना, पूर्व विधायक
- कमल बैरवा, पूर्व विधायक
- डॉ. सुरेश चौधरी, पूर्व विधायक
- गोपाल मीणा, पूर्व विधायक
- मदन प्रजापत, पूर्व विधायक
- खुशवीर सिंह जोजावर, पूर्व विधायक
- सोना देवी बावरी, पूर्व विधायक
- प्रीति शक्तावत, पूर्व विधायक
- गंगा देवी, पूर्व विधायक
- अमरसिंह जाटव, पूर्व विधायक
- करणसिंह राठौड़, पूर्व विधायक
- चेतन डूडी, पूर्व विधायक
- प्रशांत बैरवा, पूर्व विधायक
- जोगेद्र सिंह अवाना, पूर्व विधायक
- वाजिब अली, पूर्व विधायक
- संदीप यादव, पूर्व विधायक
- कय्यूम खान, पूर्व विधायक
- प्रकाश बैरवा, पूर्व विधायक
- राजेन्द्र भादू, पूर्व विधायक
- अशोक तंवर, पूर्व विधायक
- पदमाराम मेघवाल, पूर्व विधायक
- मलखान बिश्नोई, पूर्व विधायक
- कृष्णमुरारी गंगावत, पूर्व विधायक
- पानाचन्द मेघवाल, पूर्व विधायक
- डॉ.खानू खान बुधवाली, चेयरमेन, राजस्थान राज्य वक्फ बोर्ड
- एम.डी. चौपदार, अध्यक्ष, राजस्थान मदरसा बोर्ड
- राजीव अरोड़ा, पूर्व अध्यक्ष, आर.टी.डी.सी.
- धर्मेन्द्र राठौड़, पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य बीज निगम
- महेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान विप्र कल्याण बोर्ड
- संगीता बेनीवाल, पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग
- उर्मिला योगी, अध्यक्ष, विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू बोर्ड, राजस्थान
- सतवीर चौधरी, उपाध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्

अन्य प्रमुखजन

- सारिका सिंह, अध्यक्ष, प्रदेश महिला कांग्रेस
- विनोद जाखड, अध्यक्ष, प्रदेश एन.एस.यू.आई.
- यशवीर सूरा, कार्यकारी अध्यक्ष, प्रदेश युवा कांग्रेस
- सुधीन्द्र मूंड, कार्यकारी अध्यक्ष, प्रदेश युवा कांग्रेस
- आबिद कागजी, अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग
- हरसहाय यादव, अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग
- राखी गौतम, पूर्व अध्यक्ष, प्रदेश महिला कांग्रेस
- अनिल चौपड़ा, कांग्रेस प्रत्याशी, लो.स. जयपुर ग्रामीण
- मदनगोपाल मेघवाल, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, लो.स. बीकानेर
- रफीक मण्डेलिया, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, लो.स. चूरू
- लक्खीराम बैरवा, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, लो.स. करौली-धौलपुर
- द्रोपदी कोली, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. अजमेर दक्षिण
- आर.आर. तिवाड़ी, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. हवामहल
- शिवप्रकाश गुर्जर, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. नसीराबाद
- महेन्द्र राजोरिया, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. रामगंजमण्डी
- निरंजन आर्य, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. सोजत
- नरेन्द्र रैगर, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. शाहपुरा
- के.सी. मीणा, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. उनियारा
- अभिषेक चौधरी, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. झोटवाड़ा
- डॉ. अर्चना शर्मा, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. मालवीय नगर
- इमरान खान, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. तिजारा
- संजय यादव, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. बहरोड़
- पारस पंच, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. ब्यावर
- हंगामीलाल मेवाड़ा, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. आसीन्द
- मनीषा गुर्जर, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. खेतड़ी
- घासीलाल चौधरी, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. मालपुरा
- राजेन्द्र मूंड, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. लूणकरणसर
- महेन्द्र सिंह रलावता, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. अजमेर उत्तर
- पुष्पेन्द्र भारद्वाज, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. सांगानेर
- आर्यन जुबेर, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. रामगढ़
- शोभा सोलंकी, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. सोजत
- अजय बोहरा, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. महुवा
- डॉ. आर.सी. यादव, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, बहरोड़
- रामोतार चौधरी, पूर्व प्रत्याशी, दौसा
- बालेन्दूसिंह शेखावत, पूर्व सचिव, पीसीसी
- कमल मीणा, पूर्व सचिव, पीसीसी
- विजय जैन, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस अजमेर शहर
- रविन्द्र त्यागी, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कोटा शहर
- भानू प्रताप सिंह, अध्यक्ष, जिला काठोस प्रतापगढ़
- हरिप्रसाद बैरवा, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस टोंक
- बिसनाराम सिहाग, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस बीकानेर देहात
- फतेह मोहम्मद, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस बाड़मेर
- रामजीलाल ओढ़, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस दौसा
- निर्मल चौधरी, छात्रसंघ अध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय
- परसराम बिश्नोई
- असमल चौपदार

राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थापित उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ।

इधर श्रद्धांजलि सभा में उमड़े जन सैलाब के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर रेलमपेल मच गई तथा दोपहर तक जाम की स्थिति पैदा हो गई। श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय स्तर के 11 नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्रियों के पहुचने का दावा किया जा रहा है। राजेश पायलट के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी भी लगाई, जिसका कांग्रेस के नेताओं ने अवलोकन किया। अवलोकन के बाद आमजन के लिए प्रदर्शनी खोली दी गई, लोग पायलट के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी को देखकर भाव विभोर हो गये। मंच संचालन कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामजीलाल गौड़ ने किया।

इस मौके पर सचिन पायलट के बुलावे पर दौसा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस की एकजुटता को लेकर कहा कि किसने कहा कि हमारे बीच दूरियां हैं। हम सब एकजुट हैं और प्रेम और मोहब्बत से रहते आए हैं। गहलोत ने राजेश पायलट को याद करते हुए कहा कि आज उनकी 25वीं पुण्यतिथि है. राजेश पायलट और मैं एक साथ लोकसभा के लिए सांसद चुने गए थे और 18 साल तक एक साथ सांसद रहे।

गहलोत ने कहा कि उन्होंने भारतीय वायु सेवा में नौकरी की। उसके बाद राजनीति में आए और जिस तरह से उन्होंने गरीबों और शोषितों के लिए काम किया, वह काफी प्रेरणादायक है। आज दौसा में नौजवान भी आए, बुजुर्ग भी आए हैं, जिन लोगों ने उनके साथ काम किया, वे भी आए हैं। एक ऐसा समागम बन गया है, जिससे यह संदेश गया कि वे कैसे व्यक्तित्व के धनी थे। आज यहां आकर फिर वापस वही यादें ताजा हो गई, जब राजेश पायलट और मैं एक साथ सांसद के रूप में काम करते थे।

राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर राजेश पायलट स्मारक पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें 111 रक्तदाताओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदाताओं को सांसद मुरारीलाल मीणा, दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा, दौसा जिला प्रभारी इन्द्रराज गुर्जर, दौसा विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष हरकेश अवाना ने स्मृति चिन्ह एवं राजेश पायलट की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। इधर युवाओं में रक्तदान को लेकर भारी उत्साह देखा गया, भीषण गर्मी को देखते हुये रक्तदान का कार्यक्रम दो बजे समाप्त कर दिया गया।

एसी के तापमान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अत्यधिक बिजली खपत पर रोक लगेगी और एसी उपयोग में एकरूपता आएगी। यह देश में इस तरह का पहला प्रयोग होगा, जिससे ऊर्जा खपत पर सीधा असर पड़ेगा। इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद कंपनियों को एयर कंडीशनर के ऑपरेटिंग टेम्प्रेचर में बदलाव करना होगा। फिलहाल कई एसी 16 डिग्री सेल्सियस या 18 डिग्री सेल्सियस तक ठंडक देते हैं, लेकिन नई व्यवस्था के तहत न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस पर तय कर दिया जाएगा। वहीं, हीटिंग मोड में तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा नहीं बढ़ेगा। इस कदम का असर घरेलू और व्यावसायिक दोनों तरह के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। सरकार इस योजना को पहले प्रयोगात्मक तौर पर लागू करेगी और फिर इसके प्रभावों का मूल्यांकन करेगी।

लॉस एंजलिस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह बात हज़म नहीं हो रही है कि देश की सेना, जिसे बाहरी दुश्मनों से लड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया है, अब अपने ही नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े प्रमुख राजनेताओं का कहना है कि डॉनल्ड ट्रंप जानबूझकर लॉस एंजिल्स और अन्य स्थानों पर हुई हिंसा को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं, ताकि वे अमेरिकी सैनिकों की तैनाती को जायज़ ठहरा सकें और खुद को एक 'सख्त निर्णय लेने वाले नेता' के रूप में प्रस्तुत कर सकें।

लॉस एंजिल्स के गवर्नर गैविन न्यूज़ोम ने ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा है कि वे लोगों के शांतिपूर्ण विरोध के अधिकारों को कुचल रहे हैं। न्यूज़ोम ने यह भी आरोप लगाया कि ट्रंप गंभीर हालात से निपटने के बजाय, सिर्फ नाटक कर रहे हैं।

कैलिफोर्निया के गवर्नर ने ट्रंप के खिलाफ अमेरिकी सेना की तैनाती को लेकर मुकदमा भी दर्ज कराया है, उनका कहना है कि सेना की तैनाती केवल बगावत या विद्रोह की स्थिति में ही की जा सकती है।

न्यूयॉर्क, जो देश का सबसे बड़ा शहर है, वहां की पुलिस ने कहा है कि नेशनल गार्ड्स की तैनाती की कोई ज़रूरत नहीं है। केवल कुछ मामूली घटनाएं हुई हैं, जहां कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर कचरा फेंका है।

हालांकि अमेरिकी खुफिया तंत्र के कई हिस्से ट्रंप प्रशासन की इस कार्रवाई की आलोचना कर रहे हैं, लेकिन ट्रंप प्रशासन का कहना है कि जरूरत पड़ने पर और भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

कुल मिलाकर, प्रशासन की कार्रवाइयों को अनावश्यक रुप से आक्रामक माना जा रहा है।

सचिन भूलने को तैयार हैं: पर...

- गहलोत की साज़िश के कारण हाईकमान के दोनों पर्यवेक्षकों, खड़गे व माकन, को बैरंग दिल्ली लौटना पड़ा।
- अतः गहलोत के लिए, दिल्ली के सभी रास्ते बंद हैं इसलिए वे सचिन द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में गए, हाईकमान को विश्वास दिलाने के लिए वे अब बदल गए हैं और पश्चाताप की अग्नि से गुजर कर परिष्कृत हो गये हैं।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चिलचिलाती गर्मी के बावजूद पायलट के निमंत्रण पर गहलोत दौसा पहुँचे और कार्यक्रम में शिरकत की।

एक तरह से गहलोत राजस्थान की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने की कोशिश कर रहे है, हालांकि दिल्ली ने उन्हें कोई भी भूमिका देने से फिलहाल इन्कार कर दिया है।

गहलोत दिल्ली को यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे बदल चुके हैं और पार्टी में एकजुटता चाहते है। गहलोत ने कहा कि वे और सचिन पायलट साथ हैं, अब दोनों के बीच कोई मतभेद या शत्रुता नहीं है और वे दोनों पार्टी व राज्य के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि गहलोत की इस "बदलाव" की कहानी पर कोई भरोसा नहीं कर रहा, खासकर कांग्रेस हाईकमान।

जैसा कि एक नेता ने अंग्रेज़ी की कहावत का जिक्र करते हुए कहा, "लैपर्ड नेवर चैंज हिज़ स्पॉट्स" (व्यक्ति अपना मूल स्वभाव नहीं बदल सकता), वैसे ही गहलोत का भी ऐसे उदार नेता के रूप में दिखना मुश्किल है जो सचिन पायलट को गले लगाने को तैयार हैं।"

दोनों नेता एक-दूसरे के लिए अच्छी बातें कह रहे हैं, लेकिन यह सब सतही और औपचारिक लगता है। राजस्थान के कई वरिष्ठ नेता, जिनमें एआईसीसी महासचिव रंधावा भी शामिल हैं, सचिन पायलट के आमंत्रण पर वहाँ उपस्थित थे। जहाँ गहलोत अब बीते कल की बात माने जा रहे हैं, वहीं सचिन पायलट न केवल राजस्थान, बल्कि कांग्रेस पार्टी की केन्द्रीय राजनीति में उभरते सितारे के रूप में देखे जा रहे हैं।

उन्होंने राज्य के युवाओं और विभिन्न जातियों को अपने साथ जोड़ने में सफलता पाई है और निस्संदेह वे राजस्थान का भविष्य हैं।

सचिन पायलट के पक्ष में यह ज़रूर कहा जाना चाहिए कि उन्होंने पहल की, रिश्तों में व्याप्त ठंडेपन को कम किया और गहलोत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया। राज्य व दिल्ली की बात छोड़ भी दें तो यही बात उन्हें गहलोत समर्थकों के बीच भी पार्टी में कई "ब्राउनी पॉइन्ट्स" (फायदे) दिलाएगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908